Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
Published from Ranchi
Ranchi ● Sunday, 03 September 2023 ● Year : 01 ● Issue : 228 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

मेहनत वो सुनहरी चाबी है जो बंद भविष्य के दरवाजे भी खोल देती है।

दिवाली पर धमाका करेंगे भाईजान

SHARE

सेंसेक्स	:	62,622.24
निफ्टी	:	18,534.40

SARAFA

सोना	:	5,740
चांदी	:	76.08

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

धनबाद में प्रधान लिपिक को रिश्वत लेते एसीबी ने रंगे हाथों किया गिरफ्तार

DHANBAD : एसीबी ने शनिवार को जिला समाहरणालय रिकॉर्ड रूम में कार्यरत प्रधान लिपिक को चार हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथों धर दबोचा। इस दौरान एसीबी की टीम ने प्रधान लिपिक के घर की तलाशी भी ली लेकिन कुछ भी हाथ नहीं लगा। एसीबी की टीम उसे गिरफ्तार कर साथ ले गई। सीबी डीएसपी जितेंद्र सिंह ने बताया कि मनियाडीह के रहने वाले उमेश सिंह से प्रधान लिपिक ने दस्तावेज के एवज में छह हजार रुपये की मांग की थी। चार हजार में सौदा तय हुआ। उमेश सिंह ने इसकी शिकायत की थी। कार्रवाई करते हुए आरोपित प्रधान लिपिक कृष्ण नन्दू चौधरी को चार हजार रुपये रिश्वत के साथ पकड़ा गया। प्रधान लिपिक के घर की भी तलाशी ली गई लेकिन वहां कुछ नहीं मिला। फिलहाल कार्रवाई की जा रही है।

पुंछ में नियंत्रण रेखा के पास बारूदी सुरंग विस्फोट, सेना का पोर्टर घायल

POONCH : जम्मू संभाग के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा के पास एक बारूदी सुरंग विस्फोट में सेना का एक पोर्टर घायल हो गया। घायल पोर्टर को इलाज के लिए उप-जिला अस्पताल मंडी में स्थानांतरित किया गया है। शनिवार को पुंछ के सौजियान सेक्टर में एक बारूदी सुरंग विस्फोट हुआ, जिसकी चपेट में आने से सेना का एक पोर्टर और एक घोड़ा घायल हो गया। घायल पोर्टर की पहचान मुख्तार अहमद पुत्र मोहम्मद सलीम के रूप में हुई है। उसे इलाज के लिए उप-जिला अस्पताल मंडी में स्थानांतरित कर दिया गया है।

देश के तीन हाई कोर्ट में चार जजों की नियुक्ति

NEW DELHI : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने देश के तीन हाई कोर्ट में चार जजों की नियुक्ति की है। राष्ट्रपति ने केरल हाई कोर्ट, उड़ीसा हाई कोर्ट और गौहाटी हाई कोर्ट ने लिए जजों की नियुक्ति की है। आज जारी नोटिफिकेशन में इसकी घोषणा की गई। राष्ट्रपति ने केरल हाई कोर्ट के एडिशनल जज जस्टिस चंद्रशेखरन सुधा को स्थायी जज के रूप में नियुक्त किया है। राष्ट्रपति ने बुदी हाबुंग को गौहाटी हाई कोर्ट का जज जबकि शिबशंकर मिश्रा और आनंदा चंद्र बेहरा को उड़ीसा हाई कोर्ट का जज नियुक्त किया है।

अब सूरज के सफर पर निकला ADITYA L1

प्रक्षेपण सफल, 125 दिन बाद करेगा 'सूर्य नमस्कार'

AGENCY BENGALURU : चंद्रयान-3 की चांद के दक्षिणी ध्रुव पर कामयाब लैंडिंग के 10वें दिन इसरो ने शनिवार को आदित्य एल-1 मिशन लॉन्च कर दिया। आदित्य सूर्य की स्टडी करेगा। इसे सुबह 11.50 बजे पीएसएलवी-सी 57 के एक्सएल वर्जन रॉकेट के जरिए श्रीहरिकोटा के सतीश धवन स्पेस सेंटर से लॉन्च किया गया। रॉकेट ने 63 मिनट 19 सेकेंड बाद आदित्य को 235*19500 किलोमीटर की पृथ्वी की ऑर्बिट में छोड़ दिया। करीब 4 महीने बाद यह 15 लाख किलोमीटर दूर लैगरेंज पॉइंट-1 तक पहुंचेगा। इस पॉइंट पर ग्रहण का प्रभाव नहीं पड़ता, जिसके चलते यहां से सूरज पर आसानी से रिसर्च की जा सकती है। ? इसरो ने बताया कि आदित्य एल-1 की पहली ऑर्बिट रेजिंग 3 सितंबर को सुबह 11:45 बजे की जाएगी। ऑर्बिट बढ़ाने के लिए आदित्य एल-1 के थ्रस्टर कुछ देर के लिए फायर किए जाएंगे। लैगरेंज पॉइंट का नाम इतालवी-फ्रेंच मैथमैटीशियन जोसेफी-लुई लैगरेंज के नाम पर रखा गया है। इसे बोलचाल में एल-1 नाम से जाना जाता है। ऐसे पांच पॉइंट धरती और सूर्य के बीच हैं, जहां सूर्य और पृथ्वी का गुरुत्वाकर्षण बल बैलेंस हो जाता है और सेंट्रिफ्यूगल फोर्स बन जाती है। ऐसे में इस जगह पर अगर किसी ऑब्जेक्ट को रखा जाता है तो वह आसानी से दोनों के बीच स्थिर रहता है और उस पॉइंट के आस-पास चक्कर लगाना शुरू कर देता है। पहला लैगरेंज पॉइंट धरती और सूर्य के बीच 15 लाख किलोमीटर की दूरी पर है।

> भारत के पहले सौर मिशन, आदित्य-एल1 का प्रक्षेपण एक ऐतिहासिक उपलब्धि है जो भारत के स्वदेशी अंतरिक्ष कार्यक्रम को एक नए पथ पर ले जाती है। इससे हमें अंतरिक्ष और खगोलीय घटनाओं को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिलेगी। मैं वैज्ञानिकों और इंजीनियरों को बधाई देती हूं। इसरो इस असाधारण उपलब्धि के लिए. मिशन की सफलता के लिए मेरी शुभकामनाएं।
>
> **द्रौपदी मुर्मू, राष्ट्रपति।**

> चंद्रयान-3 की सफलता के बाद भारत ने अपनी अंतरिक्ष यात्रा जारी रखी है। हमारे वैज्ञानिकों और इंजीनियरों को बधाई भारत के पहले सौर मिशन, आदित्य -एल1 के सफल प्रक्षेपण के लिए इसरो। संपूर्ण मानवता के कल्याण के लिए ब्रह्मांड की बेहतर समझ विकसित करने के लिए हमारे अथक वैज्ञानिक प्रयास जारी रहेंगे।
>
> **नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री।**

> अभूतपूर्व! चंद्रयान-3 मिशन की सफलता के बाद आज इसरो के हमारे महान वैज्ञानिकों ने सूर्य का अध्ययन करने के लिए आदित्य-छ1 की सफल लॉन्चिंग की है। इस अवसर पर देश सहित इसरो के समस्त वैज्ञानिकों और उनके परिवारों को अनेक-अनेक बधाई, शुभकामनाएं और जोहार।
>
> **हेमंत सोरेन, सीएम।**

एचईसी की भी अहम भूमिका

PHOTON NEWS RANCHI : आंध्रप्रदेश के श्रीहरिकोटा में स्थापित इसरो का प्रक्षेपण केंद्र किसी मिशन की लांचिंग के लिए जितना महत्वपूर्ण है, झारखंड की राजधानी रांची के धुर्वा में स्थित हेवी इंजीनियरिंग कॉर्पोरेशन (एचईसी) का महत्व उससे कम नहीं है। एचईसी की अहमियत का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि इसरो के हर लांचिंग मिशन में ह्यमदर ऑ?फ ऑल इंडस्ट्रीजह्व के बनाए लांचिंग पैड का इस्तेमाल होता है। सबसे बड़े रॉकेट प्रक्षेपण के लिए जिस यान का निर्माण हुआ था, उसमें मेकॉन के 50 इंजीनियर्स की टीम ने अहम भूमिका निभाई थी। इसके उपकरण बनाने की जिम्मेदारी

टाटा स्टील और एचईसी के अलावा देश के 50 से ज्यादा संस्थानों ने बनाकर दिए थे। सबसे बड़े उपकरण एचईसी में ही बने थे। एचईसी दो लांच पैड इसरो को सप्लाई कर चुका है। तीसरे लांच पैड का यहां निर्माण चल रहा है। एचईसी के वैज्ञानिक सुभाष ने बताया कि एचईसी ने सामरिक क्षेत्र में कई अहम योगदान दिए हैं। वर्ष 2019 में इसरो की ओर से एचईसी को मोबाइल लांच पेडेस्टल का ऑर्डर मिला था।

उधर, 101 मीटर चला प्रज्ञान

AGENCY BENGALURU : चंद्रयान-3 के रोवर प्रज्ञान ने शिवशक्ति लैंडिंग पॉइंट से 100 मीटर की दूरी तय कर ली है। इसरो ने शनिवार (2 सितंबर) को लैंडर विक्रम और रोवर प्रज्ञान के बीच की दूरी का ग्राफ शेयर किया है। इसमें दिखाया गया है कि प्रज्ञान पहले लैंडर से पश्चिम की तरफ जा रहा था। बाद में इसने दिशा बदलकर उत्तर की तरफ चलना शुरू किया। इसरो ने 50*50 स्केल के आधार पर ग्राफ बनाया है। जिसमें बताया है कि रोवर 101.4 मीटर दूरी चल चुका है। विक्रम लैंडर 23 अगस्त को चंद्रमा पर उतरा था। रोवर को यह दूरी तय करने में 10 दिन लगे। इसरो चीफ एस सोमनाथ ने शनिवार को प्रेस

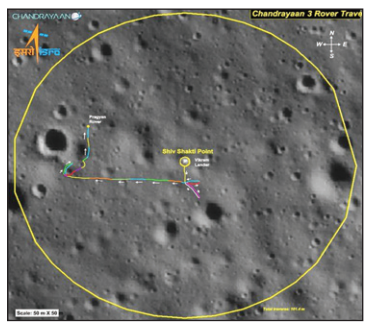

कॉन्फ्रेंस के दौरान बताया कि लूनर नाइट्स नजदीक हैं। इसलिए इसरो चंद्रयान-3 को स्लीप मोड में लाने की तैयारी कर रहा है। चंद्रयान-3 मिशन 14 दिनों का है। 2 सितंबर को इसका 11वां दिन था।

मणिपुर में आसमान से गिराओ जरूरी सामान

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को दिया निर्देश

AGENCY NEW DELHI : सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को केंद्र और मणिपुर सरकार को सख्त निर्देश देते हुआ कहा कि भोजन, दवा और अन्य आवश्यक सामान की जल्द से जल्द आपूर्ति की जाए। शीर्ष अदालत ने सभी जरूरी सामान की सप्लाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे. बी. पारदीवाला की पीठ ने राज्य सरकार को नाकेबंदी से निपटने के लिए सभी विकल्पों पर विचार करने का भी निर्देश दिया। पीठ ने कहा कि अगर जरूरी हो तो आवश्यक वस्तुओं को हवाई मार्ग से उपलब्ध कराने के विकल्प पर विचार किया जाना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि जरूरत पड़े तो सामान को एयरड्रॉप किया जाए। पीठ ने कहा, हम निर्देश देते हैं कि केंद्र सरकार और मणिपुर सरकार दोनों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि प्रभावित क्षेत्रों में

भोजन, दवा और अन्य आवश्यक वस्तुओं की बुनियादी आपूर्ति जारी रहे। मौजूदा या आशंकित नाकेबंदी के कारण आबादी के किसी भी हिस्से को नुकसान न हो। उसने कहा कि इस तरह की नाकेबंदी से किस तरह निपटा जायेगा, यह कानून प्रवर्तन एजेंसियों के लिए विचार करने का मामला है, लेकिन इसमें शामिल मानवीय स्थिति को ध्यान में रखते हुए, सरकार को आवश्यक वस्तुओं को हेलीकॉप्टर से गिराने सहित सभी संभावित विकल्पों का पता लगाना चाहिए।

पीएलएफआई का एरिया कमांडर श्रवण दास खूंटी में दबोचा गया

KHUNTI : प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन पीएलएफआइ के एरिया कमांडर श्रवण दास उर्फ फगुवा दास को पुलिस ने शुक्रवार को रनिया थाना क्षेत्र के बिरता पहाड़ी क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से एक देसी कट्टा, .315 बोर के दो जिंदा कारतूस, एक-47 के चार जिंदा कारतूस, पीएलएफआइ का पर्चा और मोबाइल फोन बरामद किया गया है। इस संबंध में तोरपा के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी ओम प्रकाश तिवारी ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि पीएलएफआइ का एरिया कमांडर श्रवण दास उर्फ फगुआ दास ग्राम विरता के जंगली पहाड़ी क्षेत्र में भ्रमणशील है और किसी आपराधिक घटना को अंजाम देने की फिराक में है। सूचना के सत्यापन और आवश्यक कार्रवाई के लिए पुलिस अधीक्षक अमन कुमार के निर्देश पर तोरपा के एसडीपीओ के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। टीम द्वारा बिरता पहाड़ी क्षेत्र में छापामारी कर श्रवण दास को गिरफ्तार कर लिया।

'एक देश-एक चुनाव' को लेकर एक कदम और बढ़ी सरकार, हाई लेवल कमेटी गठित

सदस्यों में अमित शाह, अधीर रंजन और गुलाम नबी भी शामिल

AGENCY NEW DELHI : कानून मंत्रालय ने पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद की अध्यक्षता में 'एक देश-एक चुनाव' के प्रस्ताव को लेकर हाई लेवल कमेटी का गठन किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, कांग्रेस के लोकसभा नेता अधीर रंजन चौधरी, राज्यसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष गुलाम नबी आजाद, 15वें वित्त आयोग के पूर्व अध्यक्ष एनके सिंह, पूर्व लोकसभा महासचिव सुभाष कश्यप, सीनियर वकील हरीश साल्वे, पूर्व चीफ विजिलेंस कमिश्नर संजय कोठारी समिति के सदस्य होंगे। इनके अलावा, उच्च स्तरीय समिति की बैठकों में राज्य मंत्री (कानून) अर्जुन राम मेघवाल विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में भाग लेंगे। नोटिफिकेशन में कहा गया है कि कमेटी भारत के संविधान और अन्य वैधानिक

अमित शाह

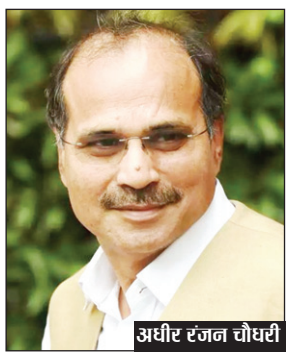
अधीर रंजन चौधरी

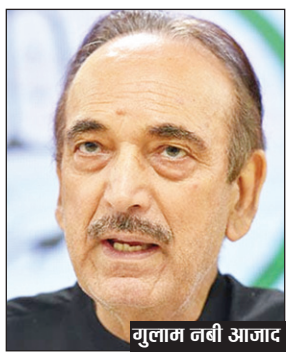
गुलाम नबी आजाद

प्रावधानों के तहत लोकसभा, राज्य विधान सभाओं, नगर पालिकाओं और पंचायतों के लिए एक साथ चुनाव कराने को लेकर जांच करेगी और सिफारिशें पेश करेगी। संविधान, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 के नियमों और किसी भी अन्य कानून या नियमों में संशोधनों की जांच होगी। साथ ही यह सिफारिश की जाएगी कि कहां पर संशोधन की जरूरत है। अगर त्रिशंकु सदन, अविश्वास प्रस्ताव या दलबदल जैसी स्थिति बनती है तो क्या कदम उठाए जाएंगे। यह समिति इसका विश्लेषण करेगी और संभावित समाधानों की सिफारिश करेगी। 8 सदस्यीय समिति चुनावों को एक साथ कराने के लिए फ्रेमवर्क सुझाएगी। कमेटी उस समय सीमा का भी सुझाव देगी जिसके भीतर एक साथ चुनाव कराए जा सकते हैं। मालूम हो कि 1967 तक राज्य विधानसभाओं और लोकसभा के इलेक्शन एक साथ होते रहे। हालांकि, 1968 और 1969 में कुछ विधानसभाओं को समय से पहले भंग कर दिया गया। 1970 में लोकसभा का भी विघटन हुआ। इससे राज्यों और देश के लिए चुनावी कार्यक्रम में बदलाव करना पड़ा।

मराठा आंदोलन के दौरान भड़की हिंसा, एसपी समेत कई पुलिसकर्मी घायल, पथराव और लाठीचार्ज

महाराष्ट्र के जालना में लगी आरक्षण की आग

AGENCY MAHARASHTRA : महाराष्ट्र के जालना में मराठा आरक्षण की मांग को लेकर चल रहा विरोध प्रदर्शन हिंसक हो गया। अंबाद चौफुली इलाके में प्रदर्शनकारियों की ओर से पथराव में जालना के एसपी तुषार दोशी समेत 4-5 पुलिसकर्मी घायल हो गए। दोशी ने बताया कि पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए हवा में प्लास्टिक की गोलियां चलाईं। पुलिस ने 360 से अधिक लोगों पर मामला दर्ज किया है। हिंसा में पुलिसकर्मियों समेत अन्य लोग भी घायल हुए हैं। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। आंदोलनकारी शनिवार को भी अपनी मांगों को लेकर अड़े रहे और कहा कि जब तक सरकार समुदाय को आरक्षण

आंदोलनकारियों को नियंत्रित करने में जुटी पुलिस ● एजेंसी

नहीं देती तब तक वे आंदोलन जारी रखेंगे। उन्होंने उनके 'शांतिपूर्ण' आंदोलन के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई पर भी सवाल उठाया और पूछा कि उन्होंने हवा में गोलियां क्यों चलाईं और प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज क्यों किया। पुलिस के मुताबिक, प्रदर्शनकारियों ने कम से कम 15 राज्य परिवहन बसों और कुछ निजी वाहनों में आग लगा दी। सीनियर पुलिस अधिकारी ने बताया कि जालना के गोंडी पुलिस थाने में शुक्रवार को हुई हिंसा में शामिल होने पर लगभग 360 से अधिक लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है जिनमें से 16 आंदोलनकारियों की पहचान कर ली गई है। पुलिस ने शुक्रवार को औरंगाबाद से लगभग 75 किलोमीटर दूर अंबाद तहसील में धुले-सोलापुर मार्ग पर अंतरवाली सारथी गांव में हिंसक भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले दागे थे। बता दें कि मंगलवार से गांव में मराठा समुदाय के लिए आरक्षण की मांग को लेकर भूख हड़ताल कर रहे थे।

प्लास्टिक के छर्रे और आंसू गैस का इस्तेमाल

अधिकारी ने बताया कि पुलिसकर्मी और राज्य रिजर्व पुलिस बल (एसआरपीएफ) की एक कंपनी अब गांव में तैनात कर दी गई है। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने और स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए प्लास्टिक के छर्रे और आंसू गैस का इस्तेमाल किया। अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है और स्थिति अब नियंत्रण में है।' मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शुक्रवार को शांति की अपील की और घोषणा की कि हिंसा की उच्च स्तरीय जांच के लिए एक समिति गठित की जाएगी। उपमुख्यमंत्री और गृह मंत्री देवेंद्र फणनवीस ने दावा किया कि पथराव के कारण पुलिस को लाठीचार्ज करने के लिए मजबूर होना पड़ा। राजनीतिक रूप से प्रभावशाली मराठा समुदाय के लिए राज्य सरकार द्वारा प्रदान किए गए आरक्षण को सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर दिया था। अंतरवाली सारथी गांव में पत्रकारों से बात करते हुए विरोध प्रदर्शन के नेता जारांगे ने कहा, 'अब अनशन समाप्त नहीं किया जाएगा।

नरेश गोयल 11 सितंबर तक ईडी कस्टडी में

NEW DELHI : मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने शनिवार को जेट एयरवेज के फाउंडर नरेश गोयल को मुंबई के पीमएलए कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने गोयल को 11 सितंबर तक ईडी की कस्टडी में भेज दिया है। अब ईडी उनसे पूछताछ करेगी। गोयल पर 538 करोड़ रुपए के बैंक घोटाले का आरोप है। शुक्रवार को ईडी ने 74 साल के नरेश गोयल को पूछताछ के लिए मुंबई ऑफिस बुलाया था। पूछताछ के बाद देर रात उन्हें गिरफ्तार कर लिया था। इसके पहले ईडी ने उन्हें दो बार पूछताछ के लिए बुलाया था, लेकिन वो पेश नहीं हुए थे। पिछले साल नवंबर में केनरा बैंक ने नरेश गोयल, उनकी पत्नी अनीता सहित अन्य के खिलाफ धोखाधड़ी की शिकायत की थी।

महिला को निर्वस्त्र कर गांव में घुमाया

राजस्थान में घटी शर्मशार करने वाली घटना

AGENCY RAJASTHAN : राजस्थान में प्रतापगढ़ जिले के धरियावाद थाना क्षेत्र के एक गांव में एक महिला को निर्वस्त्र कर घुमाने का खुलासा होने पर हड़कम्प मच गया। महिला के पति ने ही गांव वालों के सामने उसे एक किलोमीटर तक दौड़ाया। यह वाकया 31 अगस्त का है। शुक्रवार को इसका वीडियो वायरल होने पर सरकार हरकत में आई। त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने पति सहित सात आरोपितों को गिरफ्तार किया, वहीं चार को डिटेन किया गया है, जिनमें से एक नाबालिग है। पुलिस के आला अधिकारियों के मौके पर पहुंचने के बाद शनिवार दोपहर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी धरियावद पहुंचे और उन्होंने पीड़िता को हर तरह की सहायता उपलब्ध कराने की बात कही। मामले में राज्य व राष्ट्रीय महिला आयोग ने भी रिपोर्ट तलब की है। इस मामले को लेकर सियासी बवाल भी शुरू हो चुका है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने इसे राजस्थान की कमजोर कानून-व्यवस्था का नतीजा बताया है, वहीं प्रदेश अध्यक्ष ने संगठन स्तर की तीन सदस्यीय जांच कमेटी भी गठित की है।

BRIEF NEWS

पलामू में बाबूलाल मरांडी की संकल्प यात्रा को ऐतिहासिक बनाने का निर्णय

PALAMU: जिले के नीलाम्बर-पीताम्बरपुर प्रखंड के मौर्या फॉर्म हाउस में शनिवार को भाजपा कार्यकताओं की बैठक हुई। बैठक में मुख्य रूप से क्षेत्रीय विधायक डॉ. शशिभूषण मेहता, जिला अध्यक्ष विजयानंद पाठक समेत बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता मौजूद थे। बैठक को संबोधित करते हुए विधायक मेहता ने कहा कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी की संकल्प यात्रा को हर हाल में सफल बनाना है। ऐतिहासिक आयोजन हो, इसके लिए सभी कार्यकर्ता अपना 100 प्रतिशत दें। उन्होंने कहा कि 13 सितंबर को पांकी विधानसभा क्षेत्र में मरांडी का आगमन होगा। उनकी संकल्प यात्रा को लेकर भाजपा कार्यकताओं में काफी उत्साह है। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कार्यकर्ता जोर-शोर से जुट जाएं। जिला अध्यक्ष ने कहा कि कार्यक्रम को लेकर भारतीय जनता पार्टी तैयारी में जुट गई है। प्रखंड से लेकर बूथ स्तर तक में कार्यकताओं के साथ बैठक की जा रही है।

निलय ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन के अध्यक्ष भीम मुंडा बने उपाध्यक्ष

RANCHI: राष्ट्रीय लोक जनता दल ने पार्टी का विस्तार करते हुए संदीप कुमार को झारखंड में कार्यकारी अध्यक्ष मनोनीत किया है। रालोजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेन्द्र कुशवाहा ने संदीप कुमार को रालोजद में शामिल कर उन्हें नई जिम्मेदारी दी है। राष्ट्रीय लोक जनता दल ने बिहार के साथ दूसरे राज्यों में भी अपनी मजबूत उपस्थिति को दर्ज कराने के लिए पूरी तरीके से कमर कस ली है। इसी क्रम में राष्ट्रीय लोक जनता दल ने झारखंड में शिक्षित और जुझारू युवाओं को झारखंड प्रदेश की कमान सौंपी है। निलय ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन के चेयरमैन भीम मुंडा को उपाध्यक्ष के पद पर मनोनीत किया गया है। संदीप कुमार ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि नयी टीम राज्य में मजबूती से काम करेगी। पार्टी का लक्ष्य आगामी चुनावों में एनडीए गठबंधन को मजबूत करना है। इस लक्ष्य के लिए वो आने वाले महीनों में ज्यादा से ज्यादा युवाओं को पार्टी से जोड़ने का काम करेगी। राज्य के बुनियादी मुद्दों पर काम करना पार्टी की प्राथमिकता होगी। संदीप कुमार ने बताया कि राज्य में अभी दो उपाध्यक्ष और तीन महासचिव का मनोनयन किया गया है।

भाजपा की जनआशीर्वाद यात्रा की आज होगी शुरूआत

BHOPAL: मध्य प्रदेश में इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुटी भाजपा प्रदेश में विभिन्न स्थानों से पांच जनआशीर्वाद यात्राएं निकालने जा रही है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा रविवार, 03 सितंबर को चित्रकूट से प्रारंभ हो रही पहली जन आशीर्वाद यात्रा का हरी झंडी दिखाकर शुभारम्भ करेंगे। पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह यात्रा को रवाना करने वाले थे, लेकिन अपरिहार्य कारणों से अब वे इस कार्यक्रम में नहीं आ रहे हैं। भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया प्रमुख अनिल बलूनी ने शनिवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा रविवार को मध्य प्रदेश के एक दिवसीय प्रवास पर सतना में रहेंगे। वे यहां पार्टी के राज्यव्यापी कार्यक्रम जन आशीर्वाद यात्रा का शुभारम्भ करेंगे। नड्डा रविवार सुबह 10.25 बजे खजुराहो एयरपोर्ट पहुंचेंगे, जहां पार्टी के वरिष्ठ नेताओं द्वारा उनका स्वागत किया जाएगा। इसके बाद वे सतना के लिए रवाना होंगे। वे पूर्वान्ह 11.10 बजे सतना के ऐतिहासिक एवं प्रसिद्ध भगवान कामतानाथ मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगे और दोपहर 12.10 बजे मझगवां से भाजपा की जन आशीर्वाद यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। वे इस अवसर पर आयोजित जनसभा को भी संबोधित करेंगे। प्रदेश में भाजपा सरकार के 18 साल के कार्यकाल की उपलब्धियों को राज्य में जन-जन तक पहुंचाने और कांग्रेस के झूठ का पदार्फाश करने के लिए पार्टी दावारा जन आशीर्वाद यात्राएं निकाल रही है।

झामुमो ने किया सवाल, संसद का पांच दिनों का विशेष सत्र क्यों बुला रही केंद्र सरकार

इंडिया गठबंधन से भाजपा और केंद्र सरकार को होने लगा भय : सुप्रियो

PHOTON NEWS RANCHI:

प्रेस कांफ्रेस में पत्रकारों से बातचीत करते सुप्रियो भट्टाचार्य।

झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने केंद्र सरकार से सवाल किया कि संसद का पांच दिनों का विशेष सत्र क्यों बुला रहे हैं, यह बतायें। साथ ही कहा कि इंडिया गठबंधन से भाजपा और केंद्र सरकार को भय होने लगा है। यही वजह भी है कि संसद के पांच दिनों के विशेष सत्र के आयोजन के संबंध में वह सरकारी नोटिफिकेशन जारी नहीं कर रही।

भट्टाचार्य शनिवार को हरमू स्थित पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि देश संविधान और कुछ पारंपरिक मान्यताओं से चलता है। इस सरकार में हिंदुस्तान की संसदीय परंपरा समाप्त हो रही है। आखिर किन विशेष परिस्थितियों में पांच दिवसीय विशेष सत्र का आयोजन हो रहा है, यह सरकार बताए। भट्टाचार्य ने कहा कि तीन महीने से मणिपुर जल रहा है लेकिन विशेष सत्र केंद्र सरकार नहीं बुला पाती। प्रधानमंत्री विदेशों का दौरा करते हैं। अपने मित्र से संबंधित बातों का जवाब नहीं देते।

उन्होंने कहा कि देश-विदेश के प्रतिष्ठित संस्थान, आर्थिक मामलों के जानकार नाम लेकर तथ्यों के साथ देश के सबसे बड़े उद्योगपति के कारनामे छाप रहे हैं लेकिन प्रधानमंत्री चुप रहते हैं। गुजरात सरकार उनके मित्र की चोरी पकड़ती है लेकिन वे खामोश रहते हैं। आखिर विशेष सत्र में होगा क्या। जब दो महीने के बाद शीतकालीन सत्र तो आना ही था तो ऐसी कौन सी आपदा आ गयी कि विशेष सत्र बुला रहे हैं। पहले पता रहता तो सभी दल तैयारियों के साथ इसमें शामिल होते।

उन्होंने इंडिया गठबंधन में शामिल सभी 27 दलों का आभार भी जताया। साथ ही कहा कि एक सितम्बर को इंडिया की तीसरी बैठक मुंबई में संपन्न हुई। इसमें पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन को राष्ट्रीय स्तर पर बनी समन्वय समिति का सदस्य चुना गया। इस देश के 11 करोड़ से ज्यादा आदिवासी जनसमुदाय के प्रतिनिधित्व करने, नौजवानों का, मूलवासियों का प्रतिनिधित्व करने को सबसे पुरानी पार्टी सहित कश्मीर से कन्याकुमारी तक की पार्टियों ने हेमंत पर भरोसा जताया है।

आज थमेगा डुमरी विधानसभा उपचुनाव के प्रचार का शोर

PHOTON NEWS RANCHI:

डुमरी विधानसभा उपचुनाव के प्रचार का शोर रविवार शाम पांच बजे थम जाएगा। पांच सितंबर को जनता डुमरी का नया विधायक चुनने के लिए मतदान करेगी। चुनाव में खड़े छह उम्मीदवारों में से किसके सिर पर जीत का सेहरा सजेगा, यह आठ सितंबर को चुनाव परिणाम आने के बाद साफ होगा। रविवार को चुनाव प्रचार के अंतिम दिन एनडीए और आईएनडीआईए के कई दिग्गज चुनाव प्रचार में उतरकर पसीना बहाएंगे। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, बाबूलाल मरांडी, रघुवर दास, सुदेश महतो समेत कई स्टार प्रचारक अंतिम दिन प्रचार में ताकत झोंकेंगे।

डुमरी में झामुमो और आजसू पार्टी में मुख्य रूप से मुकाबला दिख रहा था लेकिन ओवैसी की पार्टी ने अब्दुल मोमिन रिजवी को उतारकर उपचुनाव को त्रिकोणीय मुकाबले के मोड़ पर ला दिया है। उधर, कांग्रेस, झामुमो, राजद, जदयू समेत कई दलों के नेता झामुमो प्रत्याशी बेबी देवी को जिताने के लिए डुमरी में कैंप कर पसीना बहा रहे हैं। वहीं आजसू की प्रत्याशी यशोदा देवी को चुनाव जीताने के लिए आजसू पार्टी के नेताओं के साथ-साथ भाजपा के भी सभी दिग्गज नेता जोर-शोर से लगे हैं। इनके साथ भाजपा-आजसू के कई विधायक और सांसद भी जनसंपर्क और चुनावी सभा कर रहे हैं।

'एक देश, एक चुनाव' देश में चुनाव सुधारों के लिए आवश्यक : अभाविप

PHOTON NEWS RAMGARH:

देश के केंद्रीय नेतृत्व ने ₹एक देश एक चुनाव₹ का मुद्दा उजागर किया है। इस मुद्दे पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने भी अपना समर्थन जाहिर किया है। अभाविप के प्रदेश एसएफडी संयोजक गौतम कुमार महतो ने शनिवार को इस मुद्दे पर अपनी प्रतिक्रिया जाहिर की है।

उन्होंने कहा है कि अभाविप के कार्यकताओं ने एक देश एक चुनाव की संभावनाओं पर काफी गंभीरता से विचार किया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में देश में चुनाव सुधारों की दिशा में विभिन्न कदम उठाए जाने आवश्यक हैं। इससे लोकतंत्र के इस महत्वपूर्ण पक्ष में परिस्थितिजन्य दोषों को दूर किया जा सके। अभाविप ने समय-समय पर देश की चुनाव व्यवस्था के विभिन्न पक्षों जैसे मताधिकार के प्रयोग, धनबल-बाहुबल को नकारने, सभी वर्गों की चुनावी प्रतिनिधित्व में उचित सहभागिता, चुनावों में भ्रष्टाचार को खत्म करने जैसे विषयों पर उचित विमर्श के उपरांत देश के शैक्षणिक परिसरों में युवाओं के मध्य चुनाव सुधारों के लिए संवाद हेतु संगोष्ठियां व अन्य रचनात्मक प्रयोग किए। अभाविप की नागपुर में 2013 में सम्पन्न हुई राष्ट्रीय कार्यकारी परिषद में चुनाव सुधार के लिए नीतिगत निर्णय लेने का आह्वान किया गया था। देश को स्वाधीनता मिलने के उपरांत शुरूआत में "एक देश-एक चुनाव" की स्थिति थी। कई विधानसभा और लोकसभा चुनाव साथ हुए, लेकिन विभिन्न कारणों से यह क्रम टूट गया। धीरे-धीरे यह स्थिति बनी की देश पूरे समय चुनावी मोड में रहने लगा है। चुनावी मोड में रहने की स्थिति के कारण कई तरह के निर्णय भी प्रभावित होते हैं, जो कि देश के लिए अहितकारी है।

बूथ जीतो, चुनाव जीतो : कर्मवीर सिंह

RANCHI: भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने डुमरी उप चुनाव में सांगठनिक व्यवस्था को मजबूत करने में पूरी ताकत झोंक दी है। उन्होंने शनिवार को सरसाखो मंडल के बेहरासुइया शक्ति केंद्र की बैठक की। बूथ समिति के सदस्यों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मतदान का केंद्र बिंदु बूथ ही होता है। हर कार्यकर्ता को अपने अपने बूथों पर प्रत्याशी को जीत दिलाने के लिए संकल्पित होना है। कर्मवीर ने कहा कि हम बूथ जीतो-चुनाव जीतो के मंत्र को कभी नहीं भूलें। चुनाव के दिन बूथ के कार्यकताओं को बूथ की ही चिंता करनी चाहिए। हम बूथ पर शत-प्रतिशत मतदान सुनिश्चित कराने का संकल्प लें। बैठक में सिमरिया विधायक किशुन दास, प्रदेश प्रवक्ता सरोज सिंह, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सुरेश साव भी उपस्थित थे।

झाप्रसे के 43 प्रशिक्षु अधिकारी करेंगे भारत दर्शन, मुख्यमंत्री की मिली सहमति

श्री कृष्ण लोक प्रशासन संस्थान में मिलेगा प्रशिक्षण

PHOTON NEWS RANCHI:

झारखंड लोक सेवा आयोग, जेपीएससी की 7वीं से 10वीं संयुक्त सिविल सेवा परीक्षा से नियुक्त 43 परीक्ष्यमान उप समाहताओं (डिप्टी कलेक्टर) के दूसरे चरण का प्रशिक्षण और भारत दर्शन प्रशिक्षण कार्यक्रम समेकित रूप से एक सितंबर से 30 सितंबर तक चलेगा। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रस्ताव को स्वीकृति दे दी है।

पहली बार भारत दर्शन करेंगे राज्य प्रशासनिक सेवा के प्रशिक्षु अधिकारी

मुख्यमंत्री की सोच है कि जिस तरह भारतीय प्रशासनिक सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों को भारत दर्शन कराया जाता है, उसी तरह राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को भी भारत दर्शन कराया जाए ताकि वे अन्य प्रदेशों की प्रशासनिक व्यवस्था और विकास कार्यों को देख और समझ सकें। भारत दर्शन के दौरान उन्हें जो अनुभव प्राप्त होगा उससे वे राज्य के विकास में और भी बेहतर तरीके से योगदान कर सकेंगे। मुख्यमंत्री के इसी विजन को ध्यान में रखकर परीक्ष्यमान उप समाहताओं को पहली बार भारत दर्शन कराया जा रहा है ।

सभी परीक्ष्यमान उप समाहताओं के दूसरे चरण का प्रशिक्षण श्री कृष्णा कृष्ण लोक प्रशासन संस्थान, रांची में आयोजित होगा। इससे पहले इन सभी उप समाहताओं को प्रशिक्षण कार्यक्रम के बीच में ही श्रावणी मेला को लेकर देवघर और दुमका में प्रतिनियुक्त किया गया था। दूसरे चरण के प्रशिक्षण तथा भारत दर्शन प्रशिक्षण कार्यक्रम पूर्ण होने के उपरांत सभी परीक्ष्यमान उप समाहर्ता एक अक्टूबर से जिला प्रशिक्षण के लिए अपने पदस्थापित जिला में योगदान सुनिश्चित करेंगे।

हेमंत सरकार से राज्य को हो रहा बड़ा नुकसान : अर्जुन मुंडा

PHOTON NEWS RANCHI:

सभा को संबोधित करते अर्जुन मुंडा • फोटोन न्यूज

केंद्रीय जनजातीय मामलों के मंत्री अर्जुन मुंडा ने शनिवार को डुमरी विधानसभा क्षेत्र उप चुनाव में एनडीए प्रत्याशी यशोदा देवी के पक्ष में निमियाघाट, ठाकुर चक और रोशना टुंडा ठाकुरबाड़ी में पंचायत के लोगों के साथ जनसंपर्क किया। मुंडा ने प्रचार अभियान में अनेक स्थानों पर जनता को संबोधित भी किया।

मुंडा में कहा कि हेमंत सोरेन के नेतृत्व में चल रही सरकार से राज्य को बड़ा नुकसान हो रहा है। इस सरकार से जनता को सतर्क और सावधान रहते हुए उप चुनाव में निर्णय लेने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि यह उप चुनाव एक विधानसभा को प्रभावित नहीं करेगा, बल्कि देश और प्रदेश की दिशा और दशा तय करेगा। इसलिए डुमरी से एक नया संदेश देने की जरूरत है। इसके लिए जनता तैयार दिख रही है।

उन्होंने कहा कि राज्य में अपराध पर नियंत्रण नहीं। रोज भ्रष्टाचार के नए नए मामले उजागर हो रहे। ऐसे में राज्य का भविष्य अंधकारमय में दिख रहा। राज्य सरकार ने ऐसा कोई काम नहीं किया को राज्यहित में हो। केंद्र सरकार झारखंड के लिए हर संभव सहायता उपलब्ध कराने को तैयार है लेकिन राज्य सरकार अवसर का लाभ लेने में विफल साबित हुई।

उन्होंने कहा कि प्रगति के लिए दूरगामी ठोस नीति बनाने और लागू करने की जरूरत है लेकिन राज्य सरकार ने ऐसी कोई पहल नहीं की। हेमंत सरकार निजी स्वार्थ में डूबी है। जन भावनाओं के अनुरूप काम नहीं कर रही है, जिसके परिणाम स्वरूप झारखंड प्रगति के पथ पर पिछड़ रहा है।

झारखंड का तालिबानीकरण कर रही राज्य सरकार : बाबूलाल

राज्य की विधि व्यवस्था पूरी तरह हो चुकी ध्वस्त

PHOTON NEWS RANCHI:

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने शनिवार को नवाडीह प्रखंड के नवाडीह, बिरनी काली मंडप, चिरुडीह मोड़, भेड़रा सहित अनेक गांव एवम बस्तियों में मतदाताओं से संपर्क कर एनडीए प्रत्याशी यशोदा देवी को जिताने की अपील की।

प्रचार अभियान में मतदाताओं को संबोधित करते हुए बाबूलाल ने कहा कि राज्य की विधि व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। अपराधी बेखौफ हैं। उन्हें कानून का भय नहीं। पुलिस प्रशासन का भय नहीं। क्योंकि, हेमंत सरकार से अपराधियों को संरक्षण प्राप्त है। उन्होंने कहा कि जमशेदपुर कोर्ट परिसर में कोर्ट के पदाधिकारी पर हुए आपराधिक हमला राज्य सरकार की विफलता है। अपराधी अब कानून को हाथ में ले रहे। ऐसा लग रहा कि हेमंत सरकार ने अपराधियों को हिम्मत देकर झारखंड का तालिबानीकरण कर दिया है।

उन्होंने कहा कि पुलिस का इकबाल समाप्त हो चुका है। क्योंकि, राज्य की पुलिस विधि व्यवस्था को ठीक करने और अपराधियों को पकड़ने में नहीं, बल्कि वसूली करने में ताकत का उपयोग कर रही है। हत्या, लूट, बलात्कार, अपहरण जैसी घटनाएं राज्य में आम हो गई हैं। प्रदेश में बिना पैसे के कोई काम नहीं होता। जन्म प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र छोड़िए यहां तो मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए भी घूस देने पड़ते हैं।

उन्होंने कहा कि झारखंड का निर्माण भाजपा की देन है और जितने भी विकास कार्य सड़क, पुल पुलिया, हाईवे अस्पताल, एयरपोर्ट दिख रहे वह भाजपा सरकार की देन है। मोदी सरकार पिछले नौ वर्षों से गांव, गरीब, किसान मजदूर आदिवासी, दलित पिछड़े सभी की सेवा में लगी है। अनेक कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं। साथ ही कहा कि हेमंत सरकार ने अपने एक भी वादे पूरे नहीं किए। केवल जनता को दिग्भ्रमित किया है।

उन्होंने कहा कि झारखंड को विकास के पथ पर आगे बढ़ाने की भाजपा, आजसू गठबंधन, एनडीए की सरकार जरूरी है। डुमरी से इसकी शुरूआत करें। हेमंत सरकार को सबक सिखाएं। इसे उखाड़ फेंकने का संकल्प लें।

गहलोत सरकार को राजस्थान की सुख, शांति, अमन-चैन की कोई परवाह नहीं

कांग्रेस का मतलब लूट-भ्रष्टाचार, गहलोत राज में है खुली छूट : नड्डा

AGENCY JAIPUR:

कार्यक्रम को संबोधित करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा है कि गहलोत सरकार के कुशासन से आम जनता त्रस्त हो गई है इसलिए भाजपा कार्यकताओं को इसे खत्म करने के लिए कमर कस लेनी चाहिए। गहलोत सरकार को राजस्थान की सुख, शांति, अमन-चैन की कोई परवाह नहीं है। इस सरकार में विधायकों को खुली छूट है। उन्होंने कहा कि इस सरकार का मतलब लाल डायरी है। जो मंत्री इसके खिलाफ आवाज उठाता है, उसे बर्खास्त कर दिया जाता है। ऐसी सरकार को उखाड़ फेंकना चाहिए।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा शनिवार को सवाई माधोपुर के दशहरा मैदान में राजस्थान भाजपा की परिवर्तन संकल्प यात्रा के शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे। राजस्थान में बीजेपी की 'परिवर्तन संकल्प यात्रा' शनिवार दोपहर सवाई माधोपुर के रणथम्भोर के त्रिनेत्र गणेश मंदिर से रवाना हो गई। यात्रा को बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने हरी झंडी दिखाई। वह खुद कुछ किलोमीटर तक रथ पर सवार होकर यात्रा में चले। यात्रा से पहले उन्होंने सवाई माधोपुर के दशहरा मैदान में जनसभा का आयोजन किया गया।

अपने संबोधन में नड्डा ने राजस्थान की गहलोत सरकार पर निशाना साधा। नड्डा ने कहा कि टू जी-थ्री जी से कौन चेहरे सामने आते हैं, वही भ्रष्टाचार के चेहरे सामने आते हैं। कोल स्कैम हुआ, नेशनल हेराल्ड घोटाला। सोनिया गांधी, राहुल गांधी बेल पर है कि नहीं? इनमें से आधे जेल में हैं और आधे बेल पर। यूपी में अखिलेश सरकार के वक्त लैपटॉप घोटाला हुआ कि नहीं? लालू का चारा घोटाला हुआ कि नहीं हुआ? लैंड के बदले नौकरी का घोटाला हुआ कि नहीं हुआ? इन्हें देश से मतलब नहीं है, परिवार बचाओ और भ्रष्टाचार पर पर्दा डालो, यही काम है।

उन्होंने कहा कि राजस्थान में सरकार का रूप है- लाल डायरी। जो लाल डायरी का बचाव कर रहा है, आने वाले चुनाव में उसे बर्खास्त कर देना है। राजस्थान आज बेटियों पर अत्याचार के लिए जाना जाने लगा है, जो राजस्थान संस्कारों की भूमि था, उसका क्या हाल कर दिया। यहां युवा परीक्षा बाद में देता है, पहले बैकडोर एंट्री की तैयारी हो जाती है। हर परीक्षा के पेपर लीक हो रहे हैं। क्या युवा ऐसी सरकार को माफ करेंगे? यह सरकार शहीदों का अपमान करती है। ये लोग तुष्टिकरण की राजनीति करते हैं। प्रतापगढ़ में ताजा घटना से मानवता शर्मसार हुई। भरतपुर में राजस्थान सरकार के मंत्री का पति रेप और मर्डर केस में आरोपित है, वह खुला घूम रहा है। ऐसे कुशासकों को बाहर करना है तो परिवर्तन यात्रा के संकल्प को लेकर आगे बढ़ना होगा। राजस्थान में विधायकों को लूट की खुली छूट दे रखी है।

नड्डा के भाषण में ज्यादातर समय तक गहलोत निशाने पर रहे। उन्होंने कहा कि राजस्थान में 4.5 करोड़ लोगों को अन्न मिल रहा है। भारत की अति गरीबी एक फीसदी से कम रह गई है। गजेंद्र सिंह घर-घर नल लगाना चाहते हैं और गहलोत सरकार जल जीवन मिशन में 20 हजार करोड़ का घोटाला करना चाहती है। हम पानी पहुंचा रहे हैं और ये घोटाला कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि 10 साल पहले आप मेड इन चाइना मोबाइल लेकर घूमते थे, आज 97 फीसदी मोबाइल भारत में बन रहे हैं। देश आगे बढ़ रहा है, लेकिन दुख से कहना पड़ रहा है कि राजस्थान पीछे रह गया है। साल 2014 से पहले और अब में अंतर आ गया है। नड्डा ने कहा कि शुक्रवार को प्रतापगढ़ के धरियावाद की घटना शर्मसार करने वाली है। चाहे अलवर, बाड़मेर, चूरू का किस्सा हो, सब जगह जघन्य अपराध हो रहे हैं। अबोध बच्चियों से रेप हो रहे हैं। राजस्थान में क्या यही चलने देना है? अगर नहीं चलने देना है तो परिवर्तन करना होगा। क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े बताते हैं कि राजस्थान महिला अत्याचार और रेप के मामले में नंबर वन है। राजस्थान की यह छवि बदलनी है तो गहलोत सरकार को बदलना होगा। इससे पहले पूर्व सीएम वसुंधरा राजे ने मंच से अपनी पहली परिवर्तन यात्रा का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि साल 2003 में चारभुजा मंदिर के दर्शन करके हमने परिवर्तन यात्रा शुरू की थी। इसके बाद पहली बार भाजपा को 120 सीट मिली थी। आज भी मैं यहां आई हूं तो चारभुजा का आशीर्वाद लेकर आई हूं। इस दौरान राजे ने राजस्थान में अपराध और भ्रष्टाचार को लेकर बात की। ईआरसीपी को लेकर राजे ने कहा कांग्रेस सरकार जनता को गुमराह कर रही है। मेरे कार्यकाल में हमने इन 13 जिलों की पेयजल और सिंचाई की समस्या को देखते हुए योजना बनाई थी। लेकिन सरकार प्रपोजल नहीं बना कर भेज रही है, जबकि हमने 50 प्रतिशत निर्भरता पर प्रपोजल बनाया था।

HC में पेश हुए गृह सचिव और DGP, अदालतों की सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता करने का मिला निर्देश

जमशेदपुर डीसी और एसएसपी वर्चुअली हुए उपस्थित, पेशकार पर हुए हमले पर कोर्ट ने लिया है स्वतः संज्ञान

झारखंड हाईकार्ट के समक्ष हाजिर होने के लिए जाते राज्य के गृह सचिव और डीजीपी।

SPECIAL REPORTER RANCHI : जमशेदपुर सिविल कोर्ट में पेशकार राकेश कुमार पर हुए हमले पर स्वतः संज्ञान से दर्ज जनहित याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। राज्य के गृह सचिव और डीजीपी कोर्ट में पेश हुए। वहीं जमशेदपुर डीसी और एसएसपी वर्चुअल माध्यम से अदालत के समक्ष उपस्थित हुए। छुट्टी के दिन मुख्य न्यायधीश जस्टिस संजय कुमार मिश्र की बेंच ने राज्य के सभी कोर्ट में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने का निर्देश दिया। इसके बाद अदालत ने मामले की अगली सुनवाई की तारीख सोमवार (4 सितंबर) को निर्धारित की।

अगले माह सीसीटीवी लगाने का काम हो जायेगा पूरा

राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजीव रंजन ने कोर्ट को आश्वस्त किया कि निचली अदालतों की सुरक्षा के लिए सरकार गंभीर है। राजीव रंजन ने बताया कि पूर्व से ही सभी जिला अदालतों (20+4) में सीसीटीवी लगाने का काम चल रहा है, जो अगले माह पूरा कर लिया जायेगा। फिलहाल सीसीटीवी की संख्या 3293 है। वहीं बताया कि तमाम चीजों को लेकर प्रिंसिपल जिला जज की अध्यक्षता में हर महीने मंथली रिव्यू मीटिंग होती है और सुरक्षा के पुख्ता इंतजामों पर चर्चा की जाती है।

पेशकार राकेश कुमार पर धारदार हथियार से हुआ था हमला

गौरतलब है कि जमशेदपुर सिविल कोर्ट के अपर जिला व सत्र न्यायाधीश (एडीजे) संजय कुमार उपाध्याय की कोर्ट के पेशकार राकेश कुमार पर शुक्रवार को धारदार हथियार से हमला हुआ था। इस घटना में पेशकार राकेश कुमार गंभीर रूप से घायल हो गये। कोर्ट में मौजूद पुलिसकर्मियों और वकीलों ने हमलावर को पकड़ लिया और पुलिस को सौंप दिया है। जिसके बाद वह पुलिस की गिरफ्त में है।

BRIEF NEWS

रांची मे हत्या का आरोपी गिरफ्तार, भेजा गया जेल

RANCHI : दशम फॉल थाना पुलिस ने गभेड़या गांव के सरजमकैर में वृद्ध महिला मुंगरी देवी हत्याकांड में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी का नाम मंगल मुंडा है। शनिवार को उसे न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे न्यायिक में जेल भेज दिया गया। पुलिस को दिए बयान में आरोपित ने बताया कि वृद्ध महिला अक्सर उसके नाती को डायन की बात कहकर खा जाने की बात कहती रहती थी। इसके चलते उसने मौका देखकर दउली तथा बैसला (काटने का औजार) से सिर पर प्रहार कर उसकी हत्या कर दी। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

गिरिडीह-रांची के बीच ट्रेन का परिचालन 12 से

RANCHI : न्यू गिरिडीह रांची स्टेशन के बीच ट्रेन का परिचालन 12 सितंबर से शुरू हो जाएगा। ट्रेन को सुबह 10 बजे हरी झंडी दिखाई जाएगा। इस ट्रेन का स्टॉपेज धनवार,महेशपुर हॉल्टच, कोडरमा, हजारीबाग टाउन,बरकाकाना,मेसरा, टाटी सिल्वे स्टेशन पर होगा। जल्द हीं ट्रेन की टिकट बुकिंग भी शुरू की जाएगी। इस संबंध में पूर्वी रेलवे के परामर्श दात्री के सदस्य प्रदीप अग्रवाल ने बताया कि न्यू गिरिडीह-कोडरमा रेलमार्ग से पटना-कोलकाता के लिए सीधी ट्रेन देने पर सहमति मिली है।

श्री श्याम मंदिर में सात को मनेगा श्री कृष्ण जन्मोत्सव

RANCHI : श्री श्याम मंदिर में सात सितम्बर को हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में भगवान श्री कृष्ण का जन्मोत्सव मनाया जाएगा। शनिवार को जन्माष्टमी समारोह के संयोजक गौरव अग्रवाल मोनू ने बताया कि मंदिर परिसर को बैलून और फूलों से सजाया जाएगा। रात आठ बजे से विशेष भजन संकीर्तन का आयोजन होगा। इस अवसर पर कोलकाता से मोहिनी केडिया अपने भजनों से खाटू नरेश को रिझाएंगी और भक्तों को भजनों की गंगा में डूबोएंगी। भजनों का कार्यक्रम रात 12 बजे तक चलेगा। जन्मोत्सव आरती रात 12 बजे और जन्मोत्सव विविध रूप से रात 12.10 बजे से मनाया जाएगा।

चान्हो में मस्जिद से बैट्री और इनवर्टर की चोरी

RANCHI : चान्हो थाना क्षेत्र की कटैया मस्जिद से चोरों ने इनवर्टर और बैट्री चुरा ली। घटना शुक्रवार रात की है। इसको लेकर कटैया निवासी मो अलाउद्दीन ने चान्हो थाना में प्राथमिकी के लिए आवेदन दिया है। उन्होंने बताया कि रात में नमाज के बाद मस्जिद का गेट बंद कर दिया गया था। सुबह जब नमाज के लिए मस्जिद का इमाम पहुंचा तो देखा ताला टूटा है और बैट्री-इनवर्टर गायब है। सूचना मिलने पर पुलिस वहां पहुंची और घटना की जांच कर रही है।

16 लाख के गबन मामले में जांच करने दुग्धा पहुंची पुलिस

RANCHI : डोरंडा स्थित एसबीआइ से 16 लाख रुपये गबन करने के मामले में डोरंडा पुलिस दुग्धा गई है। पुलिस को सूचना मिली है कि आरोपित सोमारू दुग्धा में रहता है। पुलिस का कहना है कि सोमारू मीडिल स्कूल दुग्धा का कर्मचारी कैसे बना और उसे सैलरी स्लीप कैसे मिली पहले इसकी जांच की जाएगी। इसके बाद सोमारू को पकड़कर रांची लाया जाएगा। एसबीआइ के उप प्रबंधक के बयान पर डोरंडा थाना में केस हुआ है। सोमारू पर आरोप है कि उसने वर्ष 2021 में फर्जी दस्तावेज देकर बैंक से लोन लिया था।

atomy
ATOMY
INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

ग्रेड-4 में प्रोन्नति से जुड़े मामले में दाखिल अवमानना याचिका हाईकोर्ट में निष्पादित

RANCHI : झारखंड हाईकोर्ट में बकाया भुगतान से संबंधित एक अवमानना याचिका की सुनवाई हुई। मामले में स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव की ओर से कोर्ट के समक्ष अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बताया गया कि प्रार्थियों का 1 अप्रैल 2003 से बकाया का भुगतान कर दिया गया है। इसके बाद कोर्ट ने अवमानना याचिका को निष्पादित कर दिया। मामले की सुनवाई हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति एसएन पाठक की कोर्ट में हुई। प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता अमित कुमार तिवारी ने पैरवी की। पिछली सुनवाई में कोर्ट के आदेश के आलोक में स्कूली शिक्षा सचिव कोर्ट में हाजिर हुए थे। साथ ही उन्होंने कोर्ट में अंडरटेकिंग दिया था कि प्रार्थियों को 4 सप्ताह में ग्रेड 4 में प्रोन्नति की तिथि 1 अप्रैल 2003 की तिथि से बकाया भुगतान सुनिश्चित करा दिया जाएगा। जिस पर कोर्ट ने उन्हें अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था। बता दें कि वर्ष 2016 अवमानना याचिका की सुनवाई में प्रार्थियों को प्रोन्नति की तिथि से बकाया भुगतान सुनिश्चित करने का आदेश हाईकोर्ट से पारित हुआ था। जिसके खिलाफ राज्य सरकार ने हाईकोर्ट में अपील, रिव्यु याचिका सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी दायर किया था। लेकिन राज्य सरकार को कोई राहत नहीं मिली थी। कोर्ट ने राज्य सरकार की याचिका को खारिज कर दिया था। साथ ही कोर्ट ने याचिकाकताओं के पक्ष में फैसला दिया था। मामले को लेकर सजेश कुमार सहित मनोज कुमार राय एवं अन्य की ओर से हाईकोर्ट में अवमानना याचिका दाखिल की गई थी।

HC समेत राज्यभर के CIVIL COURT में राष्ट्रीय LOK ADALAT नौ को, तैयारियां तेज

RANCHI : झारखंड हाईकोर्ट के साथ राज्यभर के सिविल कोर्ट परिसर में नौ सितंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन होने जा रहा है। इसकी तैयारी को लेकर जिला विधिक सेवा प्राधिकार(डालसा) लगातार प्रयासरत है। पक्षकारों को नोटिस भेजा जा रहा है। इस बार पूरे राज्यभर से एक लाख से अधिक मामलों के निस्तारण का लक्ष्य रखा गया है। जिलों के डालसा ने हजारों की संख्या में पक्षकारों को नोटिस भेजा है। रांची डालसा की ओर 20 हजार से अधिक पक्षकारों को नोटिस भेजा गया है। इसका तामिला कराने के लिए पुलिस प्रशासन को कहा गया है। इसको लेकर डालसा दो बार बैठक भी कर चुकी है। मामलों के निस्तारण के लिए सिविल कोर्ट परिसर एवं समाहरणालय परिसर में 42 बेंच का गठन किया जाएगा। नौ सितंबर को दिन के 10:30 बजे राष्ट्रीय लोक अदालत का उद्घाटन होगा। लोक अदालत में मामले के निष्पादन से पक्षकारों को आर्थिक परेशानियों से राहत मिलेगी। साथ ही समय की बचत होती है। डालसा इस संबंध में खनन, श्रम विभाग, वन विभाग, उत्पाद विभाग, बैंक के अलावे विभिन्न विभाग के लोगों के साथ बैठक कर चुका है। सभी को अधिक से अधिक मामले का निस्तारण हो, इसके लिए अभी से ही लग जाने की सलाह दी गई है। उधर, रेलवे कोर्ट से संबंधित मामले का भी निस्तारण किया जाएगा। राष्ट्रीय लोक अदालत के दिन अधिक से अधिक लोग सिविल कोर्ट पहुंच कर अपने मामलों में सुलह-समझौता करें।

अवैध खनन : पत्थर कारोबारी कृष्णा, भगवान और टिंकल के खिलाफ ईडी ने दाखिल किया आरोप पत्र

CRIME REPORTER RANCHI : साहेबगंज में एक हजार करोड़ रुपए से अधिक के अवैध पत्थर उत्खनन मामले में आज तीन पत्थर करोबारियों पर आरोप पत्र दाखिल कर दिया गया है। जिन पर आरोप पत्र दाखिल किए गए वे पत्थर कारोबारी कृष्णा साहा, भगवान भगत एवं टिंकल भगत हैं। आज आरोप पत्र ईडी के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की कोर्ट में दाखिल किया गया।

जुलाई में हुई थी गिरफ्तारी : साहिबगंज अवैध खनन मामले में तीनों को ईडी ने पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया था। 5 जुलाई को ईडी ने कृष्णा साहा को देर रात गिरफ्तार कर लिया था। उससे ईडी ने लगभग 10 घंटे पूछताछ की थी। वहीं भगवान भगत एवं टिंकल भगत को ईडी ने 7 जुलाई को गिरफ्तार किया था। एक हजार करोड़ के अवैध पत्थर खनन मामले में मनी लॉन्ड्रिंग के तहत जांच कर रही ईडी कृष्णा के ठिकाने पर जुलाई 2022 में छापेमारी की थी।

तीनों आरोपी पंकज मिश्रा के खास : अवैध पत्थर उत्खनन मामले में गिरफ्तार तीनों कारोबारी सीएम हेमंत सोरेन के बरहेट विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा का खास सहयोगी माना जाता है। बताया जाता है कि ये लोग पत्थर खनन के पैसे पंकज मिश्रा को भी पहुंचाते थे। कुछ दिनों पहले कृष्णा साह के अवैध पत्थर खदान में दो मजदूरों की दुर्घटना में मौत हो गई थी।

ईडी ने ड्रोन से की थी मैपिंग : अवैध खनन की जांच में ईडी ने ड्रोन की मदद ली थी। ईडी ने साहेबगंज के बड़हरवा के चंपाडे मौजा के पत्थर खदान की ड्रोन से मापी ली थी। यह माइंस कृष्णा साव की है। जांच के दौरान वहां के कर्मियों के मोबाइल व कागजात भी जब्त किए गए थे। ईडी ने अपनी पड़ताल में पाया था कि जो लीज एरिया निर्धारित किया गया था, उससे से कई गुणा अधिक में अवैध खनन किया जा रहा था। ईडी की कार्रवाई के बावजूद कृष्णा साह के खदान में अवैध खनन जारी था।

लापता कारोबारी का अबतक नहीं मिला सुराग

CRIME REPORTER RANCHI : रातू थाना क्षेत्र के रहने वाले कारोबारी नवीन कुमार मिश्रा का दो दिन बाद भी कोई सुराग नहीं मिला है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, नवीन कुमार मिश्रा ने बीते 31 अगस्त को अपने बेटे के मोबाइल फोन पर लोकेशन भेजा था। जिसके बाद से उनका कोई पता नहीं चल पाया है। नवीन के परिजनों ने रातू थाना क्षेत्र के ललित ग्राम निवासी सोमनाथ पांडे पर अपहरण का आरोप लगाया है। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने सोमनाथ को हिरासत में लेकर पूछताछ किया।हालांकि बाद में उसे छोड़ दिया गया।

कारोबारी नवीन कुमार मिश्रा।

क्रिप्टोकरेंसी में भी पैसा किया था निवेश पुलिस के मुताबिक, नवीन कुमार मिश्रा ने क्रिप्टोकरेंसी में करीब एक से डेढ़ करोड़ निवेश किया था। इसके अलावा उन्होंने शेयर बाजार में भी पैसा इन्वेस्ट किया था। नवीन मिश्रा ने कई लोगों से सूद पर पैसा उधार लिया था। बताया जाता है कि पैसा नहीं चुकाने पर उसने अपने घर को दो लोगों को एग्रीमेंट भी किया था। नवीन मिश्रा की पत्नी साधना पाठक ने थाने में दिये आवेदन में कहा है कि उनके पति (नवीन) 31 अगस्त को दिन के तीन बजे घर से निकले थे। इसके बाद से उनका कोई अता-पता नहीं है। साधना ने पुलिस को बताया कि 31 अगस्त को ही उनके मोबाइल पर सोमनाथ का फोन आया था। वह बकाया पैसा देने के लिए उन्हें घर पर बुला रहा था। इस बात की जानकारी उनके पति नवीन ने उन्हें दी थी।

रांची हिंसा : तोड़फोड़ करने वाले 3000 में से एक भी आरोपी की नहीं हुई पहचान

CRIME REPORTER RANCHI : रांची पुलिस उस केस से जुड़े एक भी आरोपी को पहचान नहीं पाई, जिसमें 3000 से ज्यादा लोगों को अभियुक्त बनाया गया था। रांची पुलिस ने रांची हिंसा से जुड़े कांड (संख्या 22/2022) में कोर्ट के समक्ष फाइनल रिपोर्ट (अंतिम प्रपत्र) दाखिल कर दी है। यह मामला डेली मार्केट थाना का है, जिसमें 3000 से ज्यादा लोगों को अभियुक्त बनाया गया था। पुलिस ने जो अंतिम प्रपत्र कोर्ट में जमा किया है, उसमें आरोपियों के खिलाफ साक्ष्य की कमी बताया गया है। इस केस के

अनुसंधानकर्ता ने प्राथमिकी को तो सत्य बताया है, लेकिन उन्होंने अपनी रिपोर्ट में लिखा है कि आरोपियों के खिलाफ फिलहाल कोई साक्ष्य नहीं मिला है। अनुसंधानकर्ता ने अपनी रिपोर्ट में यह भी लिखा है कि सीसीटीवी फुटेज भी स्पष्ट नहीं है, जिससे आरोपियों की पहचान की जा सके। लेकिन अगर भविष्य में कोई सुराग मिलेगा, तो इस केस की जांच दुबारा शुरू की जायेगी। इसकी जानकारी केस के सूचक (केस करने वाले) को भी दे दी गई है। अब सवाल ये उठता है कि रांची हिंसा की घटना को अंजाम देने वाले हजारों लोग कौन थे और पुलिस उनकी पहचान क्यों नहीं कर पा रही ? बता दें कि 10 जून को पैगंबर विवाद के बाद रांची में जमकर बवाल हुआ था। मेन रोड में पथरबाजी, हंगामा, तोड़फोड़ और आगजनी के बाद इंटरनेट सेवाएं बंद करनी पड़ी थी। रांची में जुमे की नमाज के बाद हिंसा की घटना हुई थी।

तमाड़ में 3.5 लाख के जेवरात उड़ाने वाले आरोपी को पुलिस ने दबोचा, भेजा गया जेल

CRIME REPORTER RANCHI : रांची पुलिस ने शनिवार को तमाड़ इलाके के अनूप साहू के घर से साढ़े तीन लाख रुपये की जेवरात चोरी के आरोप में विवेक सिंह को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। विवेक के पास से पुलिस ने चोरी का जेवरात बरामद किया है। ग्रामीण एसपी हारिस बिन जमां ने बताया कि दो जुलाई को अनुप साहू पूरे परिवार के साथ सोया हुआ था। देर रात अनूप की नींद खुली तो उसने देखा कि उसके घर का दरवाजा बाहर से बंद है। अलमारी में रखा हुआ पूरा जेवरात गायब है। अनूप ने किसी तरह से दरवाजा खोला और बाहर गया तो उसकी स्कार्पियो भी गायब थी। अनूप के बयान पर तमाड़ थाना में केस हुआ। कुछ दिन के बाद पुलिस ने नामकुम इलाके से लावारिस हालत में स्कार्पियो को बरामद किया। पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी हुई थी। इसी बीच तमाड़ इलाके से 28 अगस्त को संजय कुमार की बाइक चोरी हो गई। पुलिस इस मामले की जांच कर रही थी तभी वाहन चेकिंग में चोरी की बाइक के साथ विवेक कुमार पकड़ा गया। पूछताछ में विवेक ने पुलिस को बताया कि अनूप के घर में उसी ने चोरी की घटना को अंजाम दिया था। पुलिस ने आरोपी के पास से स्कार्पियो का चाभी बरामद किया है।

प्रेस कांफ्रेंस कर गिरफ्तार आरोपी के बारे में जानकारी देती पुलिस।

शहरी क्षेत्र के कई इलाकों में घर-घर जाकर मतदाताओं से मिले मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी

मतदाताओं के बीच बैठकर किया सामूहिक विमर्श

PHOTON NEWS RANCHI : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रवि कुमार शनिवार को शहरी क्षेत्र के कई इलाकों में घर-घर जाकर मतदाताओं से मिले। इस दौरान वे रांची के 64 हटिया विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत शहरी क्षेत्र के इलाही नगर, संजीवनी नगर एवं जाकिर कॉलोनी पहुंचे। उन्होंने मतदाता सूची से जुड़े मामलों से संबंधित उनकी शिकायतों और सुझावों को जाना। उन्होंने आम मतदाताओं से सीधे वार्तालाप कर यह जानने का प्रयास किया कि उनके परिवार में कोई पात्र मतदाता छूट तो नहीं गया

मतदाताओं से विचार-विमर्श करते मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रवि कुमार।

है। क्या बीएलओ उनके घर-घर जाकर सत्यापन कर रहे हैं? साथ ही मतदाता सत्यापन के बाद क्या घर के बाहर स्टीकर लगाए गए हैं? इतना ही नहीं उन्होंने एक अपार्टमेंट और दो स्लम इलाके के मतदाताओं के बीच बैठकर उनसे सामूहिक विमर्श भी किया।

भ्रमण के क्रम में कुछ मतदाताओं ने बताया कि वे अर्हता रखते हैं लेकिन अभी तक उनका वोटर आईडी कार्ड नहीं बन पाया। कुछ ऐसे भी मतदाता मिले जिनका वोटर आईडी कार्ड दूसरे राज्य, जिले एवं विधानसभा क्षेत्र का बना हुआ है लेकिन काफी समय से इस क्षेत्र में रहने के कारण अपने मत का प्रयोग नहीं कर पा रहे हैं। इन सब के लिए मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने संबंधित पदाधिकारी को निर्देश दिया कि जिन लोगों का सूची में नाम नहीं है उनके लिए अभियान चलाएं। ऐसे क्षेत्रों में कैम्प लगाकर नागरिकों से फॉर्म छह एवं फॉर्म आठ भरवाकर मतदाता सूची को अद्यतन बनाएं।

इससे पूर्व उन्होंने अपने सभा कक्ष में रांची की उपायुक्त एवं निर्वाचन कार्यों से जुड़े प्रमुख अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। कुमार ने कहा कि हर बार यही संज्ञान में आता है कि रांची के मतदाता अच्छे प्रतिशत में वोट नहीं करते हैं। यह बात यहां के मतदाताओं, निर्वाचन से जुड़े सभी कर्मियों और पदाधिकारियों के लिए गंभीरता के साथ चिंतन करने योग्य है।

नाबालिग से गैंगरेप के तीन आरोपियों को जेल, एक फरार

CRIME REPORTER RANCHI : केडी नेहरू स्टेडियम से शुक्रवार की शाम मेला देखकर लौट रही नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म करने के तीन आरोपियों को खलारी पुलिस ने शनिवार को जेल भेज दिया। जेल जानेवाले आरोपियों में निकेश कुमार गुप्ता, महावीर नगर खलारी, मौसम अंसारी और शेल्टन मेंडिस, लपरा मैकलुस्कीगंज के निवासी हैं। वहीं एक आरोपी अनूप कुजूर मैकलुस्कीगंज निवासी अभी भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। पुलिस उसे पकड़ने के लिए छापेमारी कर रही है। पीड़िता के बयान पर आरोपियों के खिलाफ पोक्सो एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। इससे पहले ग्रामीणों ने खलारी थाना में शुक्रवार की देर रात तक हंगामा किया था। ग्रामीण पीड़िता का बयान लेने के लिए महिला पुलिस बुलाने की मांग पर अड़ गए थे। इसके बाद महिला पुलिस बुलानी पड़ी। ग्रामीण गिरफ्तार आरोपियों को सामने लाने की बात कर रहे थे। बाद में पुलिस के समझाने और दोषियों को कानूनी रूप से सजा दिलाने के आश्वासन के बाद ग्रामीण माने। खलारी और मैकलुस्कीगंज थाना में महिला पुलिस नहीं होने के कारण पुलिस को परेशानी हो रही है। दुष्कर्म की घटना के बाद पीड़िता का बयान लेने के लिए जब पुरुष पुलिस पदाधिकारी पहुंचे तब ग्रामीणों ने महिला पुलिस कर्मी बुलाने की मांग की।

BRIEF NEWS

गिरिडीह में बस हादसा, 18 यात्री घायल

GIRIDIH: जमुआ से रांची जा रही विजय रथ बस शनिवार को ब्रेक फेल हो जाने के कारण दुर्घटनाग्रस्त हो गयी। हादसा बगोदर-हजारीबाग एनएच-522 (टाटीझरिया थाना क्षेत्र के रोल पत्थर के पास) पर हुआ। हादसे में 18 से अधिक यात्री घायल हो गये। एक महिला समेत कई को गंभीर चोट लगी है। हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार और अफरा-तफरी मच गयी। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को विष्णुगढ़ सीएचसी में भर्ती कराया गया। गंभीर रूप से घायल यात्रियों का हजारीबाग रेफर कर दिया गया।

आपूर्ति विभाग की अनियमितता से नहीं बंटा अगस्त माह का खाद्यान्न: सांसद

PALAMU: अगस्त माह में जनवितरण प्रणाली के खाद्यान्न में कटौती को लेकर पलामू के सांसद बीडी राम ने झारखंड सरकार और जिला आपूर्ति विभाग की लापरवाही एवं अनियमितता को जिम्मेवार ठहराया है। सांसद शनिवार को डालटनगंज स्थित अपने आवास पर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विगत दो वर्षों से पलामू संसदीय क्षेत्र के दोनों जिलें पलामू एवं गढ़वा सुखाड़ का दंश झेल रहे हैं। बावजूद इसके अगस्त महीने का राशन कार्डधारियों को कई प्रखंडों में राशन नहीं मिल पाया है। कई प्रखंडों के राशन कार्डधारियों ने इस आशय की शिकायत उनसे की है। खासकर गढ़वा के कांडी एवं सदर मेदिनीनगर प्रखंड के राशन कार्डधारियों द्वारा स्थिति की जानकारी प्राप्त करने पर यह पता चला है कि भारत सरकार के द्वारा पलामू जिले के लिए लगभग 3200 मैट्रिक टन खाद्यान की कटौती की गयी है।

तालाब में डूबने से बच्ची की मौत

GODDA: ठाकुरगंगटी थाना क्षेत्र अंतर्गत भिगंडा गांव में शुक्रवार देर शाम रानी कुमारी (5) की तालाब में डूबने से मौत हो गई। मजदूर रोशन रविदास की पुत्री रानी कुमारी अपने घर के निकट तालाब में शौच करने गई थी, जहां वह फिसल कर डूब गई और इससे उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी घरवालों को तब हुई जब वह घर नहीं आई। काफी खोजबीन के बाद देर रात जानकारी हुई। स्वच्छ भारत मिशन के तहत इस भीगंडा गांव को आदर्श ग्राम का दर्जा दिया गया है। इसके बावजूद भी इस गांव के लोग बाहर शौच को जा रहे हैं। करीब पांच वर्षों पूर्व सरकारी योजना से आशा खापड़ मौजा के इस तालाब की खुदाई कराई गई थी। तालाब काफी गहरा है। इस तालाब में कोई घाट और सुरक्षा संबंधी घेराबंदी भी नहीं है।

पेड़ से लटका मिला किशोर का शव

LOHARDAGA: सेन्हा मुरपा ग्राम स्थित पतरा में पेड़ से किशोर का लटकता शव देख गांव में मातम छा गया। मुरपा बड़का टोली निवासी केश्वर उरांव का 15 वर्षीय पुत्र सुबोध उरांव ने पेड़ में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घर वालों ने बताया कि शुक्रवार रात में खाना खाकर बिना बताये लगभग रात 11 बजे सुबोध घर से निकला था। लेकिन जब काफी देर तक घर नहीं आया तो परिजनों ने काफी खोजबीन की। लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला। वहीं शनिवार सुबह में ग्रामीणों ने घर के नजदीक माटी टोगरी पतरा में पेड़ से झूलते हुए शव को देख इसकी सूचना घर वालों को दिया। सूचना मिलते ही सेन्हा पुलिस दलबल के साथ घटनास्थल पहुंच कर शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल लोहरदगा भेज दिया। बताया जाता है कि सुबोध का नामांकन 2022 में राजकीय उत्क्रमित उच्च विद्यालय डाडू में आठवीं कक्षा में कराया गया था। आठ दिन स्कूल जाने के बाद वह बिना घर में बताए उत्तर प्रदेश चला गया था। घर वालों को पता चला कि सुबोध बनारस में एक ईट भट्ठा में काम करता है,तो घर वालों ने वर्ष 2023 मई माह में जाकर घर लाया उसके बाद से वह घर में ही रहता था।

तोरपा में शराब पीने के लिए पैसे नहीं देने पर बेटे ने मां को मार डाला

हत्या के अरोपी पुत्र को पुलिस ने किया गिरफ्तार, कत्ल की बात को स्वीकारा

हत्या की खबर के बाद घटनास्थल पर जुटे लोग ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS KHUNTI: तोरपा थाना क्षेत्र के अंगराबारी गांव में शराब के लिए सात सौ रुपये नहीं देने पर बेटे ने गला दबाकर अपनी मां को मार डाला। शराब के नशे का आदि जितेन्द्र सिंह ने शराब पीने के लिए मां से पैसे की मांग करता रहता था। नहीं मिलने पर वह मां के साथ मारपीट भी करता था। शनिवार सुबह भी जितेन्द्र ने शराब पीने के लिए अपनी मां से पैसे की मांग की। पैसे नहीं मिलने पर दोनों के बीच कहासुनी होने लगी। जितेंद्र मां को पेंशन के रूप में मिले रुपये की मांग कर रहा था। मां के पास पेंशन के सात सौ रुपए बचे हुए थे। उसके बाद उसने अपनी ही मां की गला घोट कर हत्या कर दी। मृतक कलावती देवी(65) की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही तोरपा के थाना प्रभारी मनीष कुमार घटनास्थल पहुंचे और शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल खूंटी भेजा। पुलिस ने हत्यारे बेटे को गिरफ्तार कर लिया। बेटे ने स्वीकार किया है कि उसने ही अपनी मां की हत्या की है।

पांकी में प्रसव के दौरान महिला की मौत मामले की सिविल सर्जन ने की जांच

घटना की जांच को जानकारी प्राप्त करते सिविल सर्जन ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS PALAMU: पलामू के सिविल सर्जन डॉ अनिल कुमार सिंह शनिवार की दोपहर पांकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। यहां उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की विधि व्यवस्था का जायजा लिया व स्वास्थ्य केंद्र में और बेहतर सुविधा बहाल करने के लिए प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर रियाज अनवर सहित अन्य कर्मियों को कई निर्देश दिए। साथ ही 30 अगस्त को स्वास्थ्य केंद्र की एएनएम एवं स्वास्थ्य सहिया की लापरवाही से एक निजी नर्सिंग होम में हुई महिला की एक मौत मामले की पड़ताल की। इस दौरान सिविल सर्जन ने आरोपित एएनएम एवं स्वास्थ्य सहिया एवं मृतक के परिजनों से भी विस्तृत पूछताछ की। सिविल सर्जन ने पत्रकारों को बताया कि प्रसव के दौरान हुई महिला की मौत मामले की जांच की जा रही है, ताकि विधि सम्मत उचित कार्यवाई की जा सके। उन्होंने कहा कि इस मामले में संलिप्त स्वास्थ्य सहिया को चयन मुक्त करने हेतु जनप्रतिनिधियों को स्वास्थ्य केंद्र द्वारा पत्र प्रेषित करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही एएनएम पर भी जांच हेतु दल गठित करने के निर्देश दिए गए हैं। ममता वाहन के संचालक द्वारा पैसे लेने का मामला आने के बाद ममता वाहन का एमओयू रद्द कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि जांच की जा रही है एवं इस घटनाक्रम में जो दोषी हैं उन पर कड़ी कार्यवाही होगी। दोषियों को किसी भी सूरत में बक्सा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि पांकी प्रखंड में चल रहे नर्सिंग होम की जांच करने और उसका प्रतिवेदन देने का निर्देश दिया गया है। नर्सिंग होम में डॉक्टर मौजूद है या नहीं, जिसके बाद कार्रवाई की जाएगी। पीड़ित परिजन ने पलामू सिविल सर्जन से न्याय की गुहार लगाई है, वहीं सिविल सर्जन ने कार्रवाई का आश्वासन दिया।

रजरप्पा मंदिर में बलि और मुंडन के नाम पर हो रही अवैध वसूली

PHOTON NEWS RAMGARH: जिले में राधा कृष्ण मठ की जमीन को लेकर डीसी माधवी मिश्रा को कटघरे में खड़े करने वाले किसान मोर्चा के नेता पंकज महतो ने इस बार रजरप्पा मां छिन्नमस्तिका मंदिर ट्रस्ट पर हमला बोला है। उन्होंने मंदिर ट्रस्ट पर बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं। साथ ही उसे मुद्दे को लेकर सूचना अधिकार अधिनियम के तहत जानकारी भी मांगी है। पंकज महतो ने सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत दिए गए आवेदन में कहा है कि विश्व प्रसिद्ध मां छिन्नमस्तिका मंदिर को सरकारी पर्यटन स्थल एवं तीर्थ स्थल के रूप में घोषित किया जा रहा है। लेकिन और सामाजिक तत्वों एवं मंदिर ट्रस्ट के नाम पर वहां मौजूद पंडो के द्वारा बकरा पूजा और मुंडन संस्कार के नाम पर जबरन वसूली की जा रही है। यह वसूली 500 से 1000 रुपए तक हो रही है। इसके आलोक में मंदिर ट्रस्ट की कॉपी, ट्रस्ट के पदाधिकारी का नाम और मंदिर ट्रस्ट के द्वारा पिछले 5 वर्षों से किए गए कार्य का लेखा-जोखा ऑडिट रिपोर्ट के साथ उपलब्ध कराने की बात कही गई है। इसके अलावा मां छिन्नमस्ताका मंदिर में मौजूद पंडो के ऊपर अवैध संपत्ति बनाने के आरोप में कितनी प्राथमिकी दर्ज की गई है उसकी छाया प्रति भी उपलब्ध कराने की मांग की गई है। पंकज महतो ने आवेदन में कहा है कि इन पंडितों की संपत्ति आयकर अधिनियम के तहत आयकर विवरणी एवं मंदिर ट्रस्ट के बैंक खाते की छायाप्रति भी उपलब्ध कराई जाए। राज्य के प्रशाखा पदाधिकारी शहर सूचना पदाधिकारी ब्रजेश कुमार ने रामगढ़ डीसी को एक पत्र लिखकर इस मामले में वांछित सूचना आवेदक को ससमय उपलब्ध कराते हुए विभाग को सूचित करने का आदेश दिया है। सूचना अधिकार अधिनियम के तहत पंकज महतो ने राज्य सरकार के अवर सचिव को पत्र लिखा था। इस मामले में सरकार के अवर सचिव राम मूर्ति सिंह ने पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग के सचिव को पत्र जारी किया था।

इस पत्र के आलोक में अवर सचिव सह जन सूचना पदाधिकारी

सदर अस्पताल में इलाज के दौरान वृद्ध मरीज की मौत, परिजनों ने किया हंगामा

वार्ड में की तोड़फोड़ फिर शव लेकर चले गए गांव

अस्पताल में हंगामा करते परिजन ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS KHUNTI: सदर अस्पताल खूंटी में शनिवार को दोपहर लगभग 12 बजे इलाज के दौरान नकुल मांझी (70) की मौत हो जाने से स्वजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा मचाया। हंगामा मचाने के दौरान स्वजनों ने हालांकि अस्पताल में मौजूद चिकित्सकों एवं कर्मियों के साथ कोई दुर्व्यवहार या बदतमीजी नहीं की, लेकिन पुरुष वार्ड में लगे दरवाजे के शीशे को तोड़ दिया। कुछ देर तक हंगामा मचाने के बाद स्वजन नकुल मांझी के शव को लेकर अपने गांव तोरपा के कसमार चले गए। इधर अस्पताल में हंगामा की सूचना मिलते ही खूंटी थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। घटना के दौरान अस्पताल में मौजूद चिकित्सक डॉ रघुनंदन भगत ने बताया कि एक दिन पूर्व शुक्रवार की देर रात लगभग 12 बजे नकुल मांझी को बेहोशी की अवस्था में उसके स्वजन इलाज के लिए सदर अस्पताल लेकर आए थे। डॉक्टर ने बताया कि नकुल मांझी को सांस लेने में तकलीफ हो रही थी। उसका ऑक्सीजन लेवल कम था और शुगर भी बढ़ा हुआ था। इस पर चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए रात में ही उसे रिम्स रांची रेफर कर दिया, लेकिन साथ आए स्वजन मरीज को रांची ले जाने में असमर्थता जताते हुए सदर अस्पताल में ही उसका इलाज करने की गुजारिश चिकित्सकों से की। इस संबंध में मरीज के पुत्र पुरुषोत्तम मांझी ने लिखित में अपनी सहमति भी दी। बताया गया कि शनिवार को दिन में जब मरीज की हालत बिगड़ने लगी तो उसके स्वजन उसे रांची ले जाने की बात कहकर तुरंत एंबुलेंस की मांग करने लगे, लेकिन उस समय अस्पताल में कोई एंबुलेंस उपलब्ध नहीं था। इस पर दूसरे मरीज को लेकर गए 108 एंबुलेंस के चालक से संपर्क कर उससे जल्द अस्पताल पहुंचने को कहा गया, लेकिन महज कुछ ही देर में मरीज की मौत हो गई और स्वजन लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा करने लगे।

नक्सलियों की वर्दी सिलने वाले दर्जी समेत पांच गिरफ्तार

पलामू में पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी, आरोपियों पर जारी था वारंट

PHOTON NEWS PALAMU: जिले की तरहसी थाना पुलिस ने नक्सलियों की वर्दी सिलने वाले दर्जी समेत पांच फरार वारंटियों को गरदू एवं उदयपुरा टू से शुक्रवार की रात गिरफ्तार किया है। सभी को शनिवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। गिरफ्तार एक आरोपित के खिलाफ रंगदारी मांगने जबकि तीन भाइयों के खिलाफ वन अधिनियम के खिलाफ लकड़ी काटने के आरोप में प्राथमिक की दर्ज की गई थी। तरहसी के थाना प्रभारी जयप्रकाश पासवान ने बताया कि गरदू गांव से फरार वारंटी चंदन साव को गिरफ्तार किया गया। इसके खिलाफ कांड संख्या 1750/2016 दर्ज है। इसी तरह नक्सलियों से सांठ-गांठ रखने के एवं उनकी वर्दी सिलने के आरोप में इसाक मियां को गिरफ्तार किया गया है। इसाक मियां के खिलाफ कांड संख्या 592/22 के तहत विस्फोटक अधिनियम 174 ए भादवी 3/4 17 सीएल एक्ट एक्ट के तहत मामला दर्ज है। इसी तरह उदयपुरा टू इलाके से तीन भाइयों परमदेव शर्मा, श्याम देव शर्मा एवं अमरेश शर्मा को कांड संख्या 1254/16 के तहत गिरफ्तार किया गया। इनके खिलाफ फॉरेस्ट एक्ट के विपरीत जाकर जंगल से लकड़ी काटने का आरोप है। थाना प्रभारी ने बताया कि चंदन साव पर रंगदारी मांगने का आरोप है।

रंगदारी मांगने का आरोपी कर्रा से गिरफ्तार

गिरफ्तारी के बारे में जानकारी देते पुलिस अधीकारी

PHOTON EWS KHUNTI: ग्रामीण से रंगदारी मांगने और मारपीट करने के आरोपित प्रकाश टूटी उर्फ सूरज टूटी को कर्रा थाना की पुलिस ने शुक्रवार को कर्रा थाना क्षेत्र के मुरहू गांव से गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से पुलिस ने एक देसी कट्टा, एक जिंदा कारतूस और एक मोबाइल फोन बरामद किया है। तोरपा एसडीपीओ कार्यालय में शनिवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी ओम प्रकाश तिवारी ने बताया कि 31 अगस्त को रात लगभग दस बजे बजे प्रकाश टूटी उर्फ सूरज टूटी और सुखू मुंडा उर्फ डहरू ने विजय टूटी नामक ग्रामीण के घर में जाकर पांच लाख रुपये की रंगदारी की मांग की। रकम नहीं देने पर हथियार के बल पर दोनों अपराधियों ने विजय तिर्की के साथ मारपीट की और जान मारने की धमकी दी। शुक्रवार को विजय तिर्की ने इस संबंध में कर्रा थाने में प्रकाश टूटी और सुखू मुंडा के खिलाफ नामदर्ज प्राथमिकी दर्ज कराई। एसपी अमन कुमार के निर्देश पर इस मामले के उद्वेदन के लिए छापामारी दल का गठन किया गया और गुप्त सूचना के आधार पर कर्रा थाना के मुरहू गांव में छापामारी कर प्रकाश टूटी उर्फ सूरज टूटी उम्र 24 वर्ष को गिरफ्तार कर लिया, जबकि सुखू मुंडा भागने में सफल रहा। एसडीपीओ ने बताया कि प्रकाश टूटी के खिलाफ 2016 के नवंबर महीने में हत्या, आर्म्स एक्ट और 17 सीएलए एक्ट के तहत पहले से मामला दर्ज है। उसी वर्ष उसके खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत एक और मामला कर्रा थाने में दर्ज किया गया था। एसडीपीओ ने बताया की प्रकाश टूटी पहले भी जेल जा चुका है।

खनन परियोजना से जुड़ी कंपनियों के साथ रामगढ़ के डीसी चंदन कुमार ने की बैठक

हर हाल में बंद हो अब अवैध खनन, कंपनियों को डीसी का निर्देश

खनन कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक करते डीसी चंदन कुमार ● फोटोन न्यूज

PHOTON NES RAMGARH : रामगढ़ जिला कोयला तस्करी को लेकर काफी बदनाम है। शनिवार को रामगढ़ डीसी चंदन कुमार ने इसी मुद्दे को लेकर एक विशेष बैठक खनन परियोजना से जुड़े हुए सभी कंपनियों के पदाधिकारियों के साथ की। इस दौरान उन्होंने सीसीएल, टाटा व अन्य कंपनियों को सख्त हिदायत दी है कि किसी भी हालत में अवैध खनन को बंद किया जाना है। उन्होंने कहा कि अधिकतर परियोजनाएं सीसीएल की ही जिले में कार्यरत हैं, जहां अवैध खनन की शिकायतें आती हैं। इसलिए सीसीएल के सभी महाप्रबंधक अपने क्षेत्र में अवैध मुहाने को तत्काल बंद करें। बैठक के दौरान उपायुक्त ने सीसीएल हजारीबाग क्षेत्र के महाप्रबंधक के के सिन्हा एवं महाप्रबंधक (ऑपरेशन) कुमार नरेंद्र, कुज्जु क्षेत्र से महाप्रबंधक नीरज कुमार सिन्हा, बरकासायल क्षेत्र से महाप्रबंधक ए.के. सिंह, रजरप्पा क्षेत्र से विवेक, अरगड्डा क्षेत्र से महाप्रबंधक एस के पांडे, परियोजना प्रबंधक एनएमडीसी नसीम अंसारी एवं अतुल सिंह से पीपीटी प्रेजेंटेशन के माध्यम से परियोजना वार पूर्व में किए गए खनन कार्यों, वर्तमान में संचालित खनन कार्यों एवं भविष्य में किए जाने वाले खनन कार्यों की जानकारी ली। उपायुक्त ने परियोजनावार संबंधित अंचल अधिकारियों सहित अन्य अधिकारियों को उक्त समस्याओं के निराकरण के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। वहीं बैठक के दौरान महाप्रबंधक सीएसआर सीसीएल मुख्यालय बालकृष्ण लादी के द्वारा पीपीटी प्रेजेंटेशन के माध्यम से सीएसआर के तहत जिले के अलग-अलग क्षेत्रों में किए गए कार्यों की विस्तृत जानकारी दी गई।

सीएसआर के तहत होने वाले कार्यों पर डीसी ने डाला जोर

बैठक के दौरान उपायुक्त ने सभी कोल परियोजनाओं के महाप्रबंधकों सहित अन्य अधिकारियों को सीएसआर के तहत किए जाने वाले विकास कार्यों पर जोर दिया। वहीं उन्होंने परियोजनावार सीएसआर के तहत अब तक किए गए विकास कार्यों, वर्तमान में संचालित विकास कार्यों आदि से संबंधित प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने सभी महाप्रबंधकों सहित अन्य अधिकारियों को उनके उनके क्षेत्र में अवैध खनन पर पूरी तरह से रोक सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इस संबंध में उपायुक्त ने योजनाबद्ध तरीके से अवैध मुहानों को चिन्हित कर उन्हें अच्छे तरीके से बंद करने, पर्याप्त संख्या में सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था सुनिश्चित रखने सहित अन्य निर्देश दिए। साथ ही बैठक के दौरान उपायुक्त ने सभी महाप्रबंधकों सहित अन्य अधिकारियों को उनके उनके क्षेत्र में पुराने सीसीएल क्वार्टरों पर विशेष ध्यान रखने एवं किसी भी हालत में क्वार्टरों का इस्तेमाल किसी भी प्रकार के असामाजिक तत्वों अथवा आतंकी गतिविधियों के लिए न होने देने का निर्देश दिया।

हेरोइन के साथ दो तस्करों को पतरातू पुलिस ने किया गिरफ्तार

प्रेस कांफ्रेस में जानकारी देते पुलिस अधीकारी

PHOTON NEWS RAMGARH: जिले का पतरातु क्षेत्र अपराध के साथ-साथ नशीले पदार्थों की तस्करी में भी काफी आगे बढ़ता जा रहा है। इस क्षेत्र में हीरोइन और ब्राउन शुगर जैसे नशीले पदार्थों की तस्करी हो रही है। शनिवार को पतरातू एसडीपीओ वीरेंद्र कुमार चौधरी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि हीरोइन के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि पतरातू न्यू मार्केट स्थित मॉडर्न ड्रेसेज नामक दुकान में हीरोइन बेची जा रही है। इस सूचना के बाद पुलिस ने एक छापेमारी दल का गठन किया और कार्रवाई करते हुए मॉडर्न ड्रेसेज नामक दुकान में छापेमारी की गई। उस दुकान के संचालक विक्की कुमार श्रीवास्तव के पास से 9 ग्राम हीरोइन और उसे तौलने की इलेक्ट्रॉनिक मशीन बरामद की गई। विक्की कुमार ने बताया कि उसके इस धंधे में पोड़ा गेट निवास सुजीत राम भी शामिल है। वह उसी से पूरा नशीला पदार्थ खरीदता है। इसके बाद उसकी निशानदेही पर सूचित राम की भी गिरफ्तारी हुई।

BRIEF NEWS

जेपीएस में वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का हुआ आयोजन

JAMSHEDPUR: बाडीडीह स्थित जमशेदपुर पब्लिक स्कूल में शनिवार को वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह (प्राइमरी) का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिक्षाविद् डॉ. दीपाली मिश्रा उपस्थित थी। कार्यक्रम में इसके अतिरिक्त विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष पारुल मंगल, सचिव श्रीपर्णा घोष, कोषाध्यक्ष वर्षा गांधी समेत अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर स्कूल की प्राचार्य नमिता अग्रवाल ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों को सम्मानित किया । इसके पश्चात प्राइमरी कोऑर्डिनेटर परिधि सिंह ने प्राइमरी कक्षाओं की गतिविधियों का रिपोर्ट प्रस्तुत की। कार्यक्रम में पुरस्कार होने वाले कक्षा एक से चार वर्ग के छात्रों में सर्वाधिक प्रतिभाशाली छात्र के रूप में बृजेश कुमार परीडा को पुरस्कृत किया गया। वहीं द बेस्ट ऑलराउंडर छात्र के रूप में दिव्या समांता को पुरस्कृत किया गया। वहीं कक्षा 5 से 7 वर्ग समूह में सोनाक्षी सिंह को आउटस्टैंडिंग छात्रा का पुरस्कार दिया गया। इसके अलावा स्कूल के के दो बीपीएल छात्राओं जिसमें पूनम रविदास एवं स्मृति कुजूर को अत्यंत उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए विद्यालय प्रबंधन समिति की अध्यक्ष पारुल मंगल ने नगद पुरस्कार से सम्मानित किया ।

पत्थर से मारकर जख्मी कर देने के आरोपी को दस वर्ष की सजा

CHAIBASA: प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के न्यायालय में महिला को पत्थर से मारकर जख्मी कर देने के आरोपी मोटू हेंब्रम को दोषी करार देते हुए दस साल की सजा सुनाई गई है। साथ ही दस हजार रूपए का जुमार्ना भी लगाया गया है। इस संबंध में छोटानागरा थाना क्षेत्र के दोढारी निवासी पीड़िता के बयान पर आरोपी के खिलाफ थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। जिसमें बताया गया है कि 16 जनवरी 2020 को रात करीब साढ़े आठ बजे आरोपी मोटू हेंब्रम ने किसी बात को लेकर शांति सोरेन को पत्थर से मार कर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया था। जिसके बाद आरोपी के खिलाफ थाने में प्राथमिकी दर्ज कराने के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। इसके बाद सभी साक्ष्यों को वैज्ञानिक तरीके से संग्रह करते हुए न्यायालय में आरोप पत्र समर्पित किया गया।

घर में सो रही वृद्धा की हत्या, पुलिस कर रही जांच

CHAIBASA: मुफ्फसिल थाना क्षेत्र खप्परसाई गांव में बीती रात को 75 वर्षीय वृद्ध महिला की बदमाशों ने हत्या कर दी। घटना की जानकारी मिलने पर शनिवार सुबह पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और शव का पोस्टमार्टम कराकर कर परिजनों को सौंप दिया। जानकारी के अनुसार मृतका सुजनी देवी रात को अपने घर में चारपाई पर सो रही थी। इसी बीच देर रात्रि को अज्ञात लोगों ने उसके सिर पर लकड़ी का पीढ़ा से वार कर हत्या कर दी। घटना को अंजाम देने के बाद वृद्धा को लहुलुहान अवस्था में छोड़कर फरार हो गये। परिजनों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने घटना स्थल पर पहुंच कर शव को अपने कब्जे में लिया और सदर अस्पताल पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका का बेटे आनंद पान के बयान पर अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। बेटे ने बताया कि वह खप्परसाई में किराये के मकान में रहकर मजदूरी करता है। उसकी बुढ़ी मां अकेली ही एक कमरे में सोती थी। शुक्रवार रात को उसकी मां खाना खाकर अपने कमरे में सोने चली गयी।

प्लस टू के तीन शिक्षकों का प्रतिनियोजन रद्द नहीं तो की जाएगी तालाबंदी

अभिभावको व जनप्रतिनिधियों की बैठक में लिया गया फैसला, 5 सितंबर की डेडलाइन तय

PHOTON NEWS CHAIBASA: तीनों शिक्षकों की प्रतिनियोजित रद्द करें अन्यथा 5 सितंबर से प्लस टू उच्च विद्यालय मझगांव में तालाबंदी कर दिया जाएगा। यह निर्णय शनिवार को आदर्श प्लस टू उच्च विद्यालय मझगांव में आयोजित अभिभावक जनप्रतिनिधियों की बैठक में ली गई। विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष मो. आदिल की अध्यक्षता में बैठक हुई। वहीं बैठक को संबोधित करते हुए मझगांव जिला परिषद सदस्य भाग दो पूनम जेराई ने कहा कि मझगांव प्लस टू उच्च विद्यालय में 15 सौ बच्चे अध्ययनरत है। जिसमें लगभग 40 शिक्षकों की जरूरत हो रही है। लेकिन वर्तमान समय मात्र 10 शिक्षकों से जैसे तैसे विद्यालय का पठन-पाठन चलाया जा रहा है। इसके बावजूद झारखंड सरकार द्वारा मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय में तैनाती के लिए विद्यालय के तीन महत्वपूर्ण शिक्षकों में प्रभारी प्राचार्य राजीव वर्मा, विकास भोल और मुकेश कुमार साहु का तबादला कर दिया गया है। इन तीन

बैठक में उपस्थित अभिभावक व जन प्रतिनिधि।

शिक्षकों के भरोसे ही मैट्रिक और इंटर के विद्यार्थी तैयारी कर पाते हैं। क्योंकि सुदरवर्ती क्षेत्र में हजारों बच्चों के लिए मात्र एक विद्यालय मौजूद है। इसके बावजूद इन तीन शिक्षकों को सीबीएसई पैटर्न से पढ़ने वाले विद्यालयों में तबादला करना हम किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं करेंगे। इसलिए जनप्रतिनिधि और अभिभावकों ने निर्णय लिया है कि जिला शिक्षा पदाधिकारी और उपायुक्त को मांग पत्र सौंप कर इन तीन शिक्षकों का प्रतिनियुक्ति रद्द कराने की मांग की जाएगी। अगर इस पर शिक्षा विभाग सकारात्मक पहल नहीं करती है तो 5 सितंबर से विद्यालय के मुख्य गेट पर जन प्रतिनिधियों के नेतृत्व में अभिभावक और बच्चे तालाबंदी कर देंगे। साथ ही सभी सड़क पर बैठकर विरोध प्रदर्शन अनिश्चितकाल के लिए करेंगे। इसकी पूरी जिम्मेदारी शिक्षा विभाग की होगी।

जिला परिषद सदस्य भाग एक लंकेश्वर तामसोय ने कहा कि सरकार ग्रामीण क्षेत्र के शिक्षा को मजबूत करने के बजाय उन्हें कमजोर करने का प्रयास कर रही है। प्लस टू उच्च विद्यालय के तीन शिक्षको को गणित, विज्ञान, अंग्रेजी जैसे महत्वपूर्ण सब्जेक्ट पढ़ाने की जिम्मेदारी है। उन्हीं को सीबीएसई पैटर्न वाले स्कूल में भेज दिया जा रहा है तो ग्रामीण क्षेत्र के बच्चे कैसे अच्छा रिजल्ट कर पाएंगे। इस पर जिला प्रशासन को सकारात्मक पहला करना चाहिए। अन्यथा अभिभावक और छात्र के द्वारा जो निर्णय लिया जायेगा हम जनप्रतिनिधि उनके साथ हमेशा खड़े रहेंगे।

प्रखंड प्रमुख सरस्वती चातर ने कहा कि यह ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों के साथ शिक्षा विभाग भेदभाव कर रही है। क्योंकि जो विद्यालय में अच्छे शिक्षक हैं उन्हें चयन कर सीबीएसई पैटर्न के विद्यालय में पढ़ने को बुलाया जा रहा तो हमारे विद्यालय के बच्चों का भविष्य क्या होगा। अच्छे शिक्षक मझगांव प्लस टू में अच्छा रिजल्ट भी दे रहे हैं। इसलिए मैं शिक्षा विभाग और उपायुक्त से अनुरोध करती हूं कि तत्काल तीनों शिक्षकों का प्रतिनियुक्ति रद्द कर दिया जाए। आने वाले समय मैट्रिक और इंटर की तैयारी छात्रों को बेहतर तरीके से करवाया जाए।

मासूम रजा अभिभावक ने कहा कि बच्चे अभी आने वाले वार्षिक परीक्षा की तैयारी में लगे हैं ऐसे समय में तीन शिक्षकों शिक्षकों का डिप्टेशन अन्यत्र करना बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ होगा जबकि 1462 छात्र छात्राएं यहां अध्ययनरत हैं उसके अनुपात में केवल 10 शिक्षक ही वर्तमान में है स्कूल में विषय वार और लगभग 20 शिक्षकों की मांग करता हूं। साथ तीनों शिक्षकों का प्रतिनियोजित रद्ध करें। इस दौरान जनप्रतिनिधि अभिभावक और छात्रों ने एक स्वर में तीनों शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति रद्द करने की मांग की। साथ ही शिक्षा विभाग अगर मांग नहीं मानती है तो स्कूल तालाबंदी के साथ-साथ मुख्य सड़क को भी जाम कर दिया जाएगा। इसमें सभी अभिभावक और बच्चे स्कूल ड्रेस में पहुंचेंगे। इस मौके पर मझगांव मुखिया रिलन आभा मधु धान, गोकुल पोलाई, मोहम्मद मुजाहिद, मासूम रजा, रितेश कुमार तामसोय, सुभाष पाठ पिंगुआ, रुसदुस्लाम, बुलबुल पिंगुवा, लखन चातर, जनाने पिंगुवा, नन्दलाल तामसोय, मंगल पुरती, जानेआलम, मो सेराजुद्वीन, सिद्धेश्वर गागराई, एखलाकुल रर्हमान, खागेश पिंगुवा, प्रकाश गोप समेत अभिभावक मौजूद थे।

लोयोला स्कूल में ग्रैंड पैरेंट्स डे मनाया गया

अपने बचपन की यादों में खो गए दादा-दादी

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR: स्थानीय लोयोला स्कूल में शनिवार को ग्रैंडपेरेंट्स डे मनाया गया जिसके माध्यम से एक पीढ़ी के अंतराल के बीच का पवित्र प्रेम संबंध जीवंत नजर आया। अ सैल्यूट टू आवर रूट्स के इस कार्यक्रम के तहत वर्तमान पीढ़ी को बताया गया कि दादा-दादी अर्थात पितामह ही उनके जड़ हैं। उनके कारण ही उन्हें भाभी पीढ़ी में कदम रखने का मौका मिला है। इस कार्यक्रम की शुरूआत प्रार्थना गीत एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई। दादा दादी का स्वागत करते हुए प्रिंसिपल फादर विनोद फर्नांडिस ने बुजुर्गों की उपयोगिता प्रासंगिकता एवं जीवन पर पड़ने वाले सार्थक प्रभाव पर प्रकाश डाला। वहीं विद्यार्थियों ने लेखक मुंशी प्रेमचंद की रचना ईदगाह पर आधारित लघु नाटक का मंचन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति करते हुए संबंधों की सार्थकता को जीवंत किया। वही अंत्याक्षरी, कौन बनेगा करोड़पति प्रश्नोत्तरी, रैंप वॉक, रंगोली आदि प्रतियोगिता में सफल प्रतिभागी दादा दादी को पुरस्कार प्रदान किए गए। धन्यवाद ज्ञापन वाइस प्रिंसिपल जयंती से सदरी नदिया इस मौके पर रेक्टर केएम जोसेफ एवं पूर्व प्राचार्य फादर मिस्किथ आदि उपस्थित थे। फादर विनोद के अनुसार कार्यक्रम में भाग देने वाले डेढ़ सौ से ज्यादा दादा-दादियों के चेहरों पर खुशी के भाव यह बताने के लिए काफी थे कि उन्होंने अपने बचपन की यादों को अपने पोते पोतियो के बहाने ताज किया। इस मौके पर ग्रैंड पैरेंट्स फोटो सेशन करते हुए भी आनंदित नजर आए।

बांध परियोजना से विस्थापित 1,749 परिवारों को मिलेगा भूमि का अधिकार

PHOTON NEWS BHUBANESWAR: ओडिशा सरकार ने शनिवार को झारसुगुड़ा जिले के 1,749 परिवारों को भूमि अधिकार प्रदान करने का फैसला किया है, जिन्होंने 1957 में बहुउद्देशीय हीराकुंड बांध परियोजना के कारण अपने घर खो दिए थे। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के निदेर्शानुसार यहां एक बैठक में यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि लखनपुर तहसील के 18 गांवों और झारसुगुड़ा तहसील के एक गांव के विस्थापित परिवारों को 3,231 एकड़ भूमि पर भूमि अधिकार प्रदान किया जाएगा।

17 गांवों में 883 विस्थापितों भूमि पट्टा वितरित करने का निर्णय :

अधिकारियों ने कहा कि राज्य सरकार इस साल दिसंबर से पांच गांवों लिमईटिकरा, सहसबाग, चित लाचीपल्ली, पतरापल्ली और डुनामुंडा में भूमि पट्टों का वितरण शुरू करेगी। अधिकारियों ने 22 सितंबर तक गंजाम जिले के सोरदा प्रखंड के 17 गांवों में 883 विस्थापित लोगों को भूमि पट्टा वितरित करने का निर्णय किया है। उन्होंने बताया कि इसके अलावा 168 विस्थापित लोगों को कृषि भूमि उपलब्ध करायी जायेगी जिसके लिए प्रक्रिया अगले महीने से शुरू होगी ।

बिष्टुपुर के सत्यनारायण मारवाड़ी मंदिर में भागवत कथा आज से

JAMSHEDPUR: बिष्टुपुर सत्यनारायण मारवाड़ी मंदिर में सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ 03 सितम्बर रविवार से होगा, जो आगामी 09 सितम्बर शनिवार तक चलेगा। रोजाना दोपहर 03.30 बने से राया, मथुरा निवासी कथा वाचक हिमांशु जी राधा चरणं उपासक व्यासपीठ पर आसीन होकर कथामृत का सरपान करायेंगे। यह जानकारी मंदिर कमिटी के अध्यक्ष सुरेश कुमार आगीवाल ने शनिवार को एक प्रेस विज्ञाप्ति जारी कर दी। उन्होंने बताया कि रविवार सुबह 08 बजे से कलश स्थापना एवं शोभा यात्रा निकलेगी।

बालासोर रेल हादसा : गैर-इरादतन हत्या, सबूत नष्ट करने के मामले में तीन रेलवे अधिकारियों के खिलाफ आरोप-पत्र दायर

PHOTON NEWS BALASOR: केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने दो जून के बालासोर ट्रेन दुर्घटना मामले में कथित गैर-इरादतन हत्या और सबूत नष्ट करने के सिलसिले में गिरफ्तार रेलवे के तीन अधिकारियों के खिलाफ शनिवार को आरोप-पत्र दायर किया है। सीबीआई ने बालासोर जिले में तैनात तीन वरिष्ठ सेक्शन इंजीनियर (सिग्नल) अरुण कुमार महंत, सेक्शन इंजीनियर अमीर खंड और तकनीशियन पप्पू कुमार को बालासोर ट्रेन दुर्घटना की जांच के सिलसिले में सात जुलाई को गिरफ्तार किया था। इस दुर्घटना में 296 लोग मारे गए थे और 1,200 से अधिक घायल हुए।

दो जून को हुई थी दुर्घटना :

यह दुर्घटना दो जून को उस वक्त हुई, जब कोरोमंडल एक्सप्रेस बालासोर जिले के बाहानगा बाजार स्टेशन पर एक खड़ी मालगाड़ी से टकरा गई और पटरी से उतरे इसके कुछ डिब्बे बगल की पटरियों पर गिर गए तथा वहां से गुजर रही यशवंतपुर-हावड़ा एक्सप्रेस से टकरा गए। भुवनेश्वर में विशेष सीबीआई अदालत के समक्ष दायर अपने आरोप पत्र में, जांच एजेंसी ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 304 भाग-दो (गैर-इरादतन हत्या), धारा 201 (साक्ष्य का विलोपन) ,धारा 34 तथा रेलवे अधिनियम की धारा 153 के तहत आरोप लगाये हैं।

अधिकारियों पर लापरवाही बरतने का आरोप :

अधिकारियों ने बताया कि सीबीआई ने आरोप लगाया है कि बाहानगा बाजार स्टेशन के पास लेवल क्रॉसिंग गेट नंबर 94 पर मरम्मत का काम महंत द्वारा एलसी गेट नंबर 79 के सर्किट आरेख का उपयोग करके किया गया था। उन्होंने कहा कि आरोपी का कर्तव्य यह सुनिश्चित करना था कि मौजूदा सिग्नल और ह्यइंटरलॉकिंग इंस्टॉलेशनह्न का परीक्षण, मरम्मत और बदलाव स्वीकृत योजना और निदेर्शों के अनुसार हो, लेकिन उसने ऐसा नहीं किया।

लर्निंग लाइफलांग जर्नी , ज्ञान की खोज कभी रुकनी नहीं चाहिए : मनोहर

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR: एक्सएलआरआइ के पीजीडीएम (जीएम) की ओर से सीएक्सओ सिरीज के तहत एक व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में 3 ट एशिया पैसिफिक पीटीइ लिमिटेड के पूर्व डायरेक्टर मनोहर राघवन उपस्थित थे। बीएम, एचआरएम व जीएम के प्लेसमेंट के कन्वेनर प्रोफेसर कनगराज ने उनका स्वागत किया। बड़े भौगोलिक क्षेत्रों में भी एक लीडर के तौर पर रणनीति बनाना व उसके कार्यान्वयन की बारीकियों से संबंधित विषय पर आयोजित उक्त कार्यक्रम में राघवन ने अपनी बातों को विस्तार पूर्वक रखा। इस दौरान उन्होंने कहा कि किसी भी बिजनेस का प्राइमरी ऑब्जेक्टिव

कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि व संस्थान के विद्यार्थी।

अपने कस्टमर व शेयरहोल्डर के लिए वैल्यू क्रिएट करना है। इसके अलावा, उन्होंने व्यवसाय परिदृश्य के लगातार विकसित होने वाली प्रकृति पर प्रकाश डाला। कहा कि जीवन में सीखना एक लाइफ लांग जर्नी है, ज्ञान की खोज कभी भी किसी भी परिस्थिति में रुकनी नहीं चाहिए। उन्होंने महत्वाकांक्षी बिजनेस लीडरों के लिए नेटवर्किंग के महत्वपूर्ण कौशल पर भी जोर दिया, क्योंकि यह उन्हें अवसरों, सलाहकारों और एक व्यापक पेशेवर समुदाय से जोड़ता है। इन बिंदुओं को स्पष्ट करने के लिए राघवन ने एक व्यक्तिगत कहानी भी साझा किया। जिसमें उन्होंने एथिक्स के प्रति कमिटमेंट, अच्छी चीजों को एडॉप्ट करने की प्रवृत्ति, पर्सनल व प्रोफेशनल लाइफ को अलग रखने का आह्वान किया।

सेंट मैरी इंग्लिश हाई स्कूल में रैप्सोडी-2023 कार्यक्रम का आयोजन

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR: बिष्टुपुर स्थित सेंट मैरी इंग्लिश हाई स्कूल में शनिवार को रैप्सोडी - 2023 कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन स्कूल ऑडिटोरियम में हुआ।

इस कार्यक्रम में जमशेदपुर के कुल 18 स्कूलों की टीमों ने भाग लिया । इस दौरान ऑन स्टेज और ऑफ स्टेज के कुल 10 इवेंट्स हुए । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में टाटा स्टील कॉरपोरेट सर्विसेज के प्रमुख प्रणय सिन्हा उपस्थित थे। इस अवसर पर उन्होंने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि जीवन में इस प्रकार की इवेंट्स का बहुत बड़ा महत्व है। उन्होंने बताया कि छात्र-छात्राओं को किसी न किसी इवेंट में भाग जरूर लेना चाहिए , इससे

कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थी।

जीवन में अनुशासन सीखने को मिलता है। इस अवसर पर स्कूल के

प्राचार्य फादर वर्णन डिसूजा ने कार्यक्रम में आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि यह मेरे लिए गौरव पूर्ण क्षण है कि शहर के इतने स्कूलों के प्रतिनिधियों को स्वागत करने का अवसर मिला है। इससे पहले कार्यक्रम की शुरूआत दीप जलाकर किया गया। इस अवसर पर छात्र छात्राओं ने रंगारंग डांस व संगीत कार्यक्रम की प्रस्तुति से अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में हुए प्रतियोगिता में लोयला स्कूल और कार्मेल जूनियर कॉलेज को ओवर आल चैंपियन का अवार्ड मिला। वहीं तारापोर स्कूल एग्रिको फर्स्ट रनरअप और सेकेंड रनरअप सेक्रेड हार्ट ऑफ कॉन्वेंट स्कूल को मिला। वहीं बेस्ट

डिसिप्लिन का अवार्ड केपीएस मानगो को मिला। कार्यक्रम में जमशेदपुर धर्म प्रांत के विशप तेलिस्फोर बिलूंग ने सभी विजेता और उपविजेता को मेडल देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के समापन सामारोह के अवसर पर एक्सएलआरई के डायरेक्टर फादर एस.जॉर्ज एस जे उपस्थित थे। उन्होंने भी विजेता और उपविजेता टीम को पुरस्कार प्रदान किया।

चाईबासा में आयोजित 23वीं राज्य स्तरीय योगासन प्रतियोगिता का शुभारंभ, बोले आयुक्त

आत्मा से परमात्मा का मिलन ही योग

PHOTON NEWS CHAIBASA: पश्चिम सिंहभूम जिला योग एसोसिएशन की ओर से आयोजित 23वीं राज्य स्तरीय योगासन प्रतियोगिता का रंगारंग शुभारंभ शनिवार को हुआ। बतौर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित कोल्हान प्रमंडलीय आयुक्त मनोज कुमार एवं विशिष्ट उपयुक्त अन्य मित्तल व एसोसिएशन के अध्यक्ष मुकुंद रूंगटा, सचिव कन्हैया लाल अग्रवाल समेत अन्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। तत्पश्चात वंदना नृत्य के साथ कार्यक्रम की शुरूआत की गई। इसके बाद राज्य के विभिन्न जिलों से आये प्रतिभागियों ने एक से बढ़कर एक योग प्रदर्शन किया। प्रथम दिन विभिन्न जिलों के प्रतिभागियों ने योग के विभिन्न मुद्राओं और अपनी प्रतिभा का प्रर्दशन कर दर्शकों की वाह वाही बटोरी। इस अवसर पर मुख्य अतिथि मनोज कुमार ने प्रतिभागियों

कार्यक्रम का उद्घाटन करते कोल्हान प्रमंडलीय आयुक्त मनोज कुमार व अन्य।

और आयोजकों का हौसला बढ़ाते हुए उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी तथा ऐसे आयोजन को आज की आवश्यकता बताया। उन्होंने कहा कि जो नीत की निवृति है वही योगा है। यह ध्यान, आसन तक सीमित न रहकर अब स्पोस्टस का रूप ले लिया है। आने वाले समय महत्वपूर्ण कंपीटिशन होगा। ओर्लपिक में भी इसकी मान्यता मिल जाने पर इसका काफी असरदार रहेगा। उन्होंने योगा शब्द को योग कहने के लिए प्रेरित किया। कहा कि आत्मा से परमात्मा का मिलन ही योग है। योग हमारा शब्द है योग पर हम कायम रहें। उन्होंने कहा कि स्ट्रेस मैनेजमेंट नहीं कर पाने के कारण आत्महत्याएं की मामले सामने आ रही है। यदि प्रत्येक स्कूलों में योग कराई जाए तो आत्महत्या का मामला नहीं आएगा। योग से स्ट्रेस कम होगी। योग को घर-घर तक पहुंचाने की जरूरत है। स्वास्थ्य रहने के लिए योग जरूरी है। इनकी ऑनलाइन क्लास भी होनी चाहिए। उपायुक्त अनन्य मित्तल ने भी योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए प्रतिभागियों को प्रोत्साहित किया और शहर में राज्य स्तरीय आयोजन पर अपनी प्रसन्नता जाहिर की। उन्होंने हर संभव सहयोग का भरोसा दिया। संगठन के अध्यक्ष सह समाजसेवी मुकुंद रूंगटा ने भी सभी का अभिनंदन करते हुए आयोजन समिति के प्रति आभार प्रकट किया और कहा की रूंगटा स्टील सदैव सामाजिक दायित्व का निर्वहन करने को तत्पर है और ऐसे आयोजन में अपना सहयोग प्रदान करते रहेगा। इससे पहले सचिव कन्हैया लाल अग्रवाल ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए दो दिवसीय इस आयोजन के बारे में विस्तृत जानकारी दी। प्रतियोगिता के नियम आदि से अवगत कराया।

सरयू राय ने रघुवर पर साधा निशाना

कहा- सूर्य मंदिर की आड़ में धंधा करने वालों की पोल-पट्टी खोलूँगा

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR: सूर्य मंदिर की आड़ में धंधा करने वालों की पोल-पट्टी खोलूँगा और सरकार की कीमती जमीन और उस पर सरकारी खर्च से बनी संरचनाओं पर कब्जा जमाने की उनकी साजिश का पदार्फाश करूँगा। यह बात जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय ने बिष्टुपुर स्थित कार्यालय में एक प्रेस वार्ता में कहीं। उन्होंने कहा कि सूर्य मंदिर समिति की आड़ में जमशेदपुर स्थित भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष खेल खेल रहे हैं। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास पर निशाना साधते हुए कहा कि वे अभी तक विधानसभा चुनाव की हार पचा नहीं पा रहे हैं। चुनाव हार जाने के बाद भी ताल तिकड़म से बाज नहीं आ रहे हैं। मेरे विकास कार्यों को सूर्य मंदिर परिसर में लागू नहीं होने देना चाहते हैं। इस स्थान पर अपने, अपने परिवार और चट्टे-बट्टों का कब्जा बरकरार रखना चाहते हैं।

पूर्व की तरह यहाँ उनका व्यवसाय चलाने की साजिश रच रहे है। विधायक ने प्रेस वार्ता में आगे बताया कि सूर्य मंदिर परिसर आम जनता का है। इस पर सबका बराबर अधिकार रहेगा। सभी अपना कार्यक्रम करेंगे। यहाँ निर्भीक आना जाना करेंगे।कोई वसूली नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि कोई यहाँ परिसर में घुसने के लिए टिकट नहीं वसूलेगा। यह परिसंपत्ति अब सरकार के कब्जा में है। जिसकी देखरेख जेएनएसी करती है। उन्होंने कहा कि वे इस को बात जमशेदपुर के घर घर तक पहुँचाऊँगा। पूरे झारखंड तक पहुँचाऊँगा। इनकी पोल खोलूँगा। शनिवार से यह पोल खोल अभियान शुरू हो गया।

जी-20 नेताओं को आकाश को छूते भारत को दिखायेंगे

आगामी 9-10 सितंबर को राजधानी में जी-20 देशों का शिखर सम्मेलन उस समय आयोजित हो रहा है, जब भारत को अलग-अलग क्षेत्रों में अभूतपूर्व सफलता मिल रही है। बेशक, चंद्रयान-3 की लॉन्चिंग भारतीय अंतरिक्ष की दुनिया में एक गर्व का क्षण है। सैकड़ों वैज्ञानिकों की मेहनत का फल देश को अंततः मिल गया है। चंद्रयान-3 को अंतरिक्ष में पृथ्वी की कक्षा में स्थापित कर दिया गया है। चंद्रयान-3 की कामयाबी से सारा देश गर्व महसूस कर रहा है। इसी तरह से जैवलिन थ्रो में नीरज चोपड़ा ने वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीतकर देशवासियों को गौरव के फिर से क्षण दिए। वे शायद पहले भारतीय खिलाड़ी हैं जिनसे देश सिर्फ गोल्ड की ही उम्मीद करता है। वे सारे देश के नायक बन चुके हैं। शायद इसीलिए नीरज चोपड़ा ने वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप का गोल्ड मेडल अपने नाम कर लिया। उन्होंने 88.17 मीटर तक जैवलिन फेंका। वे इस तरह वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीतने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। नीरज की प्रेरणा के चलते हमारे दो अन्य जैवलिन थ्रोअर क्रमशः किशोर जेना पांचवें और डीपी मनू छठे नंबर पर रहे। खेलों में एथलेटिक्स को सबसे अव्वल स्थान प्राप्त है। खेलों की जननी है एथलेटिक्स। उसी एथलेटिक्स में भारत के हिस्से में ओलंपिक खेलों या वर्ल्ड चैंपियनशिप में एकाध बार को छोड़कर कभी कोई बड़ी सफलता नहीं लगी थी। नीरज चोपड़ा ने टोक्यो ओलंपिक खेलों में जेवलिन थ्रो में गोल्ड मेडल जीतकर साबित कर दिया था कि भारत के खिलाड़ी एथलेटिक्स में भी किसी से कम नहीं हैं। हमारे शतरंज के युवा खिलाड़ी रमेशबाबू प्रज्ञानंदा वर्ल्ड चैंपियन बनने से जरा सा के लिये रह गए। उन्हें शतरंज वर्ल्ड कप के फाइनल में हार मिली। पर उन्होंने संकेत दे दिए कि वे भविष्य के वर्ल्ड चैंपियन हैं। वर्ल्ड मिलेट वर्ष में जी-20 के मेहमानों को निश्चित तौर पर मिलेट के पकवान भी परोसे जाएंगे कअब इस सकारात्मक माहौल में जी-20 शिखर सम्मेलन का आयोजन हो रहा है। अब भारत आयोजन के लिए तैयार है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रगति मैदान में पुनर्विकसित अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी-सह-सम्मेलन केंद्र (आईईसीसी) का उदघाटन कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन, चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग, ब्राजील के राष्ट्रपति लूला समेत जी- 20 देशों के सभी प्रमुख राष्ट्राध्यक्ष राजधानी नई दिल्ली में आ रहे हैं। पर रूस के राष्ट्रपति पुतिन की कमी खलेगी। वे यूक्रेन युद्ध के कारण सम्मेलन में नहीं आ रहे। भारत में 1983 के बाद जी-20 सम्मेलन पहला बड़ा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन हो रहा है। तब से भारत लगभग बदल चुका है। अब भारत विश्व की एक बड़ी आर्थिक महाशक्ति बन चुका है। कुछ समय पहले भारत ब्रिटेन को पछाड़कर विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। अब अमेरिका, चीन, जापान और जर्मनी की ही अर्थव्यवस्था हमारे से आगे है। जी-20 देशों के सम्मेलन में भाग लेने के लिए आने वाले नेताओं को यह तो पता ही होगा कि भारत का सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र लगातार आग बढ़ रहा है। वह वित्त वर्ष 2021-22 में 15.5 फीसदी की वृद्धि के साथ 227 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इस दौरान हुई 15.5 फीसदी की वृद्धि पिछले एक दशक के किसी भी वर्ष में हुई वृद्धि में सबसे अधिक है। भारत से संबंध रखने वाले आई टी पेशेवरों की सारी दुनिया भर में धूम है। आईटी सेक्टर भारत की तस्वीर बदल रहा है। इसमें कोई शक नहीं है कि जी-20 के नेताओं को भारत में अपनापन मिलेगा और अपने देश के प्रतीक भी मिलेंगे। उदाहरण के रूप में अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन को लेकर खबरें आ रही हैं वे और कुछ अन्य जी-20 देशों के राष्ट्राध्यक्ष भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (पूसा) भी जायेंगे। जाहिर है, वहां पर उन्हें कृषि क्षेत्र में भारत की लंबी छलांग की विस्तार से जानकारी मिलेगी। उन्हें पूसा में अपने देश के महान कृषि वैज्ञानिक नॉर्मन बोरलॉग की कुछ फोटो भी लगी मिलेंगी। पूसा के किसी अधिकारी को बाइडेन को बताना होगा अगर आज भारत खाद्यान्न उत्पादन में आत्म निर्भर हो चुका है तो इसका श्रेय अमेरिका के महान कृषि वैज्ञानिक नॉर्मन बोरलॉग और उनके साथी कृषि वैज्ञानिकों को देना होगा। वे भारत में हरित क्रांति के जनक थे। नॉर्मन बोरलॉग की सरपरस्ती में हुए अनुसंधानों के चलते भारत में भूख को शिकस्त दी। उन्होंने बीमारियों से लड़ सकने वाली गेहूं की एक नई किस्म विकसित की थी। इसके पीछे उनकी यह समझ थी कि अगर पौधे की लंबाई कम कर दी जाए, तो इससे बची हुई ऊर्जा उसके बीजों यानी दानों में लगेगी, जिससे दाना ज्यादा बढ़ेगा, लिहाजा कुल फसल का उत्पादन बढ़ेगा। जी-20 देशों के अधिकतर नेताओं के लिए गांधी जी को श्रद्दा सुमन पेश करने के लिये जाना किसी तीर्थ यात्रा से कम नहीं होगा। ब्राजील के राष्ट्रपति लुइस इनासियो लूला डिसिल्वा राजघाट 4 जून, 2007 को आये थे। सबको उम्मीद थी कि लूला राजघाट से 15-20 मिनट में विदा हो जायेंगे, पर यह नहीं हुआ। वे राजघाट में करीब 40 मिनट तक रहे। राजघाट से जाते हुये उन्होंने विजिटर्स बुक में लिखा कि ह्यमैं शांति के दूत महात्मा गांधी की समाधि पर आकर अपने को बहुत बेहतर महसूस कर रहा हूं। गांधी के जीवन का उन पर गहरा प्रभाव रहा है। वे फिर से राजघाट जा सकते हैं। जापान के प्रधानमंत्री किशिदा फुमियो को भी दिल्ली में अपने देश के बहुत सारे प्रतीक मिलेंगे। उनके पूर्ववर्ती शिंजो अबे जब भी राजधानी आए तो वे यहां रहने वाले जापानी नागरिकों से भी मिले।

आज की गजल और दुष्यंत कुमार

ANALYSIS

कविता

वह जमाना भी कुछ और था। उन दिनों के रचनाकारों के बीच रिश्तों और दोस्ती का ऐसा आलम था कि वे सिर्फ न एक दूसरे को उनके क्षेत्र में खड़ा कर रहे थे बल्कि उन्हें स्थापित करने के सारे जतन भी किये जा रहे थे, चाहे मनोबल बढ़ाने के जरिये ही सही। यह साथ कई बार तो देर तक और दूर तक का रहा। कमलेश्वर और दुष्यंत कुमार के मामले में खासकर। मित्रता से आगे बढ़कर यह संबंध रिश्तेदारी में (दोनों समधी थे) बदल जाता है। यही नहीं 'साये में धूप' की भूमिका में अपने गजल लिखने का लगभग सारा श्रेय वे लेखक कमलेश्वर के खाते में डालते हुए लिखते हैं- 'कमलेश्वर इस अफसाने में न होता तो यह सिलसिला शायद यहां तक न आ पाता- 'हाथों में अंगारे लिए सोच रहा था/ कोई मुझे अंगारों की तासीर बताये।' दुष्यंत कुमार की गजलों में आम इंसानों की छटपटाहट है, उनके स्वप्न-भंग हैं, हमारी सामाजिक दशा है, उसकी पेचीदगियां हैं और इस सबके साथ अपने परिवेश से दुखी और नाराज लोगों की बेचैनी और उनकी चीखें भी हैं।

बतौर लेखक दुष्यंत कुमार पर गजलकार का लेबल चस्पा है। लेकिन दिलचस्प बात है कि गजलें उनका पहला प्यार या फिर चुनाव नहीं थीं। इनसे पहले वे उपन्यास, नाटक, एकांकी और कविता सरीखी हर विधा में अपना हाथ आजमा चुके थे। इन सब में उन्होंने हाथ ही नहीं आजमाया, हर जगह अपनी साफ छाप भी छोड़ी। यहां तक कि आम तौर पर लेखक साहित्य की जिस एक विधा की तरफ सबसे कम जाते हैं उस कठिन क्षेत्र में भी दुष्यंत कुमार काम कर रहे थे, यानी 'आलोचना' में। इसका सबसे प्रमुख उदाहरण है 'नयी कहानी'। कहानी परंपरा के इस नए आंदोलन, जिसके प्रमुख सूत्रधार मोहन राकेश, राजेन्द्र यादव और कमलेश्वर माने जाते हैं, का नामकरण भी दुष्यंत कुमार का ही किया हुआ है। अपने एक लेख में उन्होंने बाकायदा यह बात पुष्ट की थी कि क्यों और किस तरह ये कहानियां पुरानी कहानियों से अलग हैं। और यह भी कि आखिरकार इनका नाम 'नयी कहानी' ही क्यों हो। फिर भी कुछ अधूरापन और कोई तलाश अब भी दुष्यंत के लेखन का एक जरूरी हिस्सा थी। शायद वह एक फॉर्म जो एकदम उनकी अपनी हो। जहां वह अपनी बात को अपने लहजे में और अपने तरीके से कह सकें, ठीक वैसे ही जैसी उनकी चाहत है। तलाश की उनकी इस अनवरत यात्रा ने अंततः गजल तक पहुंचकर अपनी संतुष्टि और अपना मुकाम पाया। गजल की उनकी एकमात्र किताब ह्यसाए में धूपह्न ने फिर इतना कुछ उन्हें दिया कि उन्हें और किसी पहचान की जरूरत ही नहीं रही। मात्र 64 गजलों से बनी इस किताब ने प्रसिद्धि के नए आयाम रचे तो इसलिए कि उसके एक-एक शेर में दुष्यंत कुमार जिंदगी और समाज की शिनाख्त करते चले। वह जमाना भी कुछ और था। उन दिनों के रचनाकारों के बीच रिश्तों और दोस्ती का ऐसा आलम था कि वे सिर्फ न एक दूसरे को उनके क्षेत्र में खड़ा कर रहे थे बल्कि उन्हें स्थापित करने के सारे जतन भी किये जा रहे थे, चाहे मनोबल बढ़ाने के जरिये ही सही। यह साथ कई बार तो देर तक और दूर तक का रहा। कमलेश्वर और दुष्यंत कुमार के मामले में खासकर। मित्रता से आगे बढ़कर यह संबंध रिश्तेदारी में (दोनों समधी थे) बदल जाता है। यही नहीं 'साये में धूप' की भूमिका में अपने गजल लिखने का लगभग सारा श्रेय वे लेखक कमलेश्वर के खाते में डालते हुए लिखते हैं- 'कमलेश्वर इस अफसाने में न होता तो यह सिलसिला शायद यहां तक न आ पाता- 'हाथों में अंगारे लिए सोच रहा था/ कोई मुझे अंगारों की तासीर बताये।' दुष्यंत कुमार की गजलों में आम इंसानों की छटपटाहट है, उनके स्वप्न-भंग हैं, हमारी सामाजिक दशा है, उसकी पेचीदगियां हैं और इस सबके साथ अपने परिवेश से दुखी और नाराज लोगों की बेचैनी और उनकी चीखें भी हैं। उन्हें शिकायत है तो सबसे है। खुद से देश से, संविधान से ,सरकार से। पर सबसे पहली शिकायत उनकी उन जैसे लोगों से ही है। उनकी मजबूरियों से भी ज्यादा उनकी चुनी हुई चुप्पियों से। वे लिखते हैं- 'तुम्हारे पांव के नीचे कोई जमीन नहीं/कमाल यह है कि फिर भी तुम्हें यकीन नहीं।' या फिर 'न हो कमीज तो घुटने से पेट ढक लेंगे/ ये लोग कितने मुनासिब हैं इस सफर के लिए।' इससे ज्यादा साहस और हैरत की बात और क्या हो सकती है कि कोई लेखक सरकारी नौकरी करते हुए भी व्यवस्था-विरोध वाले शेर कहता और लिखता हो। वह भी आपाताकाल जैसे सेंसरशिप वाले वक्त में। वह भी सीधे सरकार की तरफ इशारा करते हुए। उनके इस मंतव्य के कुछ शेर बहुत प्रसिद्ध हुए थे जिनका सीधा संदर्भ आपातकाल और तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी जुड़ता था। मसलन- 'मत कहो आकाश में कुहरा घना है/ यह किसी की व्यक्तिगत आलोचना है' या 'फिर एक गुड़िया की कई कठपुतलियों में जान है/और शायर ये तमाशा देखकर हैरान है।' इसी शेर का अगला हिस्सा सम्पूर्ण क्रांति का नारा देने वाले जयप्रकाश नारायण को समर्पित था। दुष्यंत कुमार ने लिखा- 'एक बूढ़ा आदमी है मुल्क में या यूं कहो/ इस अंधेरी कोठरी में कोई रोशनदान है।' निरर्थकता और बेचैनी का वह घना बोध जो दुष्यंत कुमार की गजलों का मुख्य विषय रहा है, आपातकाल-विरोधी आंदोलन के साथ आशावाद के सपनों में खोने लगता है। बेचैनियां, बेचारगी का रास्ता भूलने लगती हैं और उनके भीतर का शायर उम्मीदों से भरकर कहता है - खुदा सही न सही आदमी का ख्वाब सही...पर यह त्रासदी रही कि इस आंदोलन के खत्म होने तक दुष्यंत भी अपने सपनों के साथ अपनी अंतिम यात्रा पर निकल चुके थे, सिर्फ 42 वर्ष की उम्र में। दुष्यंत के शेर बगावती हैं, पर उन्होंने सिर्फ बगावती शेर ही लिखे, यह धारणा गलत है। उनके शेरों में प्रेम के रंग भी हैं। कम हैं तो इसलिए कि उनके मनमाफिक प्रेम का रंग दुनिया में उस तरह बचा ही नहीं था। और जो और जितना था उस पर इतना अधिक लिखा जा चुका था कि अब कुछ कहने की उतनी जरूरत ही नहीं थी। पर जब भी वे उसे अपने शब्दों में कहते हैं तो जैसे प्रेम भी इन शब्दों छुअन भर से बिलकुल नया-नया हो उठता है मसलन- 'मैं तुम्हें भूलने की कोशिश में/ आज कितने करीब पाता हूं...तू किसी रेल सी गुजरती है/ मैं किसी पुल सा थरथराता हूं' और-' तुमको पुकारता हूं कबसे मैं ऋतम्भरा, अब शाम हो चुकी है मगर दिल नहीं भरा।' दुष्यंत की गजलों के प्रशंसक शिक्षक भी रहे, छात्र भी, नेता भी रहे और अभिनेता भी। मनोज बाजपेयी कहते हैं उन्हें कविता पढ़ने का चस्का दुष्यंत के शेरों को पढ़ने-सुनने के बाद ही लगा। दुष्यंत कुमार की गजलों के मशहूर होने का एक बड़ा सबब यही था कि लोगों को उनकी गजलों में अपना अक्स और अपने दर्द की परछाइयां नजर आ रही थीं, वे मुद्दे भी जो उनके कलेजे में फांस की तरह चुभते थे पर उनकी मजबूरियां जहां उनकी जुबान सिल देती थी। दुष्यंत भी यह बूझते थे इसलिए तो उन्होंने लिखा- 'मुझमें रहते हैं करोड़ों लोग चुप कैसे रहूं'। दुष्यंत कुमार को हिंदी गजलों के शुरूआती शायर के रूप में याद किया जाता है। पर उनसे पहले निराला, नीरज, गोपाल सिंह नेपाली जैसे अन्य कई कवि-गीतकार गजल और गीत लिखकर यही करते आ रहे थे। सवाल फिर यह उठता है कि फिर कैसे वे हिंदी के पहले शायर हुए। वे ऐसा क्या नया कर गए कि पूरी हिंदी गजल की परम्परा को उनके नाम से जोड़कर देखा और जाना जाने लगा? इस बात को समझने के लिए पहले दुष्यंत के इन शेरों से रुबरू होना होगा- 'वे कर रहे हैं इश्क पे संजीदा गुफ्तगू / मैं क्या बताऊं, मेरा कहीं और ध्यान है।' या फिर- 'मैं जिसे ओढ़ता बिछाता हूं/ वो गजल आपको सुनाता हूं।' यहां यह बिलकुल स्पष्ट है कि उनके लिए गजल लिखने का मतलब जिंदगी को गजलों की शर्त पर जीना या गजलों की तरह जीना तो है ही। कहीं इससे भी अलग रोजमर्रा की तमाम बातों को, उसकी भाषा को, शब्दों को जिंदगी से गजल में बुला लेना भी है। इसीलिए यहां ' कहीं और ध्यान' होने का मतलब गजल को इश्क के जाल से निकलकर आम लोगों से जोड़ने और उनसे मुखातिब करने से है। तब तक यह एक आम धारणा चलती आ रही थी कि अगर गजल कही जा रही तो उसमें 'इश्क और माशूक' का जिक्र होना निहायत जरूरी है। महबूब के जुल्फों के पेंचो-खम की बातें करना भी इस परंपरा का एक मकबूल हिस्सा रहा और 'सागरो-मीना' की बात करना इसकी एक जरूरी रस्म। यह भी एक कारण था कि अपनी कविताओं में बेहद सामान्य और निचले तबके के लोगों की बातें करने वाले निराला भी गजल लिखते हुए परंपरा के फंदे में फंसते दिखे। जो नहीं फंसे उन्होंने अपना रुख सूफियाना कलामों और दार्शनिकता की तरफ कर लिया। हिंदी का पहला शायर होने का खिताब दुष्यंत कुमार के हिस्से है तो सिर्फ इसी कारण। खुद दुष्यंत कुमार ने भी कहा था- 'अपनी सामर्थ्य और सीमा को जानने के बावजूद इस विधा में उतरते हुए मुझे संकोच तो है पर उतना नहीं, जितना होना चाहिए। मुझे अपने बारे में कभी मुगालते नहीं रहे। मैं मानता हूं मैं गालिब नहीं हूं। उस प्रतिभा का शतांश भी मुझमें नहीं है। लेकिन मैं यह नहीं मानता कि मेरी तकलीफ गालिब से कम है या मैंने उसे कम शिद्दत से महसूस किया... अपनी कहूं तो बस अपनी अनुभूति की जरा सी पूंजी को लेकर मैं उस्तादों और महारथियों के अखाड़े में उतर आया था... गजल मुझ पर एकाएक नाजिल नहीं हुई...।

लेखिका, कवि और आलोचक हैं।

एस. सोमनाथ बधाई के पात्र हैं

भारत में ज्ञान सर्वोपरि उपलब्धि है। भारतीय ज्ञान परम्परा में प्रकृति के सभी प्रत्यक्ष रूपों की जिज्ञासा थी। ज्ञान ही परम सत्ता के वास्तविक दर्शन का उपक्रम भी था। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष एस. सोमनाथ ने ज्ञान को सर्वोपरि बताया है। वे उज्जैन में महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा, 'भारत वैदिक काल से ही ज्ञानी समाज था। इसमें संस्कृत भाषा की विशेष भूमिका रही है। गणित, दर्शन विज्ञान, प्रौद्योगिकी, चिकित्सा, तत्व ज्ञान, खगोल, तर्क, व्याकरण, आदि विषय अतिमहत्वपूर्ण हैं। इन विषयों पर संस्कृत में विपुल लेखन हुआ है।' उन्होंने कहा कि, 'संस्कृत दुनिया की प्राचीन भाषा है। इसमें अंतरराष्ट्रीय स्तर का काव्य रचा गया है। ऋग्वेद का रचनाकाल लगभग साढ़े दस हजार वर्ष प्राचीन है। वैदिक काल में ज्ञान की परिभाषा भी की गई थी। ऋग्वेद (10.71) में ऋषि आंगिरस बृहस्पति हैं। वे ज्ञान के अधिष्ठाता हैं। ब्रह्मज्ञानी हैं। सूक्त के देवता 'ज्ञान' हैं। सूक्त में ज्ञान की प्रारंभिक अवस्था का उल्लेख है।' कहते हैं, 'प्रारम्भ में पदार्थों के नाम रखे गए। नाम और रूप का परिचय ज्ञान का प्रथम सोपान है। इनका शुद्ध और दोषरहित ज्ञान अनुभूति में छुपा है।' ऋषि सूप और सत्तू का उदहारण देते हैं। कहते हैं, 'सूप से सत्तुओं को स्वच्छ करने की तरह मेधावी जन अपनी बुद्धि से भाषा को सुसंस्कृत करते हैं। कुछ लोग प्रकृति के गूढ़ तत्वों को देख कर भी नहीं समझ पाते। कुछ लोग सुनते हैं लेकिन समझ नहीं पाते। जैसे पति के सामने पत्नी अपना रूप नहीं छुपाती उसी प्रकार ज्ञान देवी सुपात्र के सामने अपना रूप खोल देती हैं।' आगे कहते हैं, 'किसी-किसी ज्ञानी में शब्द और उनके भावों को ग्रहण करने की क्षमता होती है। उनकी कोई बराबरी नहीं कर सकता। लेकिन कुछ लोग ऐसे भी हैं जो भाषा को फल फूल रहित सुनने व अध्ययन तक सीमित मानते हैं।' ज्ञानी एक समान नहीं होते। सबकी क्षमताएं अलग-अलग होती हैं। ज्ञान प्राप्ति असाधारण कार्य है। ऋग्वेद के लगभग साढ़े दस हजार मंत्र हैं। अधिकांश मंत्रों में प्रकृति की शक्तियों पर गहन जिज्ञासा है। ऋषि प्रकृति के गोचर प्रपंचों को ध्यान से देखते हैं और प्रकृति की शक्तियों की गतिविधि को भी। वैदिककाल में परिपूर्ण वाकस्वातंत्र्य था। दर्शन चिंतन के लिए यूनान सारी दुनिया में विख्यात रहा है। लेकिन देवों पर ही प्रश्न उठाने के आरोप में सुकरात को प्राणदण्ड दिया गया था। सुकरात पर मुख्य आरोप था कि वे देवताओं के अस्तित्व पर प्रश्न उठाते हैं। वे अपनी तर्क कुशलता के आधार पर संस्कृति के विरुद्ध विचार देते हैं। यह भी कहा जाता था कि सुकरात पृथ्वी के नीचे और ऊपर आकाश आदि के रहस्यों को जानने का प्रयास करते हैं। सुकरात प्रतिभाशाली विद्वान थे। एथेंस नगर की न्यायपीठ में उन पर मुकदमा चलाया गया। न्यायपीठ के 501 सदस्यों के सामने सुकरात ने सफाई दी। 220 न्यायकताओं ने उन्हें निर्दोष माना। 281 ने दोषी पाया। बहुमत से उन्हें प्राण दंड की घोषणा की गई। आश्चर्य है कि विश्व दर्शन की मूल भूमि यूनान में ही दार्शनिक सुकरात को प्राणदण्ड दिया गया। भारत में वैदिककाल से ही प्रश्न और जिज्ञ-ासा का वातावरण रहा है। ऋग्वेद में वैचारिक विविधता है। यहां वैदिककाल से लेकर उत्तर वैदिककाल, पुराणकाल और महाकाव्यकाल तक विचार अभिव्यक्ति की अगाध स्वतंत्रता रही है। प्रकृति की तमाम शक्तियों को देवता कहा जाता रहा है। देवता भी प्रकृति और समाज के नियमों को मानते हैं। अग्नि प्रकृति की प्रत्यक्ष शक्ति हैं और वैदिक देवता भी। अग्नि की अनुकूलता उपयोगी हैं। ऋषि अग्नि को प्रसन्न करना चाहते हैं। ऋग्वेद के एक मंत्र (1.76.1) में अग्नि से ही प्रार्थना है कि, 'हम आपको किस मन से प्रसन्न करें?-केन मनसा?' ये ऋषि अग्नि विज्ञान के खोजी प्रतीत होते हैं। ऋग्वेद में अश्विनी देवता हैं। वे आरोग्यदाता वैध हैं। ऋषि अश्विनीदेवों को प्रसन्न करना चाहते हैं। पूछते हैं कि-'अज्ञानी लोग आपकी स्तुति कैसे करें?' ऋग्वेद के देवता हैं मरुद्गण। वे गण समूह में चलते हैं। गणसमूहों के सभी सदस्य समान हैं। सबकी उम्र एक है। वे जल बरसाते हैं। ऋषि इस पूरे प्रपंच को जानना चाहते हैं। मरुद्गणों से प्रश्न करते हैं कि-'एक समान उम्र वाले मरुद्गण किस शक्ति से जल बरसाते हैं? किस बुद्धि से किस देश में जाते हैं? (1.165.1) वर्षा एक जगह नहीं होती।' जल वर्षा का वैज्ञानिक रहस्य है। ऋषि वर्षा का पूरा तंत्र जानना चाहते हैं। एक मंत्र में एक साथ तीन प्रश्न हैं। पहला - वर्षा करने की शक्ति क्या है? दूसरा - भिन्न भिन्न क्षेत्रों में जल वर्षा करने की शक्ति क्या है? तीसरा प्रश्न है - देश चयन की बुद्धि क्या है? ऋषि समूचे वर्षा विज्ञान को जान लेना चाहते हैं। आधुनिक विज्ञान वर्षा की पूर्व जानकारी देता है। लेकिन इस ज्ञान परम्परा की शुरूआत ऋग्वेद से होती है। वर्षा के ढेर सारे देवता हैं। इन्द्र हैं, वरुण हैं, मरुद्गण हैं, पर्जन्य हैं। इन्हीं देव नामों की स्तुतियों में वर्षा विज्ञान के आदि तत्व छुपे हुए हैं। जल से ऋग्वैदिक समाज का प्रेम सर्वविदित है। जल को माता कहा गया है। जल पवित्र करता है। कृषि के लिए उपयोगी है ही। ऋषि जल प्रवाहों का इतिहास जानना चाहते हैं। प्रश्न है-'लगातार प्रवाहित जलों का आदिप्रवाह कब हुआ था?' यह प्रश्न पूर्णतया वैज्ञानिक है। ऋषि सभी गतिविधियों का आदिकारण और समय जानने के इच्छुक रहे हैं। सोमनाथ ने ठीक कहा है कि भारत वैदिककाल से ही ज्ञानी समाज था। ऋषि तमाम विषयों पर अपनी जानकारी देते हैं। तमाम विषयों की जानकारी उन्हें नहीं है। वे अपना अज्ञान स्वीकार करते हैं। ऋग्वेद (1.164.1) में कहते हैं कि, 'मैं इनका उत्तर नहीं जानता।' एक प्रश्न है, 'जिसने छहों लोक थाम रखे हैं उस अजन्मा प्रजापति के रूप में वह एक तत्व किस प्रकार का है?

Social Media Corner

सच के हक में...

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सरकार ने करोड़ों प्रदेशवासियों की आशाओं और विश्वास को कुचलकर अपने दिल्ली दरबार की झोली भरने के लिए राज्य को भ्रष्टाचार का गढ़ बना दिया है। किसान से लेकर जनजातीय बहनों-भाइयों तक, सभी त्रस्त हैं और आगामी विधानसभा चुनाव में परिवर्तन के लिए तैयार हैं। भाजपा ने संकल्प लिया है कि वह कांग्रेस के हर एक भ्रष्टाचार और काले कारनामों को जनता के सामने लाएगी। इसी क्रम में आज रायपुर में कांग्रेस के भ्रष्टाचारों का आरोप पत्र जारी किया।

(गृह मंत्री अमित शाह के ट्विटर अकाउंट से)

झारखंड में हेमंत सोरेन तालिबानी शासन चला रहे हैं। मुख्यमंत्री या सरकार के गलत नीतियों के विरोध में आवाज उठाने वालों को पुलिस द्वारा प्रताड़ित किया जा रहा है। राज्य में खुलेआम संगठित गिरोह बनाकर भ्रष्टाचार और आपराधिक घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है, लेकिन इन पर कारवाई करने की बजाय हेमंत सोरेन की सरकार ऐसे तत्वों को प्रश्रय देने का काम कर रही है। हेमंत सोरेन के लूटतंत्र और जंगलराज को ध्वस्त करने के लिए पुन: यहां भाजपा-आजसू गठबंधन की सरकार स्थापित करनी है।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी के ट्विटर अकाउंट से)

जीवन से प्यार के गीतकार शैलेंद्र

भारतीय जनजीवन में फिल्मी गीतों की गहरी पैठ है। जीवन से जुड़ी कोई भी और कैसी भी घटना हो उसे गीत ही हमारे बीच सजीव और साकार करते हैं। धार्मिक अवसर हो या देशभक्ति का समय, हमारे त्योहार हों, जन्मदिन या फिर शादी-ब्याह की खुशियां हो, सबके लिए हमारे पास गीतों की भरमार है। इन गीतों के अनेक रचनाकारों में शैलेंद्र का नाम बिल्कुल अलग,अनूठा और सबसे लोकप्रिय रहा है। सरल और सहज भाषा में लिखे गए उनके गीत केवल मनोरंजन ही नहीं करते बल्कि जीवन से जुड़े गहरे संदेश भी देते हैं। यह वर्ष उनका जन्म शताब्दी वर्ष है। शैलेंद्र का जन्म 30अगस्त, 1923 को पंजाब प्रांत के रावलपिंडी शहर (वर्तमान पाकिस्तान) में एक सामान्य परिवार में हुआ था। उनके पूर्वज बिहार के निवासी थे। शैलेंद्र (मूल नाम शंकर दास राव) जब छह साल के थे तो पिता गंभीर रूप से बीमार पड़ गए और उनकी फौज की नौकरी चली गई। घोर आर्थिक संकट से गुजरते हुए यह परिवार रावलपिंडी से मथुरा (उत्तर प्रदेश) आ गया। शैलेंद्र की प्रारंभिक शिक्षा यहीं हुई। आर्थिक स्थिति बेहतर न होने के कारण शैलेंद्र को मथुरा के रेलवे वर्कशॉप में कार्य करना पड़ा। यहीं से उनका ट्रांसफर बंबई (अब मुंबई) के रेलवे वर्कशॉप में हो गया। कविता का शौक उन्हें बचपन से ही था और युवा अवस्था से ही मथुरा और आसपास होने वाले कवि सम्मेलनों में वे भाग लेने लगे थे। बंबई की रेलवे कालोनी में श्रमिक वर्ग के साथ रहते हुए उनका झुकाव वामपंथ की तरफ हुआ और वे भारतीय जन नाट्य संघ से जुड़ गए और उनके साथ काम करने लगे। मंचों पर उनकी कविताएं बड़े ध्यान से सुनी जाती थीं। ऐसे ही एक कवि सम्मेलन में उनकी कविता राज कपूर ने सुनी और उन्हें अपनी फिल्मों में गीत लिखने का निमंत्रण दिया, लेकिन स्वाभिमानी शैलेंद्र ने तत्काल उन्हें यह कहकर मना कर दिया कि वह फिल्मों के लिए गीत नहीं लिखते हैं। आगे चलकर कुछ परिस्थितियां ऐसी हुईं कि उन्हें अपनी गर्भवती पत्नी के इलाज के लिए कुछ पैसों की जरूरत पड़ी। तब वह राज कपूर से पैसे मांगने गए। राज कपूर ने पैसे तो दे दिए लेकिन उनसे यह भी अनुरोध किया कि यदि वे उनकी निमार्णाधीन फिल्म बरसात के लिए दो गीत लिख दें तो उन्हें यह पैसे वापस करने की जरूरत नहीं है। शैलेंद्र ने गीत लिखे। पहला गीत था- बरसात में हमसे मिले तुम सजन तुमसे मिले हम बरसात में... और दूसरा गीत था- पतली कमर है, तिरछी नजर है...। दोनों ही गीत अत्यंत लोकप्रिय हुए और बरसात की सफलता में इन गानों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। उसके बाद तो उनकी फिल्मों में ख्याति और प्रतिष्ठा निरंतर बढ़ती गई । अपनी रेलवे की नौकरी छोड़कर वह फिल्मों के लिए गीत लिखने लगे। आरके फिल्म्स यानी राज कपूर के साथ उनका अटूट रिश्ता बना जो आजीवन बना रहा। इस तरह मुकेश, हसरत जयपुरी, शंकर जयकिशन के साथ उनकी बहुत प्यारी जोड़ी बनी और लोकप्रियता के चरम पर पहुंची। 18 वर्ष के अपने छोटे से फिल्मी करियर में उन्होंने कुल 173 हिंदी फिल्मों में 793 गीत लिखे । इसके अलावा 6 भोजपुरी फिल्मों में 37 और एक बंगाली फिल्म के लिए सिर्फ एक गीत लिखा। यह गीत हिंदी में ही था। मोहम्मद रफी की आवाज में रिकॉर्ड हुए इस गीत को बांग्ला फिल्मों के तत्कालीन सर्वाधिक लोकप्रिय युगल जोड़ी उत्तम कुमार व सुचित्रा सेन की उपस्थिति में फिल्माया गया था। इसका संगीत बंगाल के सुप्रसिद्ध संगीतकार नचिकेत घोष ने तैयार किया था। इस तरह उन्होंने कुल 180 फिल्मों में कुल 831 गीत लिखे। कुछ गैर फिल्मी गीत भी हैं जो रिकॉर्ड हुए थे पर फिल्मों में नहीं लिए जा सके। उनके गीतों से सजी फिल्मों में प्रमुख हैं- आवारा, दो बीघा जमीन, श्री 420, जिस देश में गंगा बहती है, संगम, सीमा मधुमती, जागते रहो, गाइड, काला बाजार, जंगली, बूट पॉलिश, यहूदी, अनाड़ी, पतिता दाग,बंदिनी गुमनाम और तीसरी कसम आदि।

एक साथ चुनाव

एक देश एक चुनाव पर विचार की गंभीर पहल बहुत महत्वपूर्ण और आकर्षक है। उससे भी दिलचस्प यह है कि इस विचार को लागू करने की व्यावहारिकता का पता लगाने के लिए बनाई गई समिति का अध्यक्ष पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को बनाया गया है। पूर्व राष्ट्रपति के नेतृत्व में विशेषज्ञों की टीम अध्ययन करेगी कि क्या पूरे देश में लोकसभा चुनाव के साथ ही तमाम विधानसभाओं के चुनाव कराना संभव है? समिति के प्रकार से ऐसा लगता है कि केंद्र सरकार एक देश एक चुनाव का मन बना चुकी है, अब वह केवल इस बात पर काम करेगी कि फैसले को कैसे लागू किया जा सकता है। जाहिर है, भारत जैसे विशाल देश में विधानसभा चुनावों के साथ लोकसभा चुनाव कराना कतई आसान नहीं है। एक देश एक चुनाव का फैसला अगर लिया जाता है, तो क्रांतिकारी होगा। लोकतंत्र में स्थिरता भले आएगी, पर सियासी दलों के लिए समस्या बढ़ जाएगी। सरकारों को गिराने की साजिशों पर लगाम लगेगी, पर राष्ट्रपति शासन की जरूरत बढ़ जाएगी। कहीं बहुमत न होने की स्थिति में चुनाव का लंबा इंतजार भी करना पड़ सकता है। ऐसी तमाम आशंकाओं और संभावनाओं पर पूर्व राष्ट्रपति की अध्यक्षता में विचार होगा। यह सर्वज्ञात बात है कि साल 1967 तक देश में विधानसभाओं और लोकसभा के चुनाव साथ ही होते थे। संयुक्त विधायक दल के दौर और केंद्रीय स्तर पर कांग्रेस के अंदर खींचतान के कारण एक देश एक चुनाव का क्रम टूट गया। अब देश में जरूरत के मुताबिक चुनाव होते रहते हैं। मध्यावधि चुनाव भी हुए हैं। क्या एक देश एक चुनाव की स्थिति में मध्यावधि चुनाव की संभावना खत्म हो जाएगी? क्या राजनीतिक दल इस पर सहमत हो सकेंगे? पूर्व राष्ट्रपति को सभी संबंधित पक्षों से चर्चा करके आगे का रास्ता तय करना पड़ेगा। संविधान विशेषज्ञों की भी जरूरत पड़ेगी। एकाधिक संविधान संशोधन भी करने पड़ेंगे।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, Jharkhand-835222, and Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

उपेंद्र कुशवाहा ने नीतीश-लालू को लिया निशाने पर

कहा- जेडीयू का अस्तित्व हो चुका है खत्म, लालू नहीं चाहते नीतीश आगे बढ़े

आरा। देश में प्रधानमंत्री के चुनाव को लेकर सरगमी तेज होते जा रही है। पक्ष और विपक्ष लगातार एक दूसरे पर तंज कस रहे है। ऐसे में एनडीए को अपना समर्थन देने की बात स्वीकारते हुए उपेंद्र कुशवाहा भी चुनावी मैदान में पार्टी को मजबूत कर रहे है। इसी बीच राष्ट्रीय लोक जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने शनिवार को आरा सर्किट हाउस में प्रेस कांफ्रेंस किया है। जहां, उन्होंने मुंबई में हुई विपक्षी दल की बैठक के बाद बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, लालू यादव और तेजस्वी को निशाने पर लिया। उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि मुंबई में दो दिवसीय बैठक हुई थी। जहां, जोर शोर से चर्चा थी कि नीतीश जी को I.N.D.I.A पार्टी संयोजक बनाया जायेगा। लेकिन नीतीश जी बिहार की जनता की उम्मीद पर नहीं खड़े उतरे है। उनको पहले प्रधानमंत्री का उम्मीदवार बताया जा रहा था, अभी तक संयोजक भी नहीं बने है। साथ ही लालू जी शुरू से ही राहुल गांधी को संकेत दे रहे है। बिहार बैठक के दौरान भी उन्होंने राहुल गांधी को दूल्हा बता कर सबको बाराती कहकर संबोधित किया था। लेकिन नीतीश जी इस दृश्य में कहीं दिख नहीं रहे है । उन्होंने कहा कि मुझे समझ नहीं आता है कि जदयू के लोग लालू जी पर भरोसा कैसे कर लेते है। जदयू के लोगों को लालू जी पर भरोसा नहीं करना चाहिए। लालू जी केवल यही चाहते है, अपनी पार्टी आरजेडी कैसे आगे बढ़े। हालांकि, इस वक्त तो लालू जी चाहते है कि तेजस्वी कैसे मुख्यमंत्री बन जाए। लालू जी के जीवन का यही अंतिम लक्ष्य है। नीतीश कुमार की मजबूती के लिए लालू जी कोई काम नहीं कर सकते है। लालू जी कभी नहीं चाहेंगे बिहार में अब नीतीश कुमार की राजनीति आगे बढ़े। पूरी आरजेडी पार्टी यही चाहती है। बिहार से नीतीश कुमार की राजनीति समाप्त हो जाएं। उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि जेपी के दौर में लालू जी ने अगुआई की थी। लेकिन केवल वोट लेने के लिए उन्होंने ऐसा किया था। सत्ता में जाने और लोगों से वोट लेने तक उनका यह भाव था। सत्ता में आने के बाद लोगों से वोट लेने के बाद यह साफ साफ दिखने लगा कि जेपी के अगुआई के नाम पर लोगों के साथ धोखा होने लगा। इसके बाद भ्रष्टाचार की ऐसी स्थिति बनी थी, बिहार छोड़िए पूरे देश में कैसी छवि बन गई थी, ये सभी जानते है। अब नीतीश कुमार भी ऐसे परिवार के साथ है जिनके खिलाफ नीतीश जी का पूरा राजनीति जीवन रहा था। लेकिन अब नीतीश जी लालूजी के आगे नतमस्तक हो गए है। उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि जब जेपी का मूवमेंट हुआ था, तो उस दौरान भ्रष्टाचार का मुद्दा था, शिक्षा का मुद्दा था, लेकिन आज केवल मोदी को कैसे भी हटाना है। इनके पास कोई मुद्दा नहीं है। उस वक्त में और आज के वक्त में बहुत अंतर है। वहीं, उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के कई नेता मेरे संपर्क में है। लेकिन मैं किसी का नाम नहीं लूंगा।

सड़क पर दौड़ती कार में भड़की

पूर्णिया । बीच सड़क पर दौड़ती कार में अचानक आग लग गई। कार में ड्राइवर समेत 3 लोग सवार थे। कार में आग भड़कते ही सड़क पर दौड़ती दूसरी वाहन और राहगीरों के बीच हड़कंप मच गया। घटना पूर्णिया के सहायक खजांची थाना क्षेत्र के लाइन बाजार की है। कार में आग लगते ही किसी तरह कार में बैठे लोगों ने अपनी जान बचाई।

घटना की जानकारी पाकर फायर ब्रिगेड की गाड़ी फौरन मौके पर पहुंची। कार आग के गोले में तब्दील होती। इससे पहले ही फायर ब्रिगेड की गाड़ी ने आग पर काबू पा लिया। घटना की जानकारी देते हुए कार के ओनर तारिक जावेद ने बताया कि जिस वक्त ये हादसा हुआ, वे उनके साथी और कार का ड्राइवर कार में मौजूद था। वे देर दोपहर करीब 3 बजे लाइन बाजार एक चिकित्सक के क्लीनिक पर आए थे। चिकित्सक से मुलाकात के बाद वे अररिया लौट रहे थे कि तभी लौटने के क्रम में उनकी कार में लाइन बाजार चौक के करीब ही आग भड़क उठी। इससे पहले ही कार आग के गोले में तब्दील होती कार में मौजूद सभी लोग किसी तरह कार से बाहर निकले और अपनी जान बचाई। मौके पर मौजूद लोगों ने फायर ब्रिगेड को घटना की जानकारी दी। जिसके बाद मौके पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने कार में भड़की आग पर काबू पाया। वहीं, आग किन वजहों से लगी इसके पीछे की वजहों का अब तक पता नहीं चल पाया है। फिलहाल इस घटना में सभी पूरी तरह सुरक्षित हैं।

राजद नेता ने 60 लाख में हायर किए शूटर्स

समस्तीपुर । चार दिन पहले कोर्ट कैंपस में हुए गोलीकांड का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। एसपी विनय तिवारी ने शुक्रवार की शाम पत्रकारों से बातचीत में पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी। उन्होंने गोलीकांड के मास्टर माइंड कल्याणपुर के राजद प्रखंड अध्यक्ष और पूर्व मुखिया रामबाबू राय को बताया है।

एसपी ने बताया कि 26 अगस्त को कोर्ट कैंपस में हुए गोलीकांड को अंजाम देने के लिए रामबाबू ने 60 लाख में तीन शूटर्स को हायर किए थे। ये शूटर्स झारखंड के रहने वाले हैं। इस मामले में पुलिस ने राजद प्रखंड अध्यक्ष समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है, जिसमें मो. ओवैस और अमन कुमार उर्फ कारगिल शामिल हैं। हालांकि, तीनों शूटर्स अब भी फरार हैं। गिरफ्तार आरोपियों के पास से एक पिस्टल भी बरामद की गई है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ करने के बाद जेल भेज दिया है। इसके साथ ही इस मामले में एसपी ने कल्याणपुर थानाध्यक्ष गौतम कुमार और चकमहेसी थानाध्यक्ष चंद्र किशोर टिउ्डू को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया है। एसपी विनय तिवारी ने बताया कि कल्याणपुर में चार साल पहले राजद नेता रघुवर राय की हत्या हुई थी। इस घटना के बाद कल्याणपुर में पावर गैप बना, जिसे पूरा करने के लिए प्रभात चौधरी ने अपराध के क्षेत्र में कदम रखा और शराब का कारोबार करने लगा। इधर, पूर्व मुखिया रामबाबू राय भी अपना दबदबा बढ़ाने लगा। वह भी साथियों के साथ मिलकर शराब कारोबार करते हुए अकूट संपत्ति अर्जित की। वह अपने इलाके में अकेला साम्राज्य चाहता था। जिस कारण वह प्रभात चौधरी को रास्ते से हटाने की योजना बनाई। प्रभात चौधरी जेल में रहते हुए आपराधिक घटना को संचालित करना चाह रहा था। एसपी ने बताया कि 15 जुलाई को रामबाबू राय के घर पर हत्या की प्लानिंग बनी, जहां, शूटर्स के साथ लेनदेन की डील हुई। बदमाशों ने घटना को अंजाम देने के लिए कई स्तरों पर प्लानिंग की। उन्होंने कहा कि सभी बदमाश 25 अगस्त को समस्तीपुर पहुंच गए थे। जिन्हें वस्तु बिहार में ठहराया गया। 26 अगस्त को सभी दिन के 11.15 बजे कोर्ट कैंपस पहुंच गए और गोलीबारी शुरू कर दी। एसपी ने बताया कि इस दौरान रामबाबू भी बदमाशों से मिलने कोर्ट के बाहर आया था।

इसके बाद वह मुंगेर चला गया। प्रभात चौधरी को पेशी के बाद वापस वाहन की ओर ले जाया जा रहा था, तभी तीनों शूटरों ने उस पर गोली चला दी। पहली गोली चलाने वाले बदमाश की पिस्टल फंस गई। इसके बाद दो अन्य बदमाश गोली चलाने लगे। इस दौरान एक गोली प्रभात चौधरी और दूसरी गोली प्रभात तिवारी नामक दूसरे कैदी को लग गई। घटना के बाद सभी फरार हो गए।

संक्षिप्त डायरी

4 महीने की शादी में 2 बार प्रेमी संग फरार

मोतिहारी । 16 साल की विवाहिता को उसके माता-पिता और मौसेरे भाई ने हाथ-पैर बांधकर नहर में फेंक दिया। नाबालिग की गलती बस इतनी सी थी कि वह एक युवक से प्यार करती थी। लड़की नेपाल की रहने वाली है। नाबालिग की शादी 4 महीने पहले नेपाल के ही एक लड़के के साथ हुई थी। लेकिन उसका 2 साल से किसी और लड़के के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था। शादी के बाद वह 2 बार अपने प्रेमी संग भाग चुकी है। बार-बार प्रेमी संग भागने से नाराज परिजनों ने गुरुवार को हाथ-पैर बांधकर उसे सिकरहना नदी में ललबेगिया पुल के पास फेंक दिया था। गनीमत ये रही कि नदी में छटपटा रही विवाहिता पर मछुआरों की नजर पड़ी। इसके बाद मछुआरों ने उसे नदी से बाहर निकाला। घटना की जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस पीड़िता को थाने ले गई। पीड़िता ने पुलिस को पूरी कहानी बताई। पुलिस की पूछताछ में पीड़िता ने बताया कि उसका घर नेपाल के रौतहट जिला के पथरा गांव में है। उसकी चार महीने पहले शादी हुई थी। शादी के डेढ़ माह बाद वह अपने प्रेमी विवेक के साथ नेपाल के कोपवा गांव से भाग गई। 15 दिन बाद उसे पकड़कर फिर से ससुराल भेज दिया गया। यहां से फिर 10 दिन बाद वह अपने प्रेमी के साथ फरार हो गई। 4 दिन पहले घरवालों ने उसे पकड़ा और चिरैया थाना के आमगाछी में मौसी के घर भेज दिया। अब गुरुवार की रात विवाहिता की मां, पिता और मौसेरे भाई ने उसके हाथ-पैर बांधे। फिर नदी में फेंक दिया। मामले में पीड़िता के बयान पर उसकी मां गीता देवी, पिता राजेन्द्र राय, आमगाछी गांव निवासी पप्पू राय और भुवन राय पर चिरैया थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है। चिरैया थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि पीड़िता नाबालिग है। उसके बयान पर केस दर्ज कर उसकी मां गीता देवी, पिता राजेन्द्र राय और मौसेरा भाई पप्पू राय को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। वहीं भुवन राय की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। पीड़िता को बालिका गृह भेज दिया गया है।

युवती से छेड़खानी करते मनचले को लोगों ने पकड़ा

जमुई। जिले के टाउन थाना क्षेत्र के नीमारंग मोहल्ले में शनिवार को एक युवती से छेड़खानी करते मनचले युवक को स्थानीय लोगों ने पकड़ लिया। जिसके बाद उसे बंधक बनाकर बिजली की पोल में बांध घंटो तक उसकी पिटाई कर दी। जिसमें वह घायल हो गया। घटना की जानकारी के बाद मौके पर पहुंची 112 की पुलिस की टीम ने बंधक बने मनचले को छुड़ाकर थाने लाया गया। मनचले की पहचान टाउन थाना क्षेत्र के अचहरी गांव निवासी ब्रह्मदेव साव का पुत्र मुन्ना साव (42) के रूप में की गई है। शनिवार की सुबह नीमारंग मोहल्ले में युवती कुछ जरूरी सामान की खरीदारी के लिए जा रही थी। तभी मनचले युवक ने युवती के साथ छेड़खानी करने लगा। युवती के शोर मचाए जाने के बाद आसपास के लोग जमा हो गए और मनचले को खदेड़कर पकड़ लिया। जिसके बाद स्थानीय लोगों ने उसे बिजली पोल में बांध उसकी जमकर पिटाई कर दिया। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने पूरे मामले की जानकारी डायल 112 की पुलिस को दिया। जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंचकर बंधक बने मनचले को छुड़ा उसे टाउन थाने में लाया। जहां से उसे कड़ी सुरक्षा के बीच इलाज के लिए सदर अस्पताल में लाया गया। 112 टीम के एसआई विजय यादव ने बताया कि छेड़खानी के आरोप में एक मनचले को स्थानीय लोगों ने पड़कर उसे बिजली के पोल में बांधकर रखा था।

पटना, मोतिहारी समेत 5 जिलों में झमाझम बारिश

27 जिलों में: 5 सितंबर तक मानसून एक्टिव; कम विजिबिलिटी के चलते दिल्ली-पटना फ्लाइट बनारस

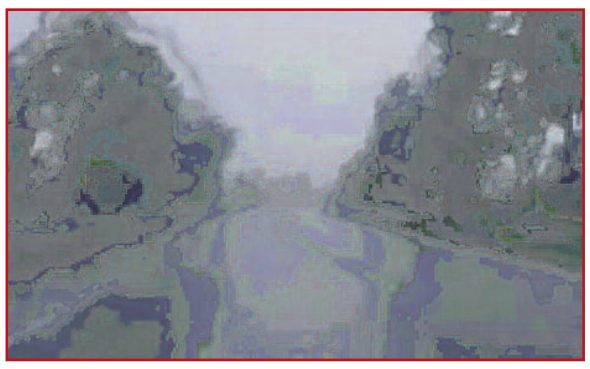

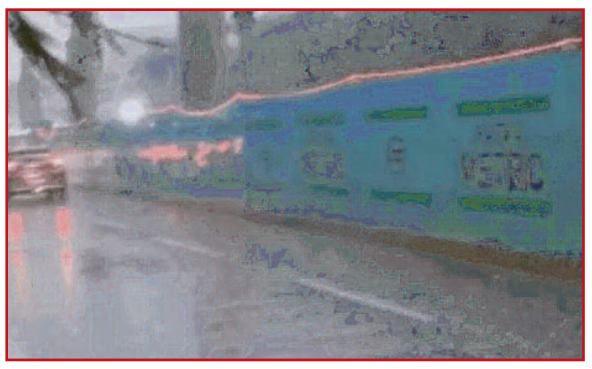

पटना। मौसम विभाग ने शनिवार को बिहार के 27 जिलों में बारिश और आकाशीय बिजली का अलर्ट जारी किया है। पटना, बांका, मोतिहारी, भागलपुर, मुजफ्फरपुर और सीतामढ़ी में दोपहर बाद अचानक मौसम ने करवट ली और इन जिलों में झमाझम बारिश हुई। बारिश से लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली है। मौसम विभाग ने 5 सितंबर के बीच बारिश और आकाशीय बिजली को लेकर अलर्ट जारी किया है। पटना में शाम 3:30 बजे से मौसम का मिजाज बदलने लगा। अचानक आसमान में काले बादल छाने लगे और 4 बजे से झमाझम बारिश शुरू हो गई। काले बादल छाने की वजह से दिन में ही रात जैसा नजारा दिखा। वाहन चालकों को गाड़ी के हेड लाइट जलाकर चलना पड़ा। वहीं, दिल्ली से पटना आ रही फ्लाइट कम विजिबिलिटी के चलते बनारस डायवर्ट हो गई। उसी फ्लाइट को वापस दिल्ली जाना था। इस वजह से पटना एयरपोर्ट पर कई यात्री फंस गए। फ्लाइट पटना कब आएगी और दिल्ली के लिए कब उड़ान भरेगी, इसकी आधिकारिक जानकारी नहीं मिल पाई है। मौसम विभाग के अनुसार मानसून की ट्रफ लाइन की पश्चिमी सीमा हिमालय की तलहटी में जबकि पूर्वी सीमा गोरखपुर, पटना, बांकुड़ा, दीघा होते हुए पूर्व की ओर बंगाल की खाड़ी तक प्रभावी है। मौसम विभाग के अनुसार अगले 24 से 48 घंटे के दौरान बिहार के कई जिलों में हल्की बारिश की संभावनाएं बनती हुए नजर आ रही है। जिनमें दरभंगा, बेगूसराय, वैशाली, सीवान, गोपालगंज, मधुबनी, सीतामढ़ी, शिवहर, पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण समेत और अन्य जिले शामिल हैं। इस दौरान अधिकतम तापमान 34 से 37 डिग्री सेल्सियस के बीच और न्यूनतम तापमान 26 से 28 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का पूवार्नुमान जताया गया है पटना में मानसून इस बार शुरूआती दिन से ही बेहद खराब रहा है। अब तक पूरे पटना जिले में 45 फीसदी ही बारिश हुई है। वहीं अगले दो से तीन दिनों में हल्की बारिश देखने को मिल सकती है। जिसके बाद लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिलेगी। मौसम विभाग के पूवार्नुमान के मुताबिक सितंबर के पहले और दूसरे हफ्ते में बिहार की ज्यादातर जगहों पर हल्की बारिश की उम्मीद है, लेकिन कुल मिलाकर ये सामान्य से कम ही रहेगी। मौसम विभाग की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार लखीसराय, नवादा, पटना, रोहतास, सहरसा, सारण, शेखपुरा, सीतामढ़ी, अरवल, औरंगाबाद, बेगूसराय, भभुआ, भोजपुर, गया, गोपालगंज और जमुई जिले में बारिश सामान्य से 35 से 51% तक कम हुई है। इन जिलों में सूखे जैसे ही हालत हैं। सितंबर में यह हालात और गहरा सकते हैं।

स्कूल के चारो तरफ फैला बाढ़ का पानी

दरभंगा। नेपाल से छोड़े गए पानी के चलते बागमती नदी के जलस्तर में उफान पर है। बागमती नदी के तूफान पर होने के कारण हायाघाट और हनुमान नगर प्रखंड के कई इलाकों में बाढ़ का पानी प्रवेश कर गया है। जिस वजह से लोगों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। वही, हनुमान नगर प्रखंड वार्ड नंबर 5 स्थित मध्य विद्यालय के चारो तरफ बाढ़ का पानी फैल गया है। लेकिन शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव केके पाठक के आदेश के डर से शिक्षक स्कूल को खोले हुए है। जिस कारण बच्चे जान को जोखिम में डालकर नाव की सवारी कर पढ़ने जाने को विवश है। दरअसल, दरभंगा मुख्यालय से हायाघाट प्रखंड जाने वाली मुख्य सड़क पर बाढ़ का पानी आ जाने से लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हायाघाट प्रखंड के लोगों को जिला मुख्यालय आने के लिए अब तकरीबन 30 किलोमीटर घूमकर आना पड़ रहा है। हायाघाट प्रखंड में बाढ़ का पानी नया टोला, घरारी, सराय हामिद तथा हनुमाननगर प्रखंड के अम्माडीह, बहपत्ति, छतौना सहित करीब आधा दर्जन गांव बाढ़ के पानी से घिर गया है। इनलोगो को गांव से निकलने के लिए एक मात्र साधन नाव ही बचा है। बाढ़ के पानी आने से इस इलाके के करीब 25 हजार की आबादी का जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। वही, स्थानीय रामवृक्ष पासवान ने कहा कि अभी जो बच्चा ट्यूशन पढ़ने के लिए आते हैं। प्रत्येक बच्चा 10 रुपया नाव का किराया देना पड़ता है। सरकार के तरफ से कोई व्यवस्था नहीं की गई है और बिना नाव का बच्चा इस पार से उसे पर नहीं जा सकते है। दूसरा कोई साधन नहीं है। वही, उन्होंने कहा कि सरकारी स्तर पर अभी तक नाव की व्यवस्था की गई है। एक मोहल्ला से 50-60 बच्चे एक साथ नाव पर चढ़कर पढ़ने के लिए जाते हैं। हमेशा हादसा का डर लगा रहता है। लेकिन करें तो क्या करें। नाव के अलावा और कोई साधन नहीं है। हायाघाट प्रखंड के अंचलाधिकारी अंकुर राय ने कहा कि बाढ़ की पानी की स्थिति यह है कि आज से बाढ़ की पानी घटना शुरू हुआ है।

आरबीआई गवर्नर दास को बेस्ट बैंकर का सम्मान

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दी बधाई

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास को अमेरिका स्थित पत्रिका ग्लोबल फाइनेंस ने वैश्विक स्तर पर शीर्ष केंद्रीय बैंकर का सम्मान दिया है। उन्हें ग्लोबल फाइनेंस केंद्रीय बैंकर रिपोर्ट कार्ड-2023 में 'ए प्लस' रेटिंग दी गई है। इस सूची में तीन केंद्रीय बैंकों के गवर्नरों को 'ए प्लस' रेटिंग दी गई है, जिनमें दास शीर्ष पर रहे। स्विट्जरलैंड के गवर्नर थॉमस जे जॉर्डन दूसरे और वियतनाम के गवर्नर गुयेन थी होंग तीसरे स्थान पर रहे। ग्लोबल फाइनेंस पत्रिका ने कहा कि महंगाई पर नियंत्रण, आर्थिक वृद्धि लक्ष्यों, मुद्रा स्थिरता और ब्याज दर प्रबंधन में सफलता के लिए ग्रेड 'ए' से ग्रेड 'एफ' तक के पैमाने होते हैं। ग्रेड ए उत्कृष्ट प्रदर्शन को दर्शाता है, जबकि एफ ग्रेड का मतलब पूरी तरह विफलता है। इससे पहले लंदन सेंट्रल बैंक ने जून, 2023 में शक्तिकांत दास को गवर्नर ऑफ द ईयर सम्मान से नवाजा था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दास को इस उपलब्धि पर बधाई दी। उन्होंने कहा` कि आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास को बधाई। यह पूरे देश के लिए गर्व का क्षण है। यह वैश्विक मंच पर हमारे वित्तीय नेतृत्व को दर्शाता है। उनका समर्पण और दूरदर्शिता हमारे देश के विकास को मजबूत करती रहेगी।

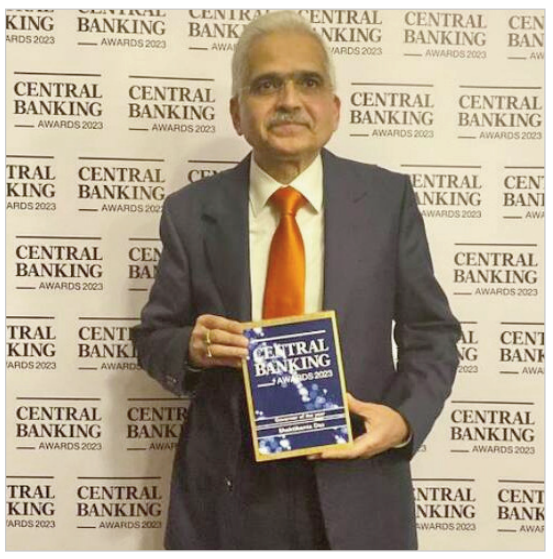

नए कलेवर में लांच हुई करिज्मा एक्सएमआर

-नए फीचर्स के साथ मचाएगी धमाल

नई दिल्ली ।

आटोमोबाइल सेक्टर की कंपनी हीरो ने कुछ साल पहले हीरो करिज्मा एक्सएमआर बाइक को अचानक बंद कर दिया। लंबे समय तक लोग इस मोटरसाइकिल का वेट भी करते रहे लेकिन इस मोटरसाइकिल की वापसी को लेकर कंपनी ने कभी कुछ नहीं कहा।लेकिन अब कंपनी ने इसे पूरी तरह से नए कलेवर में एक बार फिर लॉन्च कर दिया है।

इस बारे न केवल मोटरसाइकिल का डिजाइन बदला गया है बल्कि इसका इंजन और फीचर्स भी पूरी तरह से नए कर दिए गए हैं।अब ये पहले के मुकाबले ज्यादा पावरफुल और बेहतरीन फीचर्स के साथ बाजार में उतरी है।

कंपनी ने एक बार फिर करिज्मा को लॉन्च कर दिया है। मोटरसाइकिल की बुकिंग कंपनी ने शुरू कर दी है और इसे आप डीलरशिव या हीरो मोटोकॉर्प की ऑथोराइज्ड वर्कशॉप पर आसानी से बुक करवा सकते हैं। हीरो मोटोकॉर्प ने बाजार में बढ़ते कॉम्पीटीशन को देखते हुए बाइक को काफी वाजिब कीमत पर लॉन्च किया है।करिज्मा एक्सएमआर को अब आप 1.72 लाख रुपये की एक्स शोरूम कीमत पर खरीद सकते हैं।बाइक में अब आपको पूरी तरह से नया इंजन देखने को मिलेगा।ये 210 सीसी का सिंगल सिलेंडर होगा और इसको बेहतर परफॉर्मेंस के लिए लिक्विड कूल्ड दिया गया है।ये इंजन 25.1 बीएचपी की पावर और 20.4 एनएम का टॉर्क जनरेट करेगा। मोटरसाइकिल में स्लिप और असिस्ट क्लच के साथ 6 स्पीड गियरबॉक्स दिया गया है। मोटरसाइकिल को स्टी ट्रेलिस फ्रेम पर तैयार किया गया है। मोटरसाइकिल में सस्पेंशन सेटअप भी पूरी तरह से नया है और इसमें आपको फ्रंट में ट्रेडिशनल टेलिस्कोपिक शॉक और रियर में मोनो शॉक देखने को मिलेंगे। करिज्मा में नए डिजाइन के 17 इंच के अलॉय व्हील दिए गए हैं।वहीं फ्रंट और रियर डिस्क ब्रेक के साथ ही डुअल चैनल एबीएस भी दिया गया है। मोटरसाइकिल के लुक को पूरी तरह से बदलते हुए वाई शेप में एलईडी हैडलैंप देखने को मिलेंगे।साथ ही एडजस्टेबल विंडस्क्रीन, फेयरिंग पर रियर व्यू मिरर, मस्कुलर फ्यूल टैंक और स्पिलट सीट्स मिलेंगी।

बलेनो को टक्कर दे रही टोयोटा ग्लैंजा

-दोनों में इस्तेमाल होने वाला इंजन भी एक ही

नई दिल्ली ।

जानी-मानी कंपनी मारुति की बलेनो देश में सबसे ज्यादा बिकने वाली प्रीमियम सेगमेंट की हैचबैक है। ये हमेशा टॉप-5 बेस सेलिंग कारों में अपनी जगह बनाती है। हालांकि, मार्केट में कुछ ऐसी कारें भी हैं जो बलेनो को जबर्दस्त टक्कर दे रही हैं। यहां हम आपको एक ऐसी की प्रीमियम हैचबैक के बारे में बताने जा रहे हैं जिसे बहुत कम लोग ही जानते हैं, लेकिन परफार्मेंस, फीचर्स और सेफ्टी के मामले में ये बलेनो को तगड़ी टक्कर देती है। क्योंकि ये बलेनो के जैसी ही दिखती है इसलिए मार्केट में लोग इसे बलेनो की जुड़वा बहन भी कहते हैं।भले ही इसका रंग रूप बलेनो के जैसा है लेकिन इसमें बलेनो से अलग डिजाइन देखने को मिलता है।यहां हम जिस कार के बारे में बात कर रहे हैं वो टोयोटा ग्लैंजा है जिसे जिसे मारुति बलेनो के प्लेटफॉर्म पर डिजाइन किया गया है।ग्लैंजा और बलेनो में इस्तेमाल होने वाला इंजन भी एक ही है।हालांकि, कई जानकारों ने इसे बिल्ड क्वालिटी में बलेनो बेहतर बताया है।टोयोटा ग्लैंजा आपको मार्केट में 6.81 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) की शुरूआती कीमत पर मिल जाएगी।कंपनी इसे चार वेरिएंट ई, एस, जी और वी में बच रही है।

अगर सेफ्टी के लिहाज से देखें तो ग्लांझा के बेस मॉडल में 2 एयरबैग और टॉप मॉडल जी और वी में 6 एयरबैग मिलते हैं।इसके 6 एयरबैग वेरिएंट की कीमत 8.73 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) से शुरू होती है।वहीं मारुति बलेनो की कीमत 6.61 लाख रुपये से 9.88 लाख रुपये (एक्स-शोरूम, दिल्ली) के बीच है।टोयोटा ग्लैंजा में 1.2-लीटर डुअलजेट पेट्रोल इंजन मिलता है जो 90 पीएस की पॉवर और 113 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है।इंजन को 5-स्पीड मैनुअल और 5-स्पीड एएमटी गियरबॉक्स से जोड़ा गया।इसे सीएनजी ऑप्शन में भी उपलब्ध किया गया है। सीएनजी वर्जन में ग्लैंजा की माइलेज 30.61केएम/केजी है। इसके स्टैंडर्ड सेफ्टी फीचर्स में डुअल फ्रंट एयरबैग, सीट बेल्ट प्री-टेंशनर और एबीएस-ईबीडी शामिल हैं।बाजार में ग्लैंजा का मुकाबला मारुति बलेनो हुंडई आई20 और टाटा अल्ट्रोड से है।

15,000 तकनीकी कर्मचारी एक साल में कनाडा चले गए

मुंबई ।

देश में नौकरियों के संकट के बीच एक साल में 15 हजार तकनीकी पेशेवर कर्मचारी कनाडा चले गए हैं। एक` रिपोर्ट के अनुसार अप्रैल 2022 से मार्च 2023 तक 15,000 से अधिक भारतीय तकनीकी पेशेवर कर्मचारी कनाडा चले गए हैं। यह आंकड़ा दर्शाता है कि देश में एक तरफ तकनीकी उद्योग में नौकरियों की कमी है, तो दूसरी तरफ कनाडा में तकनीकी पेशेवर के लिए अवसरों की भरमार है। एक संयुक्त रिपोर्ट में बताया गया है कि माइग्रेशन के आंकड़ों में आया यह उछाल कनाडा के विस्तारित तकनीकी कार्यबल में भारत का सबसे बड़ा योगदान है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 32,000 से अधिक तकनीकी पेशेवरों में से 15,097 ने कनाडा को अपने नए घर के रूप में चुना है। यह देश तकनीकी उद्योग का नया आकर्षण बन रहा है। माइग्रेशन कर कनाडा में आए तकनीकी पेशेवरों के आंकड़े में भारत के बाद नाइजीरिया का स्थान है। इस अवधि में वहां से 1808 कर्मचारी कनाडा आकर बसे हैं। रिपोर्ट के अनुसार विशेषज्ञ इसकी वजह कनाडा की इमिग्रेशन फ्रेंडली पॉलिसी और लेबर कॉस्ट को बता रहे हैं। मिसिसॉगा और मॉन्ट्रियल दो कनाडाई शहर हैं जहां सबसे ज्यादा तकनीकी पेशेवर दुनियाभर के देशों से माइग्रेट कर बसते हैं। मिसिसॉगा में करीब 1,000 से अधिक आईटी फर्म हैं, जहां 300,000 से अधिक तकनीकी विशेषज्ञों का प्रभावशाली कार्यबल मौजूद है। मॉन्ट्रियल ने वर्ष 2015 से 2020 के बीच अपने तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र में 31 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि देखी है। भारत और नाइजीरिया के बाद ब्राजील के भी तनीकी पेशेवरों की बड़ी तादाद कनाडा में है।

सिंगापुर ने चावल प्रतिबंध से छूट देने पर भारत का किया धन्यवाद

मुंबई ।

सिंगापुर ने भारत को चावल पर लगे प्रतिबंध से छूट देने के लिए भारत का धन्यवाद किया है। भारत में सिंगापुर के राजदूत ने एक्स पर यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सिंगापुर भारत सरकार को चावल पर लगे प्रतिबंध पर छूट देने के लिए धन्यवाद करता है। दोनों ही देश मजबूत रणनीतिक साझेदार है। हमारी यह मजबूत दोस्ती सराहनीय है। भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि भारत और सिंगापुर के रिश्ते मजबूत हैं और इसी वजह से भारत ने खाद्य आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सिंगापुर को चावल निर्यात करने का फैसला किया है। भारत ने 27 अगस्त को बासमती चावल के निर्यात पर अतिरिक्त सतर्कता के मद्देनजर अहम कदम उठाए थे। इसका मकसद गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात को रोकना था, जो वर्तमान में निषिद्ध श्रेणी में है। इससे पहले सरकार ने बताया कि उन्हें गैर-बासमती चावल के अवैध निर्यात के संबंध में कई रिपोर्ट मिली हैं। सरकार ने एक बयान जारी करते हुए कहा कि रिपोर्ट के अनुसार गैर-बासमती सफेद चावल का निर्यात उबले चावल और बासमती चावल के एचएस कोड के तहत किया जा रहा है। हालांकि, सरकार ने गैर-बासमती चावल का निर्यात 20 जुलाई से बंद कर दिया था। प्रतिबंध के बावजूद सरकार ने देखा कि इस साल भी चावाल का निर्यात जारी रहा है, जिसके बाद केंद्र सरकार ने 20 जुलाई को चावल निर्यात मानदंडों में संशोधन करके गैर-बासमती सफेद चावल को निषिद्ध श्रेणी में डाल दिया।

एरिना के रिटेल चेन ने 6 साल पूरे किए

नई दिल्ली ।

ऑटोमोबाइल सेक्टर की कंपनी मारुति सुजुकी एरिना के रिटेल चेन ने 6 साल पूरे कर लिए हैं।मारुति सुजुकी कंपनी ने 2017 में इस नेटवर्क को शुरु किया था। देशभर में एरिना के 2,853 आउटलेट्स हैं। कंपनी ने एफवाय 2023-24 में कुल 68प्रतिशत एरिना मॉडल्स सेल किए हैं। मारुति सुजुकी केवरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी, विपणन और बिक्री, शशांक श्रीवास्तव, ब्रांड की सफलता में एरेना के योगदान पर प्रकाश डालते हैं। वित्त वर्ष 23-24 से जुलाई 23 तक 29प्रतिशत से अधिक की स्टैंडअलोन बाजार हिस्सेदारी के साथ, एरेना के 9 उत्पादों के पोर्टफोलियो ने मारुति सुजुकी की कुल बिक्री में 68प्रतिशत का योगदान दिया है।बता दें कि एरिना लाइनअप में ऑल्टो के10, एस-प्रेसो, सेलेरियो, वैगन आर, ईको, स्विफ्ट, डिजायर, अर्टिगा और ब्रेज़ा शामिल हैं। कंपनी के अनुसार हर महीने लगभग इनके 10000 यूनिट्स की सेल होती है।

चना दाल 100 के पार, दालों में तेजी

इंदौर । दलहन के दामों में तेजी अप्रत्यसित रूप से देखने को मिल रही है। चना दाल के भाव फुटकर में 100 रुपये से ऊपर पर पहुंच गए हैं। अन्य दालों के रेट में भी लगातार तेजी देखने को मिल रही है। दाल मिलर्स एसोसिएशन का कहना है,कि बाजार में दलहन की आवक कम होने और मांग बढ़ने के कारण तेजी है। पिछले दो सालों से चना दाल की कीमत लगातार बढ़ रही हैं। वर्तमान में 97 रुपए से 100 रुपये किलो के बीच में थोक में दाल बिक रही है। होलसेल बाजार के कारोबारियों का कहना है, कि जिंबॉब्वे, म्यांमार, कनाडा, यूक्रेन,तुर्की आदि देशों से दलहन का आयात होता है। इस समय आयात बंद होने के कारण,दालों के दाम तेजी के साथ बढ़ रहे हैं। थोक बाजार में चना दाल 82 रुपए से लेकर 97 रुपए तक में बिक रही है। वहीं तुवर की दाल 135 से 165, मूंग की दाल 107 से 110,उड़द की दाल 104 से 107 रुपए में बिक रही है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 594.86 अरब डॉलर पर

मुंबई ।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 25 अगस्त को समाप्त सप्ताह में तीन करोड़ डॉलर घटकर 594.86 अरब डॉलर हो गया है। पिछले सप्ताह कुल भंडार 7.27 अरब डॉलर घटकर 594.89 अरब डॉलर रह गया था। अक्टूबर 2021 में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 645 अरब अमेरिकी डॉलर के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था। पिछले साल वैश्विक घटनाक्रम के कारण उत्पन्न दबाव के बीच केंद्रीय बैंक ने रुपए की विनिमय दर में गिरावट को रोकने के लिए पूंजी भंडार का उपयोग किया, जिससे विदेशी मुद्रा भंडार प्रभावित हुआ। रिजर्व बैंक के साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार 25 अगस्त को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा विदेशी मुद्रा आस्तियां 53.8 करोड़ डॉलर घटकर 527.25 अरब डॉलर रह गईं। डॉलर में अभिव्यक्त की जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पौंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं में आई घट-बढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है। स्वर्ण भंडार का मूल्य 53 करोड़ डॉलर बढ़कर 44.35 अरब डॉलर हो गया। आंकड़ों के अनुसार विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 1.1 करोड़ डॉलर घटकर 18.194 अरब डॉलर रहा। समीक्षाधीन सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास रखा देश का मुद्रा भंडार 1.2 करोड़ डॉलर घटकर 5.06 अरब डॉलर रह गया।

(शेयर बाजार साप्ताहिक समीक्षा) सेंसेक्स और निफ्टी में एक फीसदी की तेजी रही

मुंबई ।

वैश्विक बाजार के मजबूत रुझान के बीच चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में देश का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर, अनुमान से अधिक मजबूत रहने की बदौलत हुई चौतरफा लिवाली से शुक्रवार को शेयर बाजार में करीब एक प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुए। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को घरेलू शेयर बाजार में सकारात्मक शुरुआत हुई। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 105.33 अंक चढ़कर 64,991.84 पर खुला और 110.09 अंकों की बढ़त के साथ 64,996.60 अंकों के लेवल पर बंद हुआ। निफ्टी 44.50 अंक मजबूत होकर 19,310.30 के लेवल पर खुला और 40.25 अंक मजबूत होकर 19,306.05 पर बंद हुआ। मंगलवार को सेंसेक्स 183.98 अंकों की बढ़त के साथ 65,180.58 पर खुला और 79 अंकों की बढ़त के साथ 65,075.82 अंकों के लेवल पर बंद हुआ। निफ्टी में 46.50 अंकों की बढ़त के साथ 19,352.55 अंकों पर खुला और 37 अंक की बढ़त के साथ 19,342.65 अंकों पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स 273.55 अंकों की बढ़त के साथ 65,349.37 पर खुला और 11.43 अंक की बढ़त के साथ 65,087.25 पर बंद हुआ। निफ्टी 78.85 अंक चढ़कर 19,421.50 के स्तर पर खुला और 4.80 अंक बढ़कर 19,347.50 पर बंद हुआ।

गुरुवार को सेंसेक्स 91.08 अंक चढ़कर 65,178 पर खुला और 255.84 अंक की गिरावट के साथ 64,831.41 पर बंद हुआ। निफ्टी 28.10 अंक चढ़कर 19,375.55 पर खुला और 93.70 अंक की गिरावट के साथ 19,253.80 पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स 96.67 अंक की बढ़त के साथ 64,928.08 पर खुला और 555.75 अंक (0.86 प्रतिशत) की छलांग लगाकर 65387 पर बंद हुआ। निफ्टी 4.35 अंक की बढ़त के साथ 19,258.15 पर खुला और 181.50 अंक (0.94 प्रतिशत) उछलकर 19,435.30 अंक पर बंद हुआ।

एनएमडीसी का लौह अयस्क उत्पादन अगस्त में 37 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की एनएमडीसी का लौह अयस्क उत्पादन अगस्त में 37.5 प्रतिशत बढ़कर 34.1 लाख टन हो गया। खनन कंपनी ने पिछले साल अगस्त में 24.8 लाख टन लौह अयस्क का उत्पादन किया था। कंपनी की बिक्री भी अगस्त में 25 प्रतिशत बढ़कर 35.4 लाख टन हो गई, जो पिछले साल इसी महीने में 28.3 लाख टन थी। एनएमडीसी ने चालू वित्त वर्ष में अप्रैल से अगस्त तक 1.65 करोड़ टन लौह अयस्क का उत्पादन किया, जो पिछले साल समान अवधि के 1.34 करोड़ टन से 23 प्रतिशत ज्यादा है। इस दौरान बिक्री भी 29 प्रतिशत बढ़कर 1.74 करोड़ टन हो गई, जो पिछले साल इसी अवधि 1.34 करोड़ टन थी। एनएमडीसी ने चालू वित्त वर्ष में अप्रैल से अगस्त तक 1.65 करोड़ टन लौह अयस्क का उत्पादन किया, जो पिछले साल समान अवधि के 1.34 करोड़ टन से 23 प्रतिशत ज्यादा है। इस दौरान बिक्री भी 29 प्रतिशत बढ़कर 1.74 करोड़ टन हो गई, जो पिछले साल इसी अवधि 1.34 करोड़ टन थी। इस्पात मंत्रालय के अंतर्गत आने वाली एनएमडीसी देश की सबसे बड़ी लौह अयस्क खनन कंपनी है। यह देश में स्टील बनाने में इस्तेमाल होने वाले प्रमुख कच्चे माल का 20 प्रतिशत पूरा करती है।

विस्तारा और एयर इंडिया का होगा विलय

मुंबई । भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने विस्तारा एयरलाइन के एयर इंडिया में विलय की अनुमति दे दी है। टाटा एसआईए एयरलाइंस भारत में विस्तारा नाम की विमान सेवा का संचालन करती है। यह टाटा संस और सिंगापुर एलरलाइन का संयुक्त उद्यम है। इसके साथ ही सीसीआई ने सिंगापुर एयरलाइन द्वारा एयर इंडिया में कुछ शेयरों की खरीद को भी मंजूरी दे दी है। हालांकि इसके लिए सिंगापुर एयरलाइन को कुछ शर्तों का पालन करना होगा। विस्तारा और एयर इंडिया टाटा समूह का हिस्सा हैं और सिंगापुर एयरलाइंस की विस्तारा में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी है। पिछले साल नवंबर में टाटा समूह ने एक सौदे के तहत एयर इंडिया के साथ विस्तारा के विलय की घोषणा की थी। इसमें कहा गया था कि सिंगापुर एयरलाइंस भी एयर इंडिया में 25.1 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण करेगी। इस सौदे के लिए इस साल अप्रैल में सीसीआई से मंजूरी मांगी गई थी। हालांकि इस बातचीत के बारे में एयर इंडिया की ओर से अब तक कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है।

पी-नोट के जरिए निवेश जुलाई के अंत में बढ़कर 1.23 लाख करोड़ पहुंचा

नई दिल्ली ।

पार्टिसिपेटरी नोट (पी-नोट) के जरिए भारतीय पूंजी बाजार में निवेश जुलाई के ओ खिर में बढ़कर छह साल के उच्चतम स्तर 1.23 लाख करोड़ रुपए के करीब पहुंच गया। वृहत आर्थिक मोर्चे पर स्थिरता के कारण यह लगातार पांचवीं मासिक वृद्धि है। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के आंकड़ों से पता चलता है कि यह राशि दिसंबर 2017 के बाद सबसे अधिक है। उस समय यह आंकड़ा 1.25 लाख करोड़ रुपए था। ताजा आंकड़ों में भारतीय इक्विटी, ऋण और मिश्रित प्रतिभूतियों में पी-नोट निवेश शामिल है। पी-नोट पंजीकृत विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) उन विदेशी निवेशकों को जारी करते हैं, जो खुद को सीधे पंजीकृत किए बिना भारतीय शेयर बाजार का हिस्सा बनना चाहते हैं। हालांकि, इसके लिए उन्हें एक कठिन प्रक्रिया से गुजरना होता है। सेबी के आंकड़ों के अनुसार भारतीय बाजारों में इक्विटी, ऋण और मिश्रित प्रतिभूतियों में पी-नोट निवेश का मूल्य जुलाई के अंत में 1,22,805 करोड़ रुपए था, जबकि एक महीने पहले यह आंकड़ा 1,13,291 करोड़ रुपए था। इसके माध्यम से निवेश मई के अंत में 1,04,585 करोड़ रुपए, अप्रैल के ओ खिर में 95,911 करोड़ रुपए, मार्च के ओ खिर में 88,600 करोड़ रुपए, फरवरी के ओ खिर में 88,398 करोड़ रुपए और जनवरी के ओ खिर में 91,469 करोड़ रुपए था। जुलाई के ओ खिर में यह आंकड़ा 1.22 लाख करोड़ रुपए था।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें नहीं बदलीं

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमत के आधार पर ऑयल मार्केटिंग कंपनियां रोज पेट्रोल और डीजल के दाम तय करती हैं। हालांकि, भारतीय तेल कंपनियों ने शनिवार 2 सितंबर को भी पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई समेत देश के विभिन्न शहरों में ईंधन के भाव जस के तस हैं। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.79 रुपए और डीजल 89.96 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 108.65 रुपए और डीजल 93.90 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

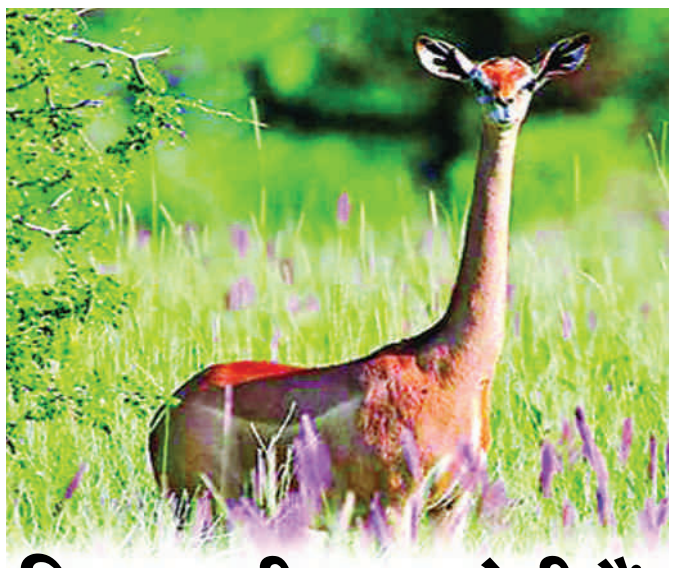

जिराफ की तरह होती हैं गेरेनक की गर्दन

'हॉर्न ऑफ अफ्रीका' के देशों व अफ्रीकन ग्रेट लेक्स में पाया जाने वाला गेरेनक एक ऐसा हिरन है, जो अपनी पतली और लंबी गरदन और छरहरे शरीर के कारण 'जिराफ हिरन' के नाम से जाना जाता है। जब यह किसी पेड़ से सटकर पिछले दो पैरों पर खड़ा होकर उसकी पत्तियां खाता है, तो जिराफ की याद आ जाती है। इसकी लंबाई105 सेंटीमीटर और वजन 52 किलोग्राम तक हो सकती है।

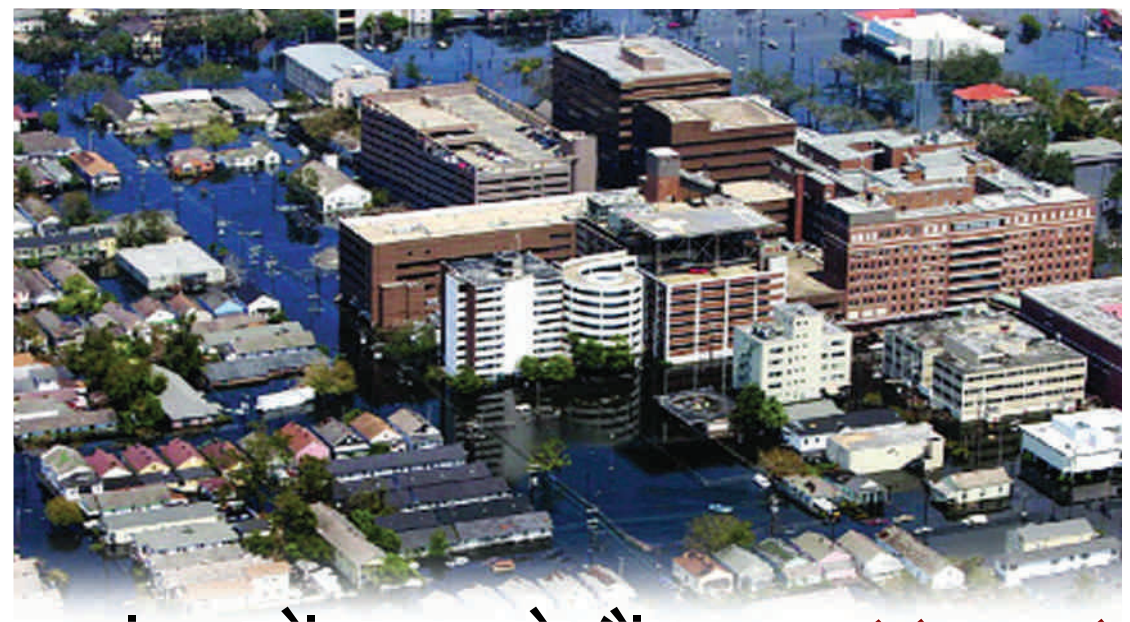

समंदर में डूब रहे हैं दुनिया के ये बड़े शहर

जलवायु परिवर्तन की वजह से पूरी दुनिया में समुद्र का जल स्तर बढ़ रहा है.यही वजह है कि अब समुद्र के बढ़ते जलस्तर की वजह से कई शहरों के अस्तित्व पर ही खतरा मंडराने लगा है.कुछ ऐसे शहर हैं जो अब डूबने की कगार पर पहुंच गए हैं.समुद्र तटीय शहरों में बसे लोगों को इस खतरे का सबसे ज्यादा सामाना करना पड़ रहा है. जलवायु परिवर्तन पर प्रकाशित किए गए अध्ययन में इसका दावा किया गया है. अध्ययन में कहा गया है कि ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन की वजह से पृथ्वी पर मौजूद बर्फ तेजी से पिघल रही है जिससे पूरी दुनिया में समुद्र का स्तर बढ़ता जा रहा है.यही वजह है कि समुद्र के पानी का विस्तार हो रहा है. परिणाम स्वरूप न्यू ऑरलियन्स और जकार्ता जैसे शहरों में समुद्र के स्तर में बहुत तेजी से वृद्धि हो रही है.पानी के बढ़ने के साथ ही इन तटीय शहरों की जमीन डूब रही है.

शोधकर्ताओं की एक अंतरराष्ट्रीय टीम ने अपने अध्ययन में पाया कि समुद्र के बढ़ते स्तर की वजह से डूबती हुई भूमि ने दुनिया भर के तटीय निवासियों को असुरक्षित बना दिया है.इन तटीय शहरों में वैश्विक स्तर के मुकाबले समुद्र तट के जल स्तर में वृद्धि तीन से चार गुणा ज्यादा है.

यूनिवर्सिटी ऑफ ईस्ट एंग्लिया के टिंडाल सेंटर फॉर क्लाइमेट चेंज के अध्ययन के नेतृत्वकर्ता और स्टटी के लेखक रॉबर्ट निकोल्स ने कहा कि हम कोई पूर्वानुमान नहीं बता रहे हैं बल्कि हम जो हो रहा है उसके बारे में बात कर रहे हैं.यह बेहद महत्वपूर्ण और चिंताजनक विषय है.शोध में सिल्वर लाइनिंग का जिक्र करते हुए बताया गया कि जिस तरह मानव गतिविधि की वजह से धरती के एक बड़े हिस्से से भूजल गायब होता जा रहा.तटीय इलाकों में मानवीय गतिविधि की वजह से समुद्र से सटे इलाकों के डूबने का खतरा पैदा हो गया है.

रिसर्च में कहा गया है कि तटीय भूमि के लगातार कम होने के कुछ कारक मानव नियंत्रण से परे हैं.पृथ्वी के कुछ हिस्सों में अभी भी ग्लेशियरों के लुप्त होने से होने वाली समस्या को प्रकृति अपने तरीके से समायोजित कर रही है. लेकिन उन प्राकृतिक प्रक्रियाओं के अलावा, भूजल निकासी, तेल और गैस निकासी, रेत खनन, और नदियों के आसपास बाढ़ अवरोधों के निर्माण

क्लाइमेट सेंट्रल नाम के प्रोजेक्ट ने ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से बढ़ते खतरों पर एक रिपोर्ट तैयार की है। इस रिपोर्ट में हैरान कर देने वाली बात कही गयी है। रिपोर्ट के मुताबिक समुद्री जलस्तर और बाढ़ की वजह से अगले 9 सालों में दुनिया के ये शहर डूब सकते हैं। सिर्फ यही नहीं इस सूची में भारत के कोलकाता शहर का भी नाम शामिल है। चलिए जानते है कि इस रिपोर्ट में किन शहरों के डूबने का खतरा बताया जा रहा है.

(बांध) सहित मानव गतिविधियां जमीन डूबने का कारण बन सकती हैं. उन स्थानों पर जहां लोग केंद्रित हैं, ये गतिविधियां, विशेष रूप से भूजल को खत्म करने, भूमि को और अधिक तेजी से कम करने का कारण बनती है, जो अकेले भूवैज्ञानिक प्रक्रियाओं के माध्यम से होती है.20 वीं शताब्दी में, जकार्ता, न्यू ऑरलियन्स, शंघाई और बैंकाक के तटीय जमीन छह से 10 फीट तक पानी में डूब गए.सैटेलाइट के जरिए इन इलाकों की पैमाइश के अध्ययन से निष्कर्ष निकला कि समुद्री स्तर में वृद्धि प्रति वर्ष लगभग 33 मिलीमीटर (एक इंच के लगभग आठवें हिस्से) हो रही है. शोधकर्ता निकोलस और उनके सहयोगियों ने पाया कि औसतन, पृथ्वी की तटरेखाओं ने वास्तव में 1993 से 2015 के बीच लगभग 26 मिलीमीटर प्रति वर्ष (0.1 इंच) की तुलना में थोड़े कम सापेक्ष लिफ्ट का अनुभव किया है, क्योंकि ग्लेशियल रिबाउंड के कारण भूमि अभी भी बढ़ रही है.लेकिन ऐसा वहां नहीं हो रहा जहां अधिकांश लोग रहते हैं.इसी अवधि में, पृथ्वी के तटीय निवासियों ने समुद्र जल स्तर में औसतन 78 से 9 मिलीमीटर सालाना (लगभग आधा इंच) की वृद्धि देखी है. शोध के मुताबिक यह इस तथ्य को दर्शाता है कि तटीय निवासी तेजी से डूबने वाले क्षेत्रों पर आश्रित हैं जिसमें डूबते हुए डेल्टा और डूबते हुए शहर शामिल हैं.समस्या विशेष रूप से दक्षिण पूर्व एशिया में है, जहां 2015 में, 185 मिलियन लोग तटीय बाढ़ के मैदानों में रहते थे.तटीय इलाकों में रहने वाली लोगों की वैश्विक संख्या के 75 फीसदी लोग इन इलाकों में रहते हैं.ऐसे लोग नदी की बाढ़ और समुद्र के स्तर में वृद्धि दोनों के खतरों का सामना कर रहे हैं.**

कुछ सालों में डूब जाएंगे दुनिया के ये बड़े शहर!

न्यू ओरलिंस, अमेरिका

अमेरिका के न्यू ओरलिंस शहर में नहरों और जलीय शाखाओं का जाल बिछा हुआ है। ये जाल न्यू ओरलिंस शहर को बाढ़ से बचाता है। अगर ये सुरक्षा जाल नहीं होता तो इस शहर में भारी तबाही मच जाती। वहीं अब कहा जा रहा है कि अगर समुद्र का जलस्तर तेजी से बढ़ता है तो इस शहर के लिए खतरा है और ये शहर डूब जाएगा।

एम्स्टर्डम, द नीदरलैंड्स

द नीदरलैंड्स में एम्स्टर्डम, रॉटरडम और हॉग जैसे शहर कम ऊंचाई पर स्थित हैं और ये नॉर्थ सी के बेहद नजदीक हैं। लेकिन रिपोर्ट में कहा गया है कि जिस हिसाब से समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है, उसे देखकर लगता है कि ये शहर भी डूब जाऐंगे। इतना ही नहीं कोई भी डैम, बैरियर, फ्लडगेट इन शहरों को नहीं बचा पाएंगे।

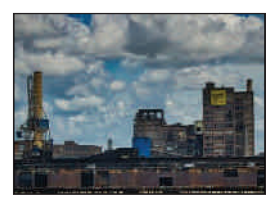

बसरा, इराक

इराक ये शहर शत अल-अरब नाम की बड़ी नदी के किनारे बसा है। ये नदी पारस की खाड़ी से मिलती है। वहीं कई सारी नहरों और बैक वॉटर चैनल के जरिए ये शहर खाड़ी से जुड़ा है। इसकी वजह से इस शहर के आसपास काफी दलदली इलाका भी है। अगर समुद्री जलस्तर बढ़ता है तो इस शहर को खतरा है। बाढ़ आई तो इस शहर में काफी ज्यादा नुकसान हो सकता है। सिर्फ यही नहीं ये नक्शे से खत्म भी हो सकता है।

वेनिस, इटली

इटली का वेनिस शहर पानी के बीच में बसा हुआ है। यहां पर हर साल बाढ़ आती है। सबसे बड़ी बात ये है कि इस शहर में दो तरह का खतरा है। पहला समुद्र का जलस्तर बढ़ना और दूसरा ये शहर अपने आप डूब रहा है। हर साल 2 मिलिमीटर नीचे धंस रहा है। अगर समुद्र का जलस्तर तेजी से बढ़ा तो 2030 तक ये शहर पानी के अंदर डूब जाएगा।

हो ची मिन्ह सिटी, वियतनाम

वियतनाम के पूर्वी इलाके में बसे इस शहर की ऊंचाई समुद्र तल से ज्यादा नहीं है। इस शहर को सबसे बड़ा खतरा मेकॉन्ग डेल्टा से है। इस डेल्टा का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। वैज्ञानिकों को आशंका है कि हो ची मिन्ह सिटी साल 2030 तक पानी के अंदर डूब जाएगा।

ये है दुनिया की सबसे खतरनाक चीटियां

दरअसल कुछ ऐसी चीटियों के बारे में जानकारी प्राप्त हुई है। जोकि फिदायीन हमलावर की तरह अपने अंदर धमाका कर लेती हैं। बिल्कुल सही सुना आपने, दरअसल न्यूयॉर्क टाइम्स ने जनरल जूकीज में छपी स्टडी के मुताबिक ब्रूनेई के बेलालॉन्ग फील्ड स्टडीज सेंटर के सामने पेड़ों के करीब चीटियों के ऐसे कई घर मौजूद हैं। यह चीटियां अपने घर पर हमला होने की सूरत में अपनी जान तक दे देती हैं।

इन चींटियों के अंदर धमाका करने की एक खास प्रवृत्ति मौजूद है। और इसी वजह से इन्हें कोलोबोपसिस एक्सप्लोडेंस कहा जाता है। जब इन चीटियों के घोसले पर हमला या फिर अतिक्रमण कर दिया जाए तो यह चीटियां अपने पेट में धमाका कर लेती हैं। जिसके बाद इन चीटियों के पेट से चिपचिपा, चमकीला, पीला फ्लूइड बाहर निकल आता है। जो कि बहुत ज्यादा जहरीला होता है। ये बिल्कुल उसी तरह है जैसे कि मधुमक्खी डंक मारने के बाद अपने प्राण त्याग देती है उसी तरह यह चीटियां भी अपने घर को बचाने के लिए अपनी जान देने में पीछे नहीं रहती है। इन चींटियों के द्वारा पेट में किया जाने वाला ये धमाका इनके घरों को जरूर बचा लेता है।

धमाका करने वाली चींटियों को एक्सप्लोडेंस नाम से जाना जाता है। जब इनके घर पर हमला होता है तो यह खुद के पेट मे धमाका कर लेती है। इसके पश्चात इनके पेट से जहरीला पिला चमकीला फ्लूइड बाहर निकलने लगता है। जिस प्रकार मधुमक्खी डंक लगाने के बाद मार जाती है ठीक उसी प्रकार ये चींटियां भी अपना घर बचने के लिए खुद को इस धमाके में नष्ट कर लेती है।

दरअसल वैज्ञानिक अपने अंदर धमाका करने वाली इन चीटियों के बारे में पिछले 200 साल से भी ज्यादा वक्त से जानते हैं। और आपको बतादें की साल 1916 में पहली बार इन चींटियों के बारे में बताया गया था। लेकिन साल 1935 से इस समूह की चींटियों को कोई भी आधिकारिक नाम नहीं मिला था।

चीटियों को आप किस वजह से पहचानते हैं। उनकी मेहनत की वजह से, चीटियां अपने धुन की पक्की होती है और चीटियां जब तक अपने काम को पूरा नहीं कर लेती वह रुकती नहीं है। इसके अलावा चीटियों की तारीफ इस वजह से भी की जाती है कि चीटियां इतनी छोटी होने के बावजूद भी अपने से कई गुना वजन को उठा लेती हैं। चीटियों का ये सामाजिक ताना-बाना बड़ा ही कमाल का है। लेकिन चीटियों से जुड़ी हुई एक ऐसी खबर आई है। जिसे जानने के बाद आप हैरान रह जाएंगे।

बच्चो, पहले मुर्गी हुई या अंडा की पहेली तो आप लोग बाद में कभी हल करना, लेकिन आज हम आप को बांग देने वाला पक्षी मुर्गा के बारे में बता रहे हैं। सुबह-सुबह अपने कूंकूडू कूं से सबको जगाने वाला मुर्गा एक ऐसा पक्षी है, जो हमारी संस्कृति में रचा-बसा हुआ है। कहा जाता है कि मुर्गे की उत्पत्ति भारत भूमि पर हुई और यहां से ही पूरी दुनिया में मुर्गे को इंसान ले गया।

बांग देने वाला पक्षी मुर्गा

आज मुर्गे की जितनी भी नस्लें सारे संसार में हैं, वे सब लाल जंगली मुर्गे गैलस की वंशज हैं। यह अलग बात है कि आज लाल जंगली मुर्गा विलुप्त होने के कगार पर है। वैज्ञानिक रिसर्च के अनुसार मुर्गे और मानव जीवन में काफी समानताएं हैं। मानव और मुर्गे के जीनोम में से 50 फीसदी जीन आपस में मिलते हैं। मुर्गे को पालतू बनाने के कारणों में से प्रमुख है इनकी दिलचस्प लड़ाई। ऐसा माना जाता है कि मुर्गा काफी साहसी होता है। इस साहसी गुण के कारण ही इसको पालतू बनाया गया। इंसान में बहादुरी के कोई 20 लक्षणों की यदि लिस्ट बनाई जाए तो उसमें से चार गुण मुर्गे से जरूर मिल जाएंगे।

जब मुर्गे को पालतू बनाया गया तो इसके बारे में काफी कुछ लिखा गया। एक ऐसा पक्षी जिसके माथे पर चटक लाल रंग की कलगी और शरीर खूबसूरत लाल-काले, हरे, किंतु चमकदार पंखों से ढंका हुआ होता है। जब वह मिस्र के राज दरबार में पहली दफा पहुंचा तो उसे देखने वालों की खासी भीड़ जुटी। ऐसा माना जाता है कि लाल जंगली मुर्गे को सबसे पहले मोहनजोदड़ो और हड़प्पा में 2500-2100 ईसा पूर्व पालतू बनाया। इस दौर के बनाए चित्रों में मुर्गा दिखाई देता है। यहां अनेक मिट्टी के खिलौनों में भी नर और मादा मुर्गे को दिखाया गया है।

बिना सांस लिए भी जिंदा रहता है यह जीव

सांस लिए बिना कोई भी जीव-जंतु या इंसान की जिंदा रहना बेहद ही मुश्किल है। इस बात को हम सभी जानते हैं कि सांस के माध्यम से बिना ऑक्सीजन गैस लिए कोई जिंदा नहीं रह सकता है। लेकिन हाल ही में वैज्ञानिकों को एक ऐसा रहस्यमयी जीव (परजीवी) मिला है, जो बिना सांस लिए भी धरती पर जिंदा है। यह दुनिया का पहला ऐसा जीव है, जिसके अंदर ये अनोखी विशेषता है। बता दें कि जेलीफिश की तरह दिखने वाले इस बहुकोशिकीय परजीवी में माइट्रोकॉन्ड्रियल जीनोम नहीं है। किसी भी जीव को सांस लेने के लिए माइट्रोकॉन्ड्रियल जीनोम बेहद ही जरूरी होता है। इन्हीं वजहों से इस परजीवी को जिंदा रहने के लिए ऑक्सीजन की जरूरत नहीं पड़ती। इजरायल की तेल-अवीव यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं की टीम ने इस अद्भुत और रहस्यमय परजीवी की खोज की है। शोधकर्ताओं के मुताबिक, यह परजीवी मछलियों से ऊर्जा प्राप्त करता है। लेकिन इस दौरान वो उन्हें किसी तरह का कोई नुकसान नहीं पहुंचाता। खास बात ये है कि मछलियां भी इस परजीवी को नुकसान नहीं पहुंचाती हैं। ये परजीवी साल्मन फिश में पाए जाते हैं और ये तब तक जिंदा रहते हैं, जब तक कि मछली जिंदा रहती है। इस जीव का वैज्ञानिक नाम हेन्नीगुया साल्मिनीकोला है। शोध के प्रमुख डयाना याहलोमी ने बताया कि यह जीव इंसानों या दूसरे जीवों के लिए बिल्कुल भी नुकसानदायक नहीं है। हालांकि, यह अब तक रहस्य ही बना हुआ है कि आखिर इस तरह का जीव पृथ्वी पर विकसित कैसे हुआ, जो बिना ऑक्सीजन के भी जिंदा रह सकता है। शोध के दौरान वैज्ञानिकों ने इस परजीवी को फ्लोरेसेंस माइक्रोस्कोप से देखा, जिसमें उन्हें माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए नहीं दिखा। इसके बाद यह स्थिति साफ हो गई कि यह दुनिया का पहला ऐसा जीव है, जिसे जीने के लिए सांस लेना जरूरी नहीं है। हालांकि, साल 2010 में भी इटली के शोधकर्ताओं को इसी तरह का एक जीव मिला था, जिसमें साफतौर पर माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए नहीं दिखा था। उसकी ऊर्जा का स्रोत हाइड्रोजन सल्फाइड था। लेकिन नए मिले इस जीव को तो हाइड्रोजन सल्फाइड की भी जरूरत नहीं है।

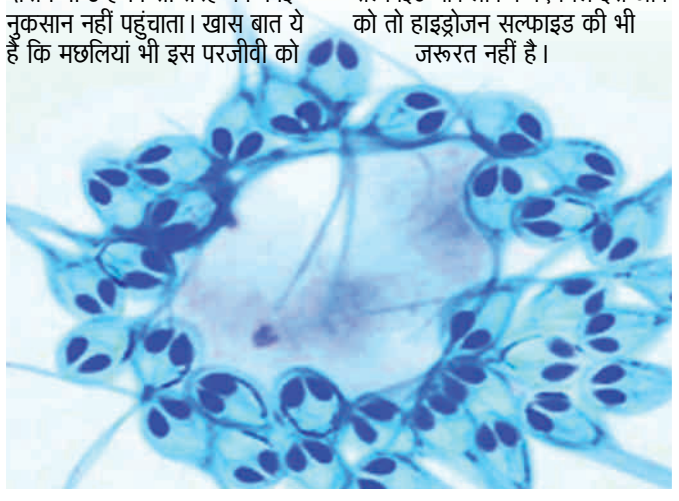

हाथी और चूहा

एक बहुत घना जंगल था। इतना कि उसमें सूर्य की किरणें भी नहीं पहुंच पाती थीं। इस जंगल में तरह-तरह के भयानक जानवर थे। सभी सुख-चैन से रह रहे थे। एक दिन उस घने और भयानक जंगल में एक हाथी आ पहुंचा। देखने में पहाड़ जैसा ऊंचा और शक्तिवान। जब वह चलता, तो सारे जानवर उसे छिपकर देखते थे। उसके चिंघाड़ने से जंगल में भगदड़ मच जाती थी। बड़े जानवर छिप जाते और छोटे जानवर अपनी मांदों में दुबक जाते। जंगल के जानवरों का सुख-चैन छिन गया।

यह देख, हाथी बहुत परेशान रहने लगा। उसकी समझ में कुछ नहीं आ रहा था। वह तो उन्हें दोस्त बनाने के लिए प्यार से आवाज लगाता था, पर होता उलटा ही था। उसकी समझ में नहीं आ रहा था कि आखिर उसमें कौन सी बुरी आदत है? वह रात-दिन यही सोचने लगा।

एक दिन हाथी उदास मन से धीरे-धीरे घूम रहा था। जब वह जंगल के एक पुराने बरगद के नीचे पहुंचा, तो उसे एक चीख सुनाई पड़ी। कोई चिल्ला रहा था, बचाओ-बचाओ! हाथी ने सिर उठाकर देखा, एक नन्हा सा चूहा पेड़ की टहनियों में उलझा चिल्ला रहा था। हाथी बोला, घबराओ नहीं, मैं अभी तुम्हें बचाता हूं। हाथी को देखकर पहले तो चूहा कुछ डरा। लेकिन मरता क्या न करता! चूहा डर भूल गया और हाथी को डबडबाई आंखों से देखने लगा। हाथी ने अपनी सूंड ऊपर उठा दी और चूहा उस पर बैठकर नीचे उतर आया।

नीचे आते ही चूहा तेजी से भाग गया। उसने पीछे मुड़कर भी नहीं देखा। बेचारे हाथी ने तो सोचा था कि चूहा ही उसका दोस्त बनेगा, पर वह भी भाग गया। अब हाथी को विश्वास हो गया कि उसका कोई भी दोस्त नहीं बन सकता। यह सोचकर वह रोने लगा।

लेकिन थोड़ी ही देर में चिड़ियों का मधुर गाना उसे सुनाई पड़ने लगा। ऐसा गाना उसने इस जंगल में पहले कभी नहीं सुना था। देखते ही देखते जंगल के सारे जानवर हाथी के चारों तरफ एक घेरा बनाकर नाचने-गाने लगे। कोई सीटी बजा रहा था, तो बंदर ढोल पीट रहा था। शेर सुरीली आवाज में गा रहा था। हाथी को यह सब एक सपने की तरह लग रहा था। हाथी ने हैरानी से देखा, झुंड में वही चूहा सबसे आगे था, जिसे हाथी ने बचाया था।

उस छोटे चूहे ने कहा, आज तुमने मुझे बचाया है। तुम बहुत ही अच्छे हो। शरीर से चाहे कितने ही बड़े हो, परंतु तुम्हारा दिल दया और प्रेम से भरा हुआ है। आज से तुम हम सबके दोस्त हो और हम सब तुम्हारे। हाथी ने उन्हें बताया कि असल में उसका जोर से बोलने का मतलब जानवरों को डराना और नुकसान पहुंचाना नहीं था, बल्कि दोस्त बनाना था। अब हाथी भी उस नाच-गाने में शामिल हो गया। सारे जानवर और भी झूम-झूमकर नाचने लगे। हाथी फिर कभी इतने जोर से नहीं चिल्लाया।

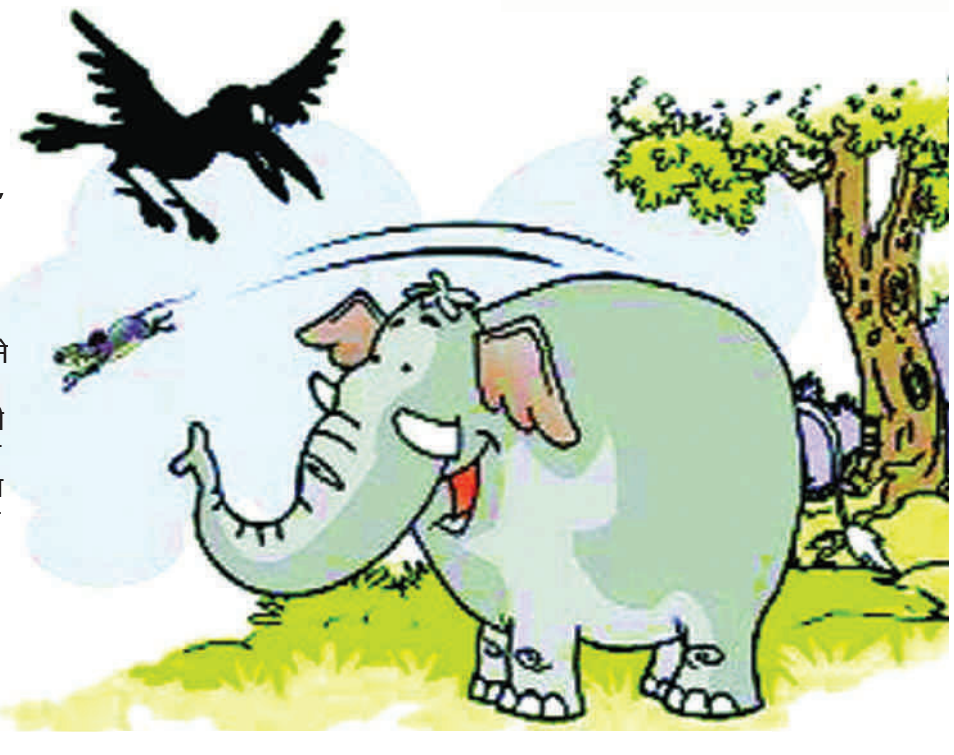

बांग्लादेश की नजरें अफगानिस्तान के खिलाफ जीत दर्ज करने पर

लाहौर (एजेंसी)। एशिया कप एकदिवसीय टूर्नामेंट के अपने पहले मुकाबले में लचर बल्लेबाजी के कारण शिकस्त का सामना करने वाली बांग्लादेश की टीम जब अफगानिस्तान के खिलाफ रविवार को लीग चरण के अपने दूसरे मैच के लिए अफगानिस्तान के खिलाफ यहां मैदान में उतरेगी तो उसकी कोशिश जीत दर्ज कर सुपर फोर चरण की दौड़ में बने रहने की होगी। इस मैच में हार से बांग्लादेश पर टूर्नामेंट से बाहर होने का खतरा रहेगा।

श्रीलंका के खिलाफ टीम पालेकल के मैदान पर महज 164 रन पर आउट हो गई। नजमुल हसन शंटो (122 गेंद में 89 रन) के अलावा कोई अन्य बल्लेबाज योगदान देने में विफल रहा। कप्तान शाकिब अल हसन से टीम को बल्ले से योगदान की उम्मीदें थी लेकिन वह टीम के खिलाड़ियों को प्रेरित करने में नाकाम रहे। अफगानिस्तान के खिलाफ उन्हें हालांकि मध्यक्रम में अपनी भूमिका को अच्छे से निभानी होगी। इस विभाग में वह अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज मुशफिकुर रहीम से जिम्मेदारी साझा करने की उम्मीद करेंगे।

युवा सलामी बल्लेबाजों मोहम्मद नईम और तंजीद हसन को टीम को बेहतर शुरुआत दिलानी होगी। गेंदबाजी की बात करें तो पिछले मैच में तस्कीन अहमद प्रभावशाली लगे थे लेकिन शरीफुल इस्लाम की गेंदों में पैनापन की कमी दिखी थी। शाकिब ने हालांकि गेंदबाजी में प्रभावित करते हुए अपने 10 ओवर में 29 रन देकर दो विकेट लिये थे। वह इस लय को अफगानिस्तान के खिलाफ जारी रखना चाहेंगे। बल्लेबाजों ने स्कोरबोर्ड पर बड़ा स्कोर खड़ा नहीं किया जिससे मुस्तफिजुर रहमान, मेहदी हसन मेराज और मेहदी हसन जैसे गेंदबाजों के पास श्रीलंका के बल्लेबाजों पर दबाव बनाने का मौका नहीं था। अफगानिस्तान की टीम का यह टूर्नामेंट में पहला मैच है।

टीम को इससे पहले पाकिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला में 0-3 से शिकस्त मिली थी। टीम का हौसला हालांकि इस बात से बढ़ा होगा कि उन्होंने इस साल जून-जुलाई में बांग्लादेश को 2-1 से हराया था। बांग्लादेश ने एकदिवसीय श्रृंखला में हार का बदला टी20 श्रृंखला में अफगानिस्तान को 0-2 से हराकर लिया था। रहमानुल्लाह गुरबाज पिछले कुछ समय से वनडे क्रिकेट में शानदार लय में हैं। उन्होंने हाल ही में खेली गई एकदिवसीय श्रृंखला में पाकिस्तान और बांग्लादेश दोनों के खिलाफ शतक लगाए है।

इसके अलावा ऑफ स्पिनर मुजीब उर रहमान अफगानिस्तान के लिए लगातार विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे हैं। वह इस मैच में टीम के लिए घातक हथियार साबित हो सकते हैं। हाल ही में कप्तानी गंवाने के बाद अफगानिस्तान के स्टार लेग स्पिनर राशिद खान भी एशिया कप में खुद को साबित करने के लिए उत्सुक होंगे। वह गेंद के साथ बल्लेबाजी के निचले क्रम में तेजी से रन बनाने की कुव्वत रखते है।

अफगानिस्तान के कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी भी बांग्लादेश के खिलाफ इस मैच में अपनी बल्लेबाजी को साबित करना चाहेंगे। जहां शाहिदी, इब्राहिम जादरान, गुरबाज, नजीबुल्लाह जादरान और अनुभवी मोहम्मद नबी बल्लेबाजी विभाग में अफगानिस्तान के लिए महत्वपूर्ण होंगे, वहीं गेंदबाजी इकाई राशिद, फजलहक फारूकी, मुजीब और नूर अहमद के कंधों पर होगी।

टीमें

बांग्लादेश : अनामुल हक, मोहम्मद नईम, मुशफिकुर रहीम, नजमुल हसन शंटो, तंजीद हसन, तौहीद हृदय, शाकिब अल हसन, अफीफ हुसैन, महेदी हसन, मेहदी हसन मिराज, शमीम हुसैन, हसन महमूद, मुस्तफिजुर रहमान, नसुम अहमद, शरीफुल इस्लाम, तंजीम हसन साकिब, तस्कीन अहमद।

अफगानिस्तान: हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), इब्राहिम जादरान, इकराम अलीखिल, नजीबुल्लाह जादरान, रहमानुल्लाह गुरबाज, रियाज हसन, गुलबदीन नायब, करीम जनत, मोहम्मद नबी, रहमत शाह, राशिद खान, शराफुद्दीन अशरफ, अब्दुल रहमान, फजलहक फारूकी, मोहम्मद सलीम, मुजीब उर रहमान, नूर अहमद।

अमेरिकी ओपन : हमवतन जेरे को हराकर प्री-क्वार्टरफाइनल में पहुंचे नोवाक जोकोविच

न्यूयार्क (एजेंसी)। सर्बिया के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने अमेरिकी ओपन के तीसरे दौर में शनिवार को पिछड़कर वापसी करते हुए अपने हमवतन लासलो जेरे को 3-2 से मात दी। जोकोविच ने तीन घंटे 45 मिनट तक चले पांच सेट के मुकाबले में जेरे को 4-6, 4-6, 6-1, 6-1, 6-3 से हराया।

जोकोविच ने इस कठिन जीत के बाद कहा, 'अविश्वसनीय। लगभग दो बज चुके हैं, लेकिन बड़ी संख्या में लोग रुके हैं। मुझे उम्मीद है कि (प्रशंसकों) ने मैच का आनंद लिया, लेकिन यह निश्चित रूप से मेरे लिए उतना आनंददायक नहीं था, खासकर पहले दो सेटों में। यह कई वर्षों में यहां खेले गए मेरे सबसे कठिन मैचों में से एक था। बेहतरीन टेनिस खेलने के लिए लासलो को बहुत श्रेय जाता है।'

मैच के शुरुआती 90 मिनटों में जेरे ने लंबी रैलियों में बढ़त बनाए रखी। उन्होंने बेसलाइन से निडर और तेज़तरार हिटिंग करते हुए अक्सर जोकोविच के पीछे धकेलकर उनका संतुलन बिगाड़ा। अपना चौथा अमेरिकी ओपन खिताब तलाश रहे जोकोविच ने तीसरे सेट में तेजी से अपना स्तर बढ़ाया और जेरे के फोरहैंड से गलतियां करवाते हुए मुकाबला अपने पक्ष में किया। मैच का रुख तब बदला जब जोकोविच ने तीसरे सेट में 26 शॉट की रोमांचक रैली जीतकर पहली बार 1-0 से सर्विस तोड़ी।

इसके बाद सर्बियाई दिग्गज ने अपने हाथ हवा में उठाकर न्यूयॉर्क की भीड़ से समर्थन मांगा और अगले दो सेट सिफ 'दो गेम गंवाकर जीते। आखिरी सेट में जोकोविच ने जेरे के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के बावजूद शानदार डिफेंस दिखाया और अपनी सर्विस पर मुकाबला जीत लिया।

जोकोविच ने कहा, 'अगर वह थक भी रहा था तो इससे उसके खेल पर कोई फर्क नहीं पड़ा। मुझे लगता है कि उसने शायद तीसरे और चौथे की तुलना में पांचवें सेट में बेहतर खेला क्योंकि उसने गेंद को स्विंग कराना शुरू ही किया था। उसने ब्रेक पॉइंट पर पीछे होने के बावजूद बहुत अच्छी सर्विस की।' अगले दौर में जोकोविच का सामना क्रोएशिया के क्वालीफायर बोर्ना गोजो से होगा जो तीसरे दौर में चेक गणराज्य के जिरी वेस्ली को 6-4, 6-3, 6-2 से हराकर आ रहे हैं।

हॉकी 5एस विश्व कप क्वालीफायर : रहील के दम पर फाइनल में पहुंचा भारत

सलालाह (ओमान) (एजेंसी)। भारत ने मोहम्मद रहील के दम पर एशियाई पुरुष हॉकी 5एस विश्व कप क्वालीफायर के सेमीफाइनल में शनिवार को मलेशिया को 10-4 से रौंदकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। रहील (नौवां, 16वां, 24वां, 28वां मिनट) ने इस महत्वपूर्ण मुकाबले में भारत के लिए चार गोल किए।

मनिंदर सिंह (दूसरा मिनट), पवन राजभर (13वां मिनट), सुखविंदर (21वां मिनट), मनदीप मोर (22वां मिनट), जुगराज सिंह (23वां मिनट) और गुरजोत सिंह (29वां मिनट) ने भारत की जीत में एक-एक गोल का योगदान दिया। मलेशिया की ओर से अखीमुल्लाह अनवर (सातवां, 19वां मिनट) ने दो गोल किए, जबकि अबू इस्माइल (चौथा मिनट) और दीन मोहम्मद (19वां मिनट) ने एक-एक गोल किया। फाइनल में भारत का मुकाबला आज शाम 07:30 बजे पाकिस्तान से होगा।

जॉनी बेयरस्टो और हैरी ब्रूक ने खेली धमाकेदार पारी, खिलाड़ियों के अर्धशतक की बदौलत मिली इंग्लैंड को बड़ी जीत

मैनचेस्टर। (एजेंसी)। सलामी बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो और मध्यक्रम के बल्लेबाज हैरी ब्रूक के अर्धशतकों के बाद गस एटकिंसन के अपने पदार्पण मैच में चार विकेट की मदद से इंग्लैंड ने शुक्रवार को यहां दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में न्यूजीलैंड को 95 रन से करारी शिकस्त दी। बेयरस्टो ने 60 गेंदों पर नाबाद 86 रन बनाए जबकि ब्रूक ने 36 गेंदों पर 67 रन की तूफानी पारी खेलकर विश्वकप की टीम में जगह बनाने के लिए अपना मजबूत दावा पेश किया।

इन दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 131 रन की साझेदारी की मदद से इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए चार विकेट पर 198 रन बनाए। न्यूजीलैंड की टीम इसके जवाब में 13.5 ओवर में 103 रन पर आउट हो गई। इस तरह से इंग्लैंड ने चार मैचों की श्रृंखला में 2-0 से बढ़त हासिल कर ली। इंग्लैंड ने डरहम में खेले गए पहले मैच में सात विकेट से जीत दर्ज की थी।

न्यूजीलैंड के केवल तीन बल्लेबाज दोहरे अंक में पहुंचे जिनमें से टिम सीफर्ट ने सर्वाधिक 39 रन बनाए। इंग्लैंड की तरफ से अपना पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच खेल रहे तेज गेंदबाज एटकिंसन ने 20 रन देकर चार विकेट लिए जबकि स्पिनर आदिल राशिद ने 18 रन देकर दो विकेट हासिल किए। तीसरा मैच रविवार को एजबेस्टन में खेला जाएगा।

इंडो-नेपाल स्केटिंग चैंपियनशिप में 11 साल के आदित्य ने जीते 2 गोल्ड

अलीगढ़ ।उत्तर प्रदेश के जिला अलीगढ़ के सेंटर पॉइंट इलाके पर रहने वाले मात्र 11 साल के आदित्य भारद्वाज ने अपने जिले, प्रदेश और देश का मान बढ़ाया है। सातवीं कक्षा के आदित्य ने इतनी कम उम्र में कई नेशनल और इंटरनेशनल स्केटिंग चैंपियनशिप में गोल्ड, ब्रॉज, और सिल्वर मेडल जीते हैं। आदित्य बचपन से ही स्केटिंग करने का शौक रखा है, और वह मात्र 6 साल की उम्र से स्केटिंग की शुरुआत की। इस छोटी उम्र में ही वह नेशनल और इंटरनेशनल स्केटिंग चैंपियनशिप में बड़े प्रतिष्ठित पुरस्कार जीतकर अपने जिले और देश का नाम रोशन किया है।

एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी को लेकर उत्साहित हैं : सविता

नई दिल्ली । भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सविता पूनिया ने कहा है कि 27 अक्टूबर से रांची में होने वाली एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी को लेकर टीम उत्साहित है। महिला एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी 27 अक्टूबर से पांच नवंबर के तक खेली जाएगी। देश में पहली बार होने वाले इस टूर्नामेंट का सभी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। सविता ने कहा, भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान होने के कारण मैं यह जानकर बेहद खुश हूं कि महिलाओं के लिए एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी रांची में होने वाली है। उन्होंने कहा, यह घोषणा साबित करती है कि महिला हॉकी ने न केवल भारत में बल्कि पूरे एशिया में सफलता हासिल की है। इतने अहम मंच पर अपने देश का प्रतिनिधित्व करना हमें बेहद गर्व से भर देता है। इस टूर्नामेंट के सातवें संस्करण में जापान, कोरिया, चीन, मलेशिया, थाईलैंड भी भाग लेंगी। सविता ने कहा, रांची में हमारे घरेलू दर्शकों के सामने प्रतिस्पर्धा करना बेशक एक शानदार अनुभव होगा। हमारे प्रशंसकों की ऊर्जा, समर्थन और उत्साह हमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिये प्रेरित करते हैं। हम भारतीय महिला हॉकी को परिभाषित करने वाले अपने कौशल, दृढ़ संकल्प और सामूहिक भावना का प्रदर्शन करने के लिये उत्सुक हैं। भारतीय महिला हॉकी टीम अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपने हालिया असाधारण प्रदर्शन से सुर्खियां बटोरती आयी है और आगामी टूर्नामेंट उनके लिये शानदार प्रदर्शन करने का एक और मौका है। सविता ने कहा, हम इस अवसर का अधिकतम लाभ उठाने और अपना प्रभाव दिखाने का पूरा प्रयास कोशिश करेंगे।

मैच से पहले विराट ने पाकिस्तानी गेंदबाज हारिस रऊफ को लगाया गले

-सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो

पालेकल (एजेंसी)। भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हारिस रऊफ के पास जाकर उन्हें गले लगाते हैं और फिर आपस में कुछ बातें करके हंसने लगाते हैं। भारत और पाकिस्तान को क्रिकेट के मैदान पर चिर प्रतिद्वंदी माना जाता है लेकिन इन दोनों देशों के खिलाड़ियों के बीच अच्छे संबंध रहे हैं जिसकी एक बानगी कोहली और रऊफ की मुलाकात ने पेश की। कोहली ने बाद में पाकिस्तान के उपकप्तान शादाब खान से भी मुलाकात कर उनके साथ कुछ पल बिताए।

यही नहीं भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने रऊफ के साथ पालेकल की पिच को लेकर चर्चा की। भारत और पाकिस्तान के खिलाड़ियों के बीच इस तरह की मुलाकात के वीडियो को सोशल मीडिया पर काफी सराहा गया है। यह 80 और 90 के दशक के किसी क्रिकेट प्रेमी के लिए हैरानी भरा दृश्य हो सकता है क्योंकि तब इन दोनों देशों के क्रिकेटर सार्वजनिक तौर पर एक दूसरे से मिलने से कतराते थे। यह अलग बात है कि पर्दे के पीछे उनके बीच अच्छे संबंध थे। इमरान और वसीम अकरम व्यक्तिगत आमंत्रण पर नई दिल्ली या मुंबई आते रहते थे। इतना ही नहीं दुबई के होटलों में उनके बीच अच्छी गपशप चलती रहती थी। लेकिन ऐसा वे सार्वजनिक तौर पर नहीं करते थे। लेकिन लगता है कि खिलाड़ियों की इस पीढ़ी ने समझ लिया है कि क्रिकेट महज एक खेल है या फिर वे इतने साहसी हो गए हैं कि इस तरह के मामलों में खुद निर्णय ले सकते हैं। कोहली जब खराब दौर से गुजर रहे थे, तब पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने ट्विटर पर और उनके समर्थन में संदेश जारी किया था। सोशल मीडिया पर कोहली और बाबर में सर्वश्रेष्ठ कौन जैसे मसले पर प्रशंसकों के बीच भले ही तीखी प्रतिक्रिया चलती रही हो लेकिन ये दोनों खिलाड़ी इससे अछूते रहे हैं। कोहली ने हाल में पाकिस्तानी कप्तान को वर्तमान समय में सभी प्रारूपों का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी करार दिया था जबकि बाबर से संवाददाता सम्मेलन में अक्सर कोहली से प्रतिद्वंदिता के बारे में पूछा जाता है।

भारत ने बांग्लादेश को हराकर सैफ अंडर 16 अभियान का किया आगाज

थिम्पू। भारत की अंडर 16 पुरूष टीम ने बांग्लादेश को 1.0 से हराकर सैफ अंडर 16 फुटबॉल चैम्पियनशिप में जीत के साथ आगाज किया। अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रही कोच इशफाक अहमद की भारतीय टीम को बांग्लादेश के गोलकीपर नाहिदुल इस्लाम ने खुलकर नहीं खेलने दिया। थोंगाम्बा सिंह उशाम ने विजयी गोल 74वें मिनट में दागा। भारत ने आक्रामक शुरूआत की और विशाल यादव ने पहले हाफ में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 14वें मिनट में भरत लालरेंजाम को गेंद सौंपी जिसके प्रयास को इस्लाम ने बचा लिया। बांग्लादेश को भी कई मौके मिले लेकिन उन्हें वे फिनिश नहीं कर सके। दूसरे हाफ में भी भारत ने आक्रमण जारी रखा और 74वें मिनट में कामयाबी भी मिली। स्थानापन्न खिलाड़ी मनभाकुपार एम ने विरोधी से गेंद छीनकर गोल पर दागी लेकिन इस्लाम ने उसे बचा लिया। इस बीच उशाम ने मुस्तैदी दिखाते हुए रिबाउंड पर गोल किया। भारत को अब चार दिन का विश्राम मिला है और छह सितंबर को दूसरे ग्रुप मैच में नेपाल से सामना होगा। भूटान, पाकिस्तान और मालदीव ग्रुप बी में है । शीर्ष दो दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेगी।

मिचेल मार्श को फल गई कप्तानी, दक्षिण अफ्रीका खिलाफ जीती सीरिज

पालेकल(एजेंसी)। सिडनी (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के नए कप्तान मिचेल मार्श ने आखिरकार दक्षिण अफ्रीका टीम के खिलाफ 3 टी20 मैचों की सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त बना ली। पहले बल्लेबाजी करते हुए दक्षिण अफ्रीकी टीम ने 164 रन बनाए थे। जवाब में मैथ्यू शॉर्ट और मिचेल मार्श ने ताबड़तोड़ पारियां खेलकर अपनी टीम को जीत दिला दी। मैच जीत जीतने के बाद ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने कहा कि वास्तव में लड़कों पर गर्व है। मेरे समय में, दक्षिण अफ्रीका में खेलते हुए सीरीज जीतना मुश्किल होता है, इसकारण हम इसका जश्न मनाएंगे।

मार्श ने कहा कि आज की गेम गेंदबाजों ने तैयार की थी। नए लोगों के लिए यह स्पष्ट रूप से कठिन है। स्पेंसर को आज रात आराम करना पड़ा क्योंकि कुछ लोग वापस आ रहे थे। ड्रेसिंग रूम में बेहरेनडोर्फ जैसे अनुभवी लोगों का होना बहुत अच्छा है। हम निश्चित रूप से रविवार को उठेंगे और घूमेंगे, मुझे लगता है कि यह एक दिन का खेल है। दोनों टीमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगी।

वहीं,तीन टी20मैचों की सीरीज गंवाने पर दक्षिण अफ्रीकी कप्तान एडेन मार्कराम ने कहा कि हमने शानदार शुरुआत की, लेकिन फिर विकेट गिरने से चुनौती बढ़ गई।

किर्स्टी ने पूर्व विंबलडन चैंपियन रिबाकिना को हराया

न्यूयॉर्क। रोमानिया की सोराना किर्स्टी ने कड़े संघर्ष में यूएस ओपन में 2022 विंबलडन चैंपियन ऐलेना रिबाकिना को हराकर बड़ा उलटफेर किया। रिपोर्ट के अनुसार, 30वीं वरीयता प्राप्त किर्स्टी ने चौथी वरीयता प्राप्त के खिलाफ 0-2 के रिकॉर्ड को सुधारा और पहली बार न्यूयॉर्क में चौथे दौर में पहुंच गईं। किर्स्टी ने कहा, मैं आज की जीत से बहुत-बहुत खुश हूं। मैं पहले भी उसके खिलाफ दो बार हार चुकी हूं, और वह एक बहुत अच्छी खिलाड़ी है, दुनिया में नंबर 4, और मुझे पता था कि यह एक कठिन लड़ाई होने वाली थी। लेकिन मैं इस मैच को जीतकर बहुत खुश हूं। यह मेरे लिए बहुत अच्छा पल है।

33 वर्षीय खिलाड़ी यूएस ओपन (2020, 2019, 2009) में तीसरे दौर के मैचों में 0-3 से पीछे थी और मार्च में मियामी सेमीफाइनल के बाद से उसने शीर्ष 5 खिलाड़ी को नहीं हराया था। लेकिन आक्रामक गेम प्लान से लैस और लुई आर्मस्ट्रांग स्टेडियम की उत्साही भीड़ के सामने, जिसमें सील भी शामिल थी, किर्स्टी ने अपने करियर की सबसे बड़ी जीत में से एक हासिल की। उन्होंने कहा, मैं कई सालों से खेल रही हूं और यह सबसे अच्छी भीड़ थी जिसके सामने मैंने कभी खेला है, इसलिए धन्यवाद।

मैच के चौथे गेम में किर्स्टी ने सर्विस तोड़ी और फिर पहला सेट अपने नाम कर लिया। चौथी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने 30 विनर्स के साथ 56 बेजां भूलें कीं। लेकिन किर्स्टी को श्रेय जाना चाहिए, जो 2023 ऑस्ट्रेलियन ओपन फाइनलिस्ट के खिलाफ पीछे नहीं हटीं। किर्स्टी ने मैच में कुल 33 विनर्स लगाए और 42 बेजां भूलें कीं। किर्स्टी 2022 ऑस्ट्रेलियन ओपन के बाद अपने पहले ग्रैंड स्लैम चौथे दौर में पहुँच गयी हैं जो कुल मिलाकर उनका चौथा है। किर्स्टी अपने दूसरे ग्रैंड स्लैम क्वार्टरफाइनल में पहुंचने की कोशिश करेंगी। 19 वर्षीय हाई स्कूल छात्रा के रूप में, वह 2009 में रौलां गैरो क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं और ऑस्ट्रेलिया के सैम स्टोसुर से हार गईं।

भारतीय महिला फुटबॉल टीम के पास वैश्विक स्तर पर प्रगति करने का बेहतर मौका : एआईएफएफ प्रमुख

ज्यूरिख (एजेंसी)। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) अध्यक्ष कल्याण चौबे को लगता है कि देश में महिलाओं के खेल में अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में प्रगति करने का 'बेहतर मौका' है और कहा कि कुछ और प्रयासों से सीनियर टीम फीफा विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर सकती है। पूर्व भारतीय खिलाड़ी चौबे एआईएफएफ अध्यक्ष के तौर पर एक साल पूरा कर चुके हैं और जब से उन्होंने यह जिम्मेदारी संभाली तब से वह महिलाओं के फुटबॉल के स्तर को सुधारने के लिए प्रयास कर रहे हैं।

चौबे ने एआईएफएफ की वेबसाइट से कहा, ''मैं सुनिश्चित करना चाहता हूं कि महिलाओं की फुटबॉल को वो सारी सुविधायें मिलें जो भारत में पुरुष फुटबॉल को मिलती है और मैं सच में मानता हूं कि हमारे पास महिलाओं के फुटबॉल में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रगति करने का बेहतर मौका है।''

उन्होंने कहा, ''फीफा विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने के लिहाज से हमारी महिला फुटबॉल टीम पुरुष टीम की तुलना में आगे है। महिला टीम एशिया में 11वीं रैंकिंग पर काबिज है। अगर हम थोड़ा बेहतर करें तो हम फीफा महिला विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर सकते हैं।'' भारत ने हाल में अंडर-17 महिला विश्व कप की मेजबानी की है और हाल में सीनियर एशियाई कप से देश में महिला फुटबॉल का मनोबल बढ़ेगा।

पाकिस्तानी सेना ने बलूचिस्तान में आठ आतंकियों को मार गिराया

बलूचिस्तान । पाकिस्तान की आतंकवाद रोधी विभाग सीटीडी ने बलूचिस्तान में आठ आतंकियों को मार गिराया है। यह कार्रवाई पिछले 24 घंटों के दौरान बलूचिस्तान प्रांत में अलग-अलग अभियानों के दौरान की गई। रिपोर्ट के मुताबिक, सुरक्षा बलों ने सूचना मिलने पर वाशुक जिले के एक कस्बे और तहसील मुख्यालय बसिमा में एक घर पर छापा मारा। इस दौरान हुई मुठभेड़ में पांच आतंकी मारे गए, जबकि तीन अन्य फरार होने में कामयाब रहे। मुठभेड़ स्थल की तलाशी के दौरान सीटीडी ने बड़ी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद जब्त किया। मृतकों की पहचान की जा रही है। सीटीडी के प्रवक्ता ने कहा कि क्वेटा में एक अन्य ऑपरेशन में उन्होंने एक बच्चे का अपहरण करने वाले तीन लोगों को मार डाला और बच्चे को सुरक्षित रूप से बरामद किया। मारे गए लोग गैरकानूनी संगठन के सदस्य बताए जा रहे हैं। आतंकियों ने फिरौती के लिए बच्चे का अपहरण किया था। सीटीडी ने उनके ठिकाने से बड़ी संख्या में हथियार और गोला-बारूद जब्त किया था। सेना की मीडिया मामलों की शाखा के अनुसार, पिछले महीने पाकिस्तान में सुरक्षा बलों ने देश के दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत में चीनी श्रमिकों के एक काफिले पर हमला करने वाले दो बंदूकधारियों को मार गिराया था।

अमेरिका- दक्षिण कोरिया सैन्य अभ्यास के बाद नार्थ कोरिया ने समुद्र में दागीं क्रूज मिसाइलें

सियोल। नार्थ कोरिया ने अमेरिकी व दक्षिण कोरियाई सेना के संयुक्त सैन्य अभ्यास के जवाब में शनिवार को समुद्र में कई क्रूज मिसाइलें दागीं। दक्षिण कोरियाई सेना ने यह दावा किया। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ ने एक बयान में कहा कि उनकी सेना ने शनिवार सुबह नार्थ कोरिया के पश्चिमी तट से कई मिसाइलों का प्रक्षेपण किए जाने का पता लगाया। कहा गया है कि दक्षिण कोरियाई और अमेरिकी खुफिया अफसर प्रक्षेपण का विश्लेषण कर रहे हैं। इसमें यह भी कहा गया है कि दक्षिण कोरिया ने अपनी निगरानी क्षमता बढ़ा दी है और अमेरिका के साथ मजबूत समन्वय स्थापित है। नार्थ कोरिया ने यह प्रक्षेपण अमेरिका और दक्षिण कोरिया के 11 दिवसीय संयुक्त सैन्य अभ्यास खत्म होने के 2 दिन बाद किया है। इसके खत्म होने से एक दिन पहले भी नार्थ कोरिया ने उत्तर-पूर्वी समुद्री क्षेत्र की ओर 2 बैलिस्टिक मिसाइलें दागी थीं। नार्थ कोरिया ने कहा था कि वह संघर्ष की स्थिति में दक्षिण कोरियाई क्षेत्र पर कब्जे के लिए कमांड पोस्ट अभ्यास कर रहा है।

लंबे युद्ध के बाद रूस ने सरमत मिसाइल को मोर्चे पर लगाया

मॉस्को । रूस की अंतरिक्ष एजेंसी रोस्कोस्मोस के प्रमुख ने शुक्रवार को बताया कि देश ने एक उन्नत अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल तैनात की है जिसके बारे में राष्ट्रपति पुतिन ने कहा था कि यह मॉस्को के दुश्मनों को दो बार सोचने पर मजबूर कर देगी। रूसी समाचार एजेंसियों ने रोस्कोस्मोस के प्रमुख यूरी बोरिसोव के हवाले से बताया कि सरमत मिसाइल को युद्ध में तैनात किया है। मिसाइल तैनाती के संदर्भ में कोई अन्य जानकारी नहीं है। सरमत विभिन्न उन्नत हथियारों में से आईसीबीएम है इसका निर्माण पुतिन ने 2018 में किया था। यह मिसाइल कई परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम है। इसके आर-26 आईसीबीएम की जगह लेने की संभावना है जिसे नाटो ने शैतान का नाम दिया था। निगरानी प्रणालियों को सरमत का पता लगाने के लिए बहुत कम समय मिलता है। रूस के वर्ष 2022 में यूक्रेन में सेना भेजने के करीब 2 महीने बाद पुतिन ने कहा था कि सरमत बाहरी खतरों से रूस की विश्वसनीय रूप से सुरक्षा करेगी। यह उन लोगों को दो बार सोचने पर मजबूर करेगी जो आक्रामक बयानबाजी से रूस को धमकी देने की कोशिश करते हैं।

अमेरिका में नहीं रुक रहा जेल के अंदर कैदियों के बीच खूनी संघर्ष

जॉर्जिया । अमेरिका के फुल्टन काउंटी जेल में एक सामूहिक चाकूबाजी की घटना को अंजाम दिया गया। रिपोर्ट के अनुसार, हादसे में एक बंदी की मौत हो गई और चार अन्य कैदी घायल हुए है। फुल्टन काउंटी शेरिफ कार्यालय के प्रवक्ता नताली अम्मोन्स के हवाले से बताया कि स्थिति को नियंत्रण कर मामले की जांच चल रही है। विभाग ने कहा कि घटना में 23 वर्षीय डेवियन ब्लास्के की मौत हो गई है और तीन अन्य कैदियों को अस्पताल ले जाया गया है। सभी को चाकू से घायल किया गया और अन्य व्यक्ति का इलाज जेल मेडिकल स्टाफ द्वारा किया गया। शेरिफ कार्यालय ने कहा कि अटलांटा पुलिस इस घटना में शामिल कैदियों के नाम और आपराधिक आरोप जारी करेगी। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि हथियारों को लेकर हुए एक विवाद में कैदियों को चोटें आई। शेरिफ ने कहा कि जेल में हाल ही में भड़की हिंसा एक गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने बताया कि अस्थायी हथियारों का इस्तेमाल कैदी एक-दूसरे और कर्मचारियों पर हमला करने के लिए करते हैं। जुलाई के अंत से फुल्टन काउंटी जेल के कैदी की यह पांचवीं मौत है। इसके पहले 40 वर्षीय मोंटे स्टिन्सन को 31 जुलाई की रात को अपने सेल में बेहोश पाया गया था। रिपोर्ट के अनुसार, 10 अगस्त की शाम को एक हिरासत अधिकारी ने 34 वर्षीय क्रिस्टोफर स्मिथ को संदिग्ध हालत में पाया , जिसके बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालांकि, कुछ ही समय बाद उसकी मौत हो गई।

चिली में ट्रेन-मिनीबस की टक्कर में छह की मौत

सैंटियागो । मध्य चिली के सैन पेड्रो डी ला पाज में एक ट्रेन के मिनीबस से टकराने से करीब छह लोगों की मौत हो गई। रिपोर्ट के अनुसार, सैन्य पुलिस ने बताया कि दुर्घटना एक रेलमार्ग क्रॉसिंग पर हुई, इसमें मिनीबस में सवार 14 लोगों में से छह की मौत हो गई। ट्रेनों का संचालन करने वाली राज्य के स्वामित्व वाली कंपनी ईएफई सुर ने मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त कर कहा कि ट्रेन में सवार कोई भी यात्री गंभीर रूप से घायल नहीं हुआ है।

भारत कब चंद्र पर भेजेगा इंसान, स्पेस एप्लीकेशन सेंटर के निदेशक ने दिया जबाव

वॉशिंगटन। आज से लगभग 50 साल पहले सोवियत संघ और अमेरिका के बीच अंतरिक्ष में रेस चल रही थी। सोवियत संघ ने जहां अपने लैंडर चांद पर उतार दिए, वहीं अमेरिका सबसे पहले इंसानों को भेजने में कामयाब रहा। 54 साल पहले इंसान ने चांद पर कदम रखा था। पांच दशक बाद अब भारत ने भी अपना टार्गेट चांद को बना लिया है। 23 अगस्त को चांद पर लैंडर उतार कर भारत ने वह कर दिखाया, जो आज तक कोई नहीं कर सका था। लेकिन क्या कभी भारत भी चांद पर इंसानों को पहुंचा सकेगा?

इसका जवाब अहमदाबाद में स्पेस एप्लीकेशन सेंटर के निदेशक नीलेश देसाई ने दिया। उन्होंने कहा कि चंद्रमा पर मानव मिशन भेजने में कम से कम दो से तीन दशक लग सकते हैं। उनका यह बयान चंद्रयान-3 की लैंडिंग के बाद आया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका और रूस पहले ही ऐसा कर चुके हैं। लेकिन भारत को इसमें कुछ समय लगेगा क्योंकि हमें सिर्फ आदमी नहीं भेजना, आदमी को जिंदा वापस भी लाने की जरूरत है। हमें तकनीक बढ़ाने की जरूरत है। अगर हमारे पास अच्छी परखी हुई तकनीक हुई तब यह कदम उठा सकते हैं। लेकिन इसमें भारत को कम से कम 20-30 साल लग सकते हैं। नासा फिर चांद पर जाने की तैयारी कर रहा है। नासा का लक्ष्य है कि 2025 तक इंसानों को फिर चांद पर पहुंचाया जाए। इसके लिए नासा ने आर्टेमिस प्रोग्राम की शुरुआत की है। इसमें तीन मिशन चलाए जाएंगे। सबसे पहला मिशन आर्टेमिस-1 है जो 2022 में पूरा हो गया है। इसके तहत खाली ओरायन कैप्सूल को चांद तक भेजा गया। ये कैप्सूल चांद का चक्कर लगा कर धरती पर वापस आ गया। ओरायन ने 450,000 किमी की यात्रा की थी और 130 किमी की ऊंचाई से चांद का चक्कर लगाया था। इसके बाद 2024 के अंत तक आर्टेमिस-2 मिशन चलाया जाएगा, जिसमें 4 अंतरिक्ष यात्रियों को बैठाकर चांद तक भेजा जाएगा। यह लोग सिर्फ चांद का चक्कर लगाकर वापस आ जाएगा। मिशन में आठ से दस दिन लगेगा और ओरियन मॉड्यूल के लाइफ सपोर्ट सिस्टम और इसकी क्षमता का मूल्यवान डेटा इकट्ठा किया जाएगा। तीसरा आर्टेमिस मिशन 30 दिनों का होगा, जिसके तहत इंसानों को चांद पर भेजा जाएगा। स्पेसएक्स की तरफ से एक ह्यूमन लैंडिंग सिस्टम डिजाइन किया जा रहा है, जिससे इंसानों को चांद पर उतारा जाएगा।

नेशनल एक्शन पार्टी (पैन) के मैक्सिकन सीनेटर ज़ोचिटल गैलवेज़, एक इन्फ्लैटेबल हरे रंग का डायनासोर सूट पहने हुए, सीनेट में सत्तारूढ़ वामपंथी नेशनल रिजनरेशन मूवमेंट (मोरेना) के एक बिल के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए। दिसंबर 2022 को लिया गया यह चित्र शुक्रवार को प्रदर्शित किया गया।

पाकिस्तान में आम चुनाव होने की तारीख आ गई सामने

इस्लामाबाद । पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) ने कहा कि वह 30 नवंबर तक राष्ट्रीय और प्रांतीय विधानसभाओं के निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन पूरा करने की तैयारी कर रहा है। यह निर्णय ईसीपी को कोई अन्य व्यावहारिक कठिनाइयां होने पर संभावित तिथि 28 जनवरी या 4 फरवरी के साथ जनवरी 2024 के अंतिम सप्ताह में आम चुनाव कराने की अनुमति देता है। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) सिकंदर सुल्तान राजा ने परिसीमन प्रक्रिया को पूरा करने के लिए आवश्यक समय को कम करने का निर्णय लिया। हालाँकि, यदि पाकिस्तान सुप्रीम कोर्ट हस्तक्षेप कर परिसीमन प्रक्रिया को रद्द करने और संवैधानिक आवश्यकता को पूरा करने के लिए 90 दिनों में आम चुनाव कराने का निर्देश देता है, तब चुनाव पहले कराए जा सकते हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि हम (उच्चतम न्यायालय के आदेश का) अनुपालन करने वाले हैं। पाकिस्तानी कानूनी विशेषज्ञों के अनुसार, ईसीपी को खुद फैसले लेने के बजाय शीर्ष अदालत के साथ काम करना पड़ सकता है। उन्होंने दो प्रांतीय विधानसभाओं के विघटन के बाद पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा में चुनाव कराने से संबंधित एक मामले में फैसले की समीक्षा करने की मांग करने वाली ईसीपी याचिका को सुप्रीम कोर्ट द्वारा खारिज करने की ओर इशारा किया।

सिंगापुर में थरमन शणमुगारत्नम ने जीता राष्ट्रपति का चुनाव

- चुनाव में 70 फीसदी से अधिक मिले वोट

सिंगापुर (एजेंसी)। सिंगापुर में करीब एक दशक बाद हुए राष्ट्रपति के चुनाव में भारतीय मूल के थरमन शणमुगारत्नम ने बाजी मार ली है। थरमन शणमुगारत्नम को चुनाव में 70 फीसदी से अधिक मत मिले हैं। सिंगापुर के चुनाव आयोग ने इसकी घोषणा की। इससे पहले राष्ट्रपति चुनाव में शुक्रवार को लोगों ने बड़ी संख्या में मतदान किया। त्रिकोणीय मुकाबले में भारतीय मूल के पूर्व मंत्री थरमन शणमुगारत्नम भी किस्मत आजमा रहे हैं। पात्र मतदाताओं ने सुबह आठ बजे से ही मतदान केंद्रों पर पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग करना आरंभ कर दिया था। सभी को मतदान करना आवश्यक है जिसके लिए सरकार ने शुक्रवार को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है। नाव विभाग (ईएलडी) ने बताया कि पात्र मतदाताओं में से अपराह्न तीन बजे तक 20,04,961 यानी 74 प्रतिशत मतदाताओं ने मतदान कर दिया था। सिंगापुर में 27 लाख से अधिक लोग मतदान के पात्र हैं। मतदान केंद्र रात्रि आठ बजे तक खुले रहेंगे। इसके बाद मतगणना आरंभ होगी। मतदान पूर्ण होने के बाद अंतिम मतगणना पूर्ण होने से पहले शुक्रवार को ही

सिंगापुरवासियों को रात करीब 10-11 बजे के बीच राष्ट्रपति चुनाव के नतीजे का प्रारंभिक संकेत मिल जाएगा। एक खबर के अनुसार ईएलडी मतगणना के नमूना आधारित परिणाम वेबसाइट पर प्रकाशित करेगी।

ईएलडी वेबसाइट के अनुसार जब मतगणना चल रही होती है और परिणाम आने वाले होते हैं तो मतगणना के नमूने को जारी करने से अनौपचारिक स्रोतों से अटकलों और गलत सूचनाओं को रोकने में मदद मिलती है। मतगणना का नमूना 95 प्रतिशत तक सही होता है जबकि इसके गलत होने का आंकड़ा महज चार प्रतिशत है। देश के नौवें राष्ट्रपति के लिए हो रहे मुकाबले में थरमन के अलावा दो अन्य उम्मीदवार भी हैं। इनमें पहले सिंगापुर सरकार इन्वेस्टमेंट कॉर्प (जीआईसी) के पूर्व मुख्य निवेश अधिकारी एन. कोक सोंग और देश के सरकारी स्वामित्व वाले बीमा समूह एनटीयूसी इनकम के पूर्व प्रमुख टेन किन लियान हैं। निवर्तमान राष्ट्रपति हलीमा याकूब का छह वर्ष का कार्यकाल 13 सितंबर को समाप्त हो रहा है। वह देश की आठवीं राष्ट्रपति हैं और इस पद पर पहुंचने वाली पहली महिला हैं। सिंगापुर में वर्ष 2017 का राष्ट्रपति चुनाव एक आरक्षित चुनाव था जिसमें केवल मलय समुदाय के सदस्यों को चुनाव लड़ने की अनुमति थी। उस दौरान हलीमा को राष्ट्रपति नामित किया गया था क्योंकि कोई अन्य उम्मीदवार नहीं था। सिंगापुर में वर्ष 2011 के बाद यह पहला राष्ट्रपति चुनाव है। भारतीय मूल के सिंगापुर में जन्मे 66 वर्षीय अर्थशास्त्री शणमुगारत्नम ने देश की संस्कृति को दुनिया में उज्ज्वल बनाए रखने के संकल्प के साथ पिछले महीने औपचारिक रूप से राष्ट्रपति पद के लिये अपना अभियान शुरू किया था। वह सख्त मानदंडों के तहत चुने गए तीन उम्मीदवारों में से एक हैं। सिंगापुर में राष्ट्रपति पद के लिए दावेदारी करने वाले उम्मीदवारों के लिए कड़ी योग्यता प्रक्रिया है। राजनीति में 2001 में आए शणमुगारत्नम ने दो दशक से अधिक समय तक सत्तारूढ़ पीपुल्स एक्शन पार्टी (पीएपी) के साथ सार्वजनिक क्षेत्र के और मंत्री पदों पर कार्य किया है।

जी20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने गुरुवार को भारत जाएंगे बाइडेन

-पीएम मोदी के साथ शुक्रवार को होगी द्विपक्षीय बैठक

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन जी20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने गुरुवार को भारत जाएंगे। व्हाइट हाउस ने इसकी जानकारी दी। व्हाइट हाउस के मुताबिक, बाइडन जी20 शिखर सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ एक द्विपक्षीय बैठक भी करने वाले हैं। जी20 समूह का मौजूदा अध्यक्ष भारत नई दिल्ली में 9 और 10 सितंबर को होने वाले शिखर सम्मेलन में वैश्विक नेताओं की मेजबानी करेगा। व्हाइट हाउस ने बयान में कहा कि राष्ट्रपति बाइडन भारत में जी20 शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए आगामी बृहस्पतिवार (सात सितंबर) को नई दिल्ली जाएंगे। इसमें कहा गया है कि सम्मेलन के दौरान बाइडन जी20 समूह के बेहतरीन नेतृत्व के लिए प्रधानमंत्री मोदी की सराहना करने वाले हैं। बयान के अनुसार, बाइडन आगामी शुक्रवार को जी20 शिखर सम्मेलन से इतर मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक करने वाले हैं। इसमें बताया गया है कि आगामी शनिवार (नौ सितंबर) और रविवार (दस सिंतबर) को राष्ट्रपति जी20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने वाले हैं। जिसमें सदस्य देशों के नेता स्वच्छ ऊर्जा अपनाने और जलवायु परिवर्तन से निपटने सहित अन्य अहम वैश्विक मुद्दों को संबोधित करने के लिए उठाए जा रहे संयुक्त कदमों पर चर्चा होगी। बयान के मुताबिक, जी20 देशों के नेता यूक्रेन पर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के आक्रमण के आर्थिक एवं सामाजिक प्रभावों का भी आकलन करने वाले हैं। इसमें कहा गया है कि जी20 नेता वैश्विक चुनौतियों से निपटने और गरीबी से बेहतर ढंग से लड़ने के लिए विश्व बैंक सहित अन्य बहुपक्षीय विकास बैंकों की क्षमता बढ़ाने के उपायों पर भी चर्चा करने वाले हैं। वह आर्थिक सहयोग के प्रमुख मंच के रूप में जी20 के प्रति अमेरिकी प्रतिबद्धता की पुष्टि करने वाले हैं, जिसमें 2026 में समूह की मेजबानी भी शामिल है। जी20 दुनिया की प्रमुख विकसित और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं का एक अंतरसरकारी मंच है।

आरएमएसटी के अभियान का कड़ा विरोध कर रही बाइडेन सरकार

वॉशिंगटन (एजेंसी)। जॉर्जिया स्थित आरएमएस टाइटैनिक इंक (आरएमएसटी) कंपनी अगले साल टाइटैनिक का मलबा निकालने की तैयारी कर रही है। बाइडेन सरकार आरएमएसटी के अभियान का कड़ा विरोध कर रही है। इतना ही नहीं इस रोकने के लिए निर्णायक रूप से हस्तक्षेप कर रही है।

अमेरिका ओर से यह कदम उस समय में उठाया गया है, जब दो महीना पहले ही हुई टाइटन पनडुब्बी हादसे के बाद यह सवाल उठाया जाने लगा था कि यह कौन नियंत्रित करता है कि टाइटैनिक के अवशेष तक कौन जा सकता है। टाइटन पनडुब्बी हादसे में पनडुब्बी पर सवार सभी 5 लोगों की मौत हो गई थी।

रिपोर्ट के मुताबिक, संघीय कानून और अंतरराष्ट्रीय समझौते का हवाला देकर अमेरिका, आरएमएसटी के अभियान का कड़ा विरोध कर रहा है। संघीय कानून और अंतरराष्ट्रीय समझौता जहाज के मलबे को कब्रगाह के रूप में मान्यता देता है। वर्तमान में जॉर्जियाई कंपनी आरएमएस टाइटैनिक इंक के पास ही टाइटैनिक जहाज के मलबे को बचाने का अधिकार है। यह कंपनी टाइटैनिक जहाज के मलबे को निकाल कर प्रदर्शित करती है, जिसमें चांदी के बर्तन से लेकर टाइटैनिक के सेगमेंट तक की वस्तुएं शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी सरकार टाइटैनिक जहाज के मलबे को लेकर कानूनी कार्रवाई कर रही है कि कौन जहाज से कलाकृतियों को रिकवर कर सकता है। साथ ही संभावना है कि अमेरिका आरएमएसटी के अभियान पर रोक लगा सकता है। अमेरिका की ओर से की जा रही कानूनी कार्रवाई इसलिए भी अहम होती है क्योंकि यह सरकार की विधायी और कार्यकारी नियमों के विरुद्ध है। टाइटैनिक जहाज का मलबा पहली बार सितंबर 1985 में मिला था। यह समुद्रतल से 12,500 फीट नीचे मौजूद है। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी सरकार टाइटैनिक हादसे के मामले में एक पक्ष बनना चाहती है और किसी भी आपत्तिजनक अभियान को रोकना चाहती है। अमेरिकी वाणिज्य सचिव और इसकी समुद्री इकाई नेशनल ओशनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन का कहना है कि यह अधिकार उसके पास है, कि वह किसी को टाइटैनिक तक पहुंचने की अनुमति देता है या नहीं। जहाज के मलबे के संरक्षण में विशेषज्ञता रखने वाले एनओएए के सेवानिवृत्त वकील ओले वर्मर का कहना है कि अमेरिका के इस कदम को आने में काफी समय लग गया है।

चलो, कारगिल चलो...पाकिस्तान से नहीं संभल रहा गिलगित-बाल्टिस्तान!

-सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो

गिलगित (एजेंसी)। पाकिस्तान के कब्जे वाले गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हो रहा है। लोग चलो कारगिल चलो के नारे लगा रहे हैं और भारत में विलय की धमकी दे रहे हैं। पाकिस्तानी अधिकारियों के खिलाफ ये प्रदर्शन ईशनिंदा के आरोप में एक जाने-माने शिया मौलवी की गिरफ्तारी के बाद हुए हैं। यह पाकिस्तान के लिए उथल-पुथल भरा समय है। भारत का पड़ोसी देश हर तरह की परेशानी से जूझ रहा है। इसकी राजनीति मंदी में है और इसकी अर्थव्यवस्था मंदी में है। जैसे-जैसे देश अपनी समस्याओं से निपटने की कोशिश कर रहा है, वैसे-वैसे देश को गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन का भी सामना करना पड़ रहा है।

एक्स पर पाकिस्तान के कब्जे वाले गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र में लोगों के बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन और राष्ट्र के खिलाफ नारे लगाने के वीडियो सामने आ रहे हैं। सोशल मीडिया पर मौजूद एक वीडियो में (उनमें से किसी की भी पुष्टि नहीं की गई है) स्कर्दू क्षेत्र के लोगों ने बड़ी संख्या में एकत्र होकर पाकिस्तानी अधिकारियों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर देश के खिलाफ नारे लगाए। विरोध प्रदर्शन कर रहे नेताओं में से एक को सुना जा सकता है कि वे दरवाजे तोड़ और कारगिल चले जाएंगे। 25 अगस्त को पोस्ट किया गया, गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र में इसी तरह के

प्रदर्शन को दर्शाता है, जिसमें क्षेत्र के एक सामाजिक कार्यकर्ता वज़ीर हसनैन कह रहे हैं हम आपके सिंध नहीं जाएंगे, हम आपके पंजाब नहीं जाएंगे। हम आपके देश में नहीं रहना चाहते, कारगिल का रास्ता खोल दीजिए, हम कारगिल जाएंगे।

क्षेत्र में एक सप्ताह से अधिक समय से चल रहा विरोध प्रदर्शन क्षेत्र के प्रतिष्ठित शिया धर्मगुरु आगा बाकिर अल-हुसैनी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज होने के कारण है। अधिकारियों ने स्कर्दू में उलेमा परिषद की बैठक में की गई टिप्पणी के लिए उनके खिलाफ ईशनिंदा का मामला दर्ज किया। यह बैठक पाकिस्तान के सख्त ईशनिंदा कानूनों पर चर्चा के लिए आयोजित की गई थी, जिसके बारे में कई लोगों का मानना है कि यह शिया समुदाय को निशाना बनाने के लिए है।

वर्ष की शुरुआत में पाकिस्तान ने अपने ईशनिंदा कानूनों को मजबूत किया और पैगंबर मुहम्मद से जुड़े लोगों को ठेस पहुंचाने वाले किसी भी व्यक्ति को दंडित करने के लिए उनका विस्तार किया। आलोचकों का कहना है कि ईशनिंदा कानून का अक्सर व्यक्तिगत हिसाब बराबर करने के लिए पाकिस्तान के छोटे अल्पसंख्यक समूहों और यहां तक कि मुसलमानों के खिलाफ भी दुरुपयोग किया जाता है। आलोचकों का तर्क है कि ईशनिंदा के आरोप देश में आम हैं और ईशनिंदा के आरोपों के संबंध में 1990 से कम से कम 85 लोगों की हत्या की गई है।

पाकिस्तान नहीं अब सीधे भारत यात्रा पर आ रहे मोहम्मद बिन सलमान

इस्लामाबाद (एजेंसी)। सऊदी अरब ने पाकिस्तान को बड़ा झटका दिया है। जी-20 सम्मेलन के लिए भारत आ रहे क्राउन प्रिंस और प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन सलमान (एमबीएस) ने अपना पाकिस्तान का दौरा फिलहाल स्थगित किया है। मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि सऊदी और पाकिस्तान के बीच हुए सलाह मशविरे के बाद सऊदी क्राउन प्रिंस का इस्लामाबाद कुछ समय के लिए टाल दिया गया है।

दरअसल सऊदी क्राउन प्रिंस जी-20 सम्मेलन के लिए भारत आने से पहले पाकिस्तान जाने वाले थे। पाकिस्तान विदेश विभाग की प्रवक्ता मुमताज जाहरा बलोच ने बताया है कि इस दौरे की प्लानिंग जारी है। जल्द ही नई तारीखों का ऐलान होगा। पाकिस्तान बड़ी बेसब्री से सऊदी क्राउन प्रिंस के दौरे का इंतजार कर रहा था। पिछले दिनों ऐसी खबरें आई थी कि प्रिंस सितंबर के दूसरे हफ्ते में पाकिस्तान का दौरा कर सकते हैं। कहा जा रहा था कि मोहम्मद बिन सलमान देश के कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवार-उल-हक काकर और सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर से मुलाकात कर सकते हैं।

सऊदी प्रिंस आखिरी बार फरवरी 2019 में पाकिस्तान गए थे। उन्होंने तब तत्कालीन प्रधानमंत्री इमरान खान से मुलाकात की थी। जानकारों का कहना था कि अगर सऊदी प्रिंस पाकिस्तान की यात्रा करते भी तब उसका कोई मतलब नहीं होता। पाकिस्तान में इस समय एक अंतरिम सरकार है। कार्यवाहक पीएम नई सरकार के सत्ता में आने तक किसी भी बड़े निर्णय को करने के हकदार नहीं है। कहा जा रहा था कि सऊदी प्रिंस की यात्रा एक रणनीतिक संतुलन के तहत होती क्योंकि खाड़ी देश पाकिस्तान में भारी निवेश कर रहा है। यह बात भी दिलचस्प है कि मोहम्मद बिन सलमान को पिछले साल भी पाकिस्तान जाना था लेकिन बाद में इस दौरे को स्थगित कर दिया गया था। विदेश नीति के जानकारों की मानें तब एमबीएस अगर भारत आते तब वह पहले मंत्री होते जो एक ही यात्रा में पाकिस्तान और भारत का दौरा करते। भारत ने आधिकारिक तौर पर उनकी पिछली यात्रा पर कोई टिप्पणी नहीं की थी।

ओटीटी पर दस्तक देगी रजनीकांत की 'जेलर'

जैकी श्रॉफ, रजनीकांत से लेकर तमन्ना भाटिया जैसे स्टार्स से सजी 'जेलर' अब ओटीटी पर भी रिलीज होने जा रही है। परस्टार रजनीकांत की फिल्म 'जेलर' 7 सितंबर को शाहरुख खान की अपकमिंग फिल्म 'जवान' के साथ डिजिटल प्रीमियर के लिए तैयार है। जवान 7 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। लेखक और निर्देशक नेल्सन दिलीप कुमार ने कहा, 'जेलर के साथ हम एक मनोरंजक फिल्म बनाना चाहते थे जो थलाइवर को एक जबरदस्त एक्शन भूमिका में दिखाए। हम दर्शकों के अद्भुत प्यार और मीडिया के अनुकरणीय शब्दों से अभिभूत हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'जेलर मेरे लिए बेहद खास है, मेरे पास अपनी विशिष्ट अभिनय शैली के साथ कहानी को ऊंचा उठाने के लिए रजनीकांत सर थे, और इस सामूहिक मनोरंजन में अपना जादुई स्पर्श जोड़ने के लिए भारतीय फिल्म उद्योग के सुपरस्टार मोहनलाल सर, शिव राजकुमार सर और जैकी श्रॉफ सर थे। हम दुनिया भर के दर्शकों के लिए उत्साहित हैं कि वे अब अपने घरों से, किसी भी समय और कहीं भी इस एक्शन ड्रामा का आनंद ले सकते हैं।' प्राइम वीडियो ने शनिवार को 7 सितंबर को रजनीकांत अभिनीत 'जेलर' के वैश्विक स्ट्रीमिंग प्रीमियर की घोषणा की। यह तमिल, तेलुगु, मलयालम, कन्नड़ और हिंदी में प्राइम मेंबरशिप का लेटेस्ट एडिशन है। यह ब्लॉकबस्टर एक सेवानिवृत्त जेलर टाइगर मुथुवेल पांडियन (रजनीकांत) के बारे में है, जो अपने बेटे के हत्यारों से बदला लेता है। सन पिक्चर्स द्वारा निर्मित और नेल्सन दिलीप कुमार द्वारा निर्देशित, फिल्म में रजनीकांत मुख्य भूमिका में हैं, साथ ही राम्या कृष्णन, योगी बाबू, विनायकन, तमन्ना भाटिया और मास्टर ऋत्विक भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं और मोहनलाल, शिव राजकुमार और जैकी श्रॉफ ने विशेष भूमिका निभाई है। सन पिक्चर्स के सीओओ सी. सेम्बियन शिवकुमार ने कहा, 'जेलर सिर्फ एक एक्शन फिल्म नहीं है बल्कि एक पिता और बेटे के बीच गहरे भावनात्मक रिश्ते को भी दर्शाती है। यह एक ऐसी कहानी है जो हर दर्शक के दिल को छू जाएगी। सिनेमाघरों में फिल्म की जबरदस्त सफलता नेल्सन की दूरदर्शिता और पूरी टीम की कड़ी मेहनत और समर्पण का प्रमाण है।'

शिल्पा शेट्टी ने फिल्म इंडस्ट्री से जताई नाराजगी! कहा 'मेरी गिनती टॉप 10 में कभी नहीं हुई'

शिल्पा शेट्टी बॉलीवुड की बेहतरीन एक्ट्रसेस में से एक हैं। एक्ट्रेस की फिल्में सुपरहिट रहीं हैं। शिल्पा आज भी इंडस्ट्री की न्यू एक्ट्रेसेस को कंपटीशन देती हैं। लेकिन शिल्पा का कहना है कि इतनी मेहनत करने के बाद भी उनका नाम फिल्म इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेसेस में नहीं लिया गया।

मीडिया से बात करते हुए, शिल्पा ने यह भी कहा कि वे काम बहुत ज्यादा करती हैं लेकिन उन्हे पैसे कम दिए जाते हैं। एक इंटरव्यू में, एक्ट्रेस ने बॉलीवुड में अपने सफर को याद किया और कहा कि उन्हें सभी का प्यार मिला। एक्ट्रेस ने यह भी कहा कि अब वह अपने ब्रांड पर अच्छा काम कर रहीं हैं और उनका टीवी शो भी अच्छा चल रहा है। शिल्पा 1993 से फिल्मों में काम कर रहीं हैं। शिल्पा ने इंटरव्यू में बताया, 'मैं कभी भी टॉप 10 एक्ट्रेसेस की लिस्ट में नहीं थी। मुझे बहुत प्यार और प्रशंसा मिली, लेकिन कभी भी टॉप 10 में नहीं गिना गया। शायद कमी है अवसर, या क्या मैं नहीं जानती। आज मुझे देखो मैं सबसे बड़ी सीरीज कर रही हूं। मैंने अभी एक फिल्म की शूटिंग पूरी की है। मैं एक फिल्म कर रही हूं। मेरे पास आज शिकायत करने के लिए कुछ भी नहीं है। हम सभी की अपना सफर है, मैंने टीवी पर अपनी पहचान बनाई है और मेरा ब्रांड अच्छा प्रदर्शन कर रहा है।'

शिल्पा ने यह भी शेयर किया कि वह दिनभर बहुत सी चीजों में फिट होने की पूरी कोशिश करती हैं। बच्चों के स्कूल शुरू करने के साथ, उनकी जिम्मेदारियां अब बढ़ गई हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि अपनी सभी ज़िम्मेदारियों को निभाने में बहुत काम लगता है। शिल्पा इस साल नवंबर में बॉलीवुड में अपने 30 साल पूरे कर लेंगी।

1993 में शाहरुख खान और काजोल अभिनीत फिल्म 'बाजीगर' से बॉलीवुड में शानदार शुरुआत करने के बाद, शिल्पा ने 90 के दशक में कई पॉपुलर फिल्मों में काम किया। इनमें मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी, जानवर द गैम्बलर और हथकड़ी शामिल हैं। 2000 में, उन्होंने धड़कन में एक्ट किया, जिससे शिल्पा को खूब पॉपुलैरिटी मिली।

हाल ही में, उन्हें सब्बीर खान की 'निकम्मा' में देखा गया था जो तेलुगु फिल्म मिडिल क्लास अब्बाई की रीमेक थी। फिल्म में शिल्पा अभिमन्यु दसानी, शर्ली सेतिया और समीर सोनी के साथ नजर आई थीं। इसके बाद, उनकी लिस्ट में एक कन्नड़ फिल्म, हिंदी फिल्म सुखी और रोहित शेट्टी की वेब सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स है।

फरहान अख्तर ने मनाया जश्न

बॉलीवुड एक्टर फरहान अख्तर ने अपनी फिल्म रॉक ऑन के 15 साल पूरे होने का जश्न मनाया है। गौरतलब है कि उन्होंने इस फिल्म से एक्टिंग की शुरुआत की। अभिषेक कपूर द्वारा निर्देशित इस फिल्म में फरहान ने बैंड मैजिक के लीड सिंगर का किरदार निभाया था। उनके साथ मुख्य गिटार पर अर्जुन रामपाल, ड्रम बजाते पूरब कोहली और कीबोर्ड पर ल्यूक केनी थे। फरहान ने फिल्म की 15वीं वर्षगांठ मनाने के लिए अपने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा किया। फरहान ने अपने करियर में इस फिल्म का महत्व बताते हुए सोशल मीडिया पर लिखा कि मैजिक को बने 15 साल हो गए। उन फैंस को धन्यवाद, जिन्होंने इसके जादू को बरकरार रखा है। फिल्म रॉक ऑन 2008 में रिलीज हुई थी। फिल्म एक बैंड की जर्नी को दिखाती है, जो टूट जाता है और 10 साल बाद फिर एक साथ आता है। फिल्म में फरहान ने सिंगर से निवेश बैंकर बने आदित्य श्रॉफ का किरदार निभाया, जो अपनी पत्नी को खोने के बाद म्यूजिक में वापस लौटा। इस प्रक्रिया में, उनका बैंड मैजिक अपने सभी सदस्यों के साथ अपने मतभेदों को दूर करके फिर से एक साथ आता है।

प्रभास की 'सालार' का फैंस को करना होगा और इंतजार

साउथ सुपरस्टार प्रभास जल्द ही निर्देशक और एक्शन डायरेक्टर प्रशांत नील की फिल्म 'सालार पार्ट 1 सीजफायर' में नजर आने वाले हैं। फैंस इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फैंस की ये एक्साइटमेंट साल की शुरुआत 'साल नहीं सालार है' ट्रेंड कराने के साथ ही शुरू हो गई थी।

'सालार' 28 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही थी। लेकिन अब खबरें आ रही है कि मेकर्स ने इस फिल्म की रिलीज डेट को सितंबर से आगे बढ़ाकर दिसंबर तक पोस्टपोन कर दी है। 'सालार' के पोस्टपोन होने की वजह शाहरुख की फिल्म 'जवान' को भी माना जा रहा था, जो 7 सितंबर को रिलीज हो रही है।

'सालार : पार्ट 1 – सीज़फ़ायर की एक छोटी सी झलक भर ने जनता को जबरदस्त तरीके से बेचैन किया है। और तब से दर्शक इसकी रिलीज का इंतजार कर रहे हैं, जबकि निर्माता

इस मेगा-एक्शन एंटरटेनर फिल्म को उनके सामने पेश करने के लिए उतने ही उत्साहित हैं। मेकर्स इस फिल्म को थिएटर्स में उतारने के लिए फुल रफ्तार से काम में जुटे है, लेकिन साथ ही उन्होंने इस बात का भी ध्यान रखा है कि फिल्म की क्वालिटी के साथ किसी भी तरह का कोई कॉम्प्रोमाइज न हो और दर्शकों तक बेस्ट सिनेमा पहुंचे।

2024 में आमिर खान की होगी वापसी

बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान की अगले साल एक्टिंग में वापसी हो रही है। क्रिसमस पर अन-टाइटल फिल्म के साथ वह एक्टिंग में वापसी करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उनकी फिल्म अगले साल क्रिसमस के मौके पर रिलीज होगी। हालांकि उस समय अक्षय कुमार की वेलकम 3 भी आएगी। बता दें कि ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने एक्स पर फिल्म की घोषणा की। उन्होंने साझा किया कि फिल्म का प्री-प्रोडक्शन चल रहा है और यह 20 जनवरी, 2024 को फ्लोर पर जाएगी। आदर्श ने एक्स पर लिखा, एक्सक्लूसिव, आमिर खान ने अगली फिल्म के लिए क्रिसमस 2024 को लॉक कर लिया है। आमिर खान प्रोडक्शंस के प्रोडक्शन नंबर 16 (अभी तक टाइटल तय नहीं), 20 दिसंबर 2024 क्रिसमस 2024 को रिलीज होगी। फिल्म का प्री-प्रोडक्शन जारी है और फिल्म 20 जनवरी 2024 को फ्लोर पर जाएगी। अधिक जानकारी जल्द ही दी जाएगी। लाल सिंह चड्ढा की असफलता के बाद आमिर ने एक्टिंग से ब्रेक ले लिया।

टीवी एक्ट्रेस अपर्णा नायर की मौत

महज 31 साल की मलयालम टीवी इंडस्ट्री की मशहूर एक्ट्रेस अपर्णा नायर का निधन हो गया है। उनका शव उनके घर में कल रात संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। अपर्णा के यूं अचानक निधन से उनके फैंस को बड़ा झटका लगा है। खबर की माने तो अपर्णा गुरुवार शाम तिरुवनंतपुरम के करमना स्थित अपने घर पर बेहोश पाई गई थीं, जिसके बाद उन्हें आनन-फानन में अस्पताल ले जाया गया, लेकिन वहां पहुंचने पर डॉक्टर्स ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। आपको बता दें, अपर्णा को चंदनमाझा, आत्मसाखी, मैथिली वीन्दुम वरुम और देवस्पर्शम जैसे टीवी शो में उनके बेहतरीन अभिनय के लिए जाना जाता है। इसके अलावा वह मेघतीर्थम, मुथुगौ, अचयन्स, कोडथी सक्षमम बालन वकील और कल्कि जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी थीं।

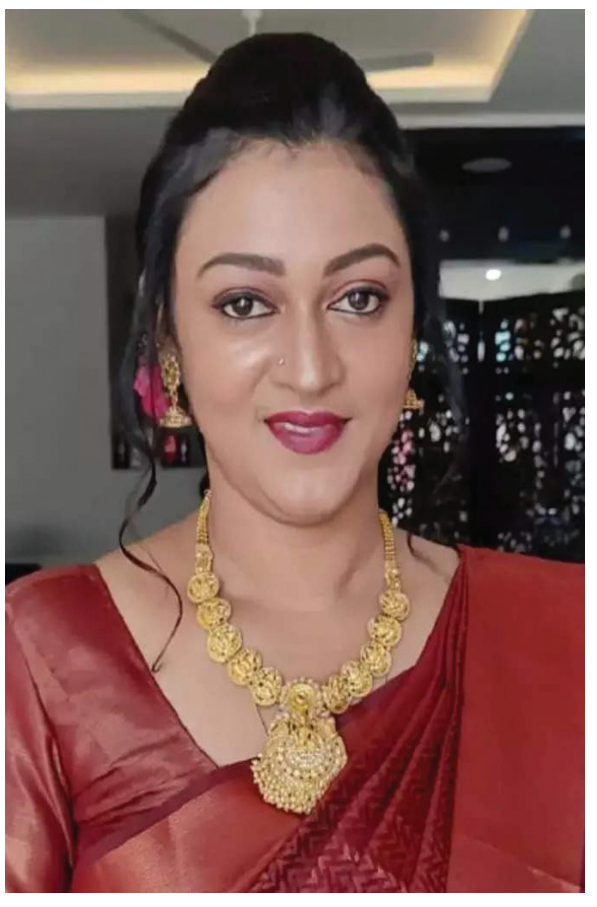

दिवाली पर धमाका करेंगे भाईजान

सलमान खान और कैटरीना कैफ-स्टारर 'टाइगर 3' का नया पोस्टर जारी हो गया है। फिल्म की रिलीज में सिर्फ दो महीने रह गए हैं, सलमान ने शनिवार को फिल्म का नया पोस्टर जारी कर अपने फैंस को आश्चर्यचकित कर दिया। सलमान खान की टाइगर 3 फिल्म का नया पोस्टर सामने आया है, जो आते ही सोशल मीडिया पर छा गया। सलमान खान और कैटरीना कैफ पहले ही तरह ही एक्शन अवतार में नजर आ रहे हैं। फिल्म के इस पोस्टर को सलमान खान ने अपने ट्विटर हैंडल से शेयर किया है। बता दें कि सलमान खान की ये फिल्म दिवाली पर रिलीज होने वाली है। सलमान खान ने नए लुक के साथ पोस्टर्स शेयर करते हुए लिखा, 'आ रहा हूं! टाइगर 3 दिवाली 2023 पर। टाइगर 3 को YRF50 के साथ केवल अपने पास की बड़ी स्क्रीन पर सेलिब्रेट करें। हिंदी, तमिल और तेलुगु में रिलीज हो रही है।' इस पोस्टर के बाद लोगों के खूब कमेंट आ रहे हैं। कोई कह रहा है कि वो फिल्म का इंतजार नहीं कर सकता तो किसी का कहना है कि ये फिल्म रिकॉर्ड तोड़ेगी। एक सोशल मीडिया यूजर ने लिखा, 'क्या यार भाई अभी जवान का तूफान थमने का नाम नहीं लेरा तुमने एक और तूफान ला लिया।' इसी तरह एक और ने लिखा, 'रिकॉर्ड ब्रेकिंग मूवी किसे कहते हैं, अब पता चलेगा, टाइगर 3 से।' एक और ने लिखा, 'स्वागत करो भाई का।' कैटरीना कैफ ने भी इंस्टाग्राम पर पोस्टर साझा किया और लिखा, ''कोई सीमा नहीं. कोई डर नहीं. वापस नहीं बदल. #टाइगर3 इस दिवाली सिनेमाघरों में. #YRF50 के साथ #Tiger3 का जश्न केवल अपने नजदीक बड़ी स्क्रीन पर मनाएं. हिंदी, तमिल और तेलुगु में रिलीज. @बीइंगसलमानखान #मनीषशर्मा @yrf.' बता दें कि टाइगर फ्रेंचाइजी के इससे पहले आए दो पार्ट एक था टाइगर (2012) और टाइगर जिंदा है (2017) बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुए हैं। अब तीसरे पार्ट के लिए लोगों में काफी उत्साह हैं। फिल्म में सलमान खान टाइगर और कैटरीना कैफ जोया के रूप में सिनेमाघरों में वापसी करेंगे। फ़िल्म में सलमान के अलावा कटरीना कैफ , इमरान हाश्मी , रिद्धि डोगरा और आशुतोष राणा जैसे दिग्गज कलाकार नज़र आएँगे। फ़िल्म का निर्देशन कबीर खान ने किया है।